हिन्दी दैनिक

# तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-248, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, शुक्रवार 21 फरवरी 2025

निरसा विधानसभा क्षेत्र में डंके की चोट पर जारी है अवैध...02

चारबाग बस स्टेशन पर डग्गामार बस को पकड़ किया गया...06

ट्विटर के फाउंडर ने ही बिटकॉइन बनाया

आज सोने में गिरावट, चांदी महंगी हुई

गुजरात के रास्ते भारत लाई जा सकती हैं टेस्ला कारें

## संक्षिप्त समाचार

### विश्वास है, रेखा गुप्ता दिल्ली के विकास के लिए पूरी ताकत से काम करेंगी: मोदी

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वास जताया है कि दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने विस्तृत अनुभव के साथ केंद्र शासित प्रदेश के विकास के लिए पूरी शक्ति से काम करेंगी। श्री मोदी ने श्रीमती गुप्ता (50) को मुख्यमंत्री बनने की बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, श्रीमती रेखा गुप्ता जी को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। वह जमीनी स्तर से उठकर आई हैं, कैंपस राजनीति, राज्य संगठन, नगर निगम प्रशासन में सक्रिय रहीं और अब विधायक के साथ-साथ मुख्यमंत्री भी हैं। मुझे विश्वास है कि वह दिल्ली के विकास के लिए पूरी ताकत से काम करेंगी। उनके सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं। श्रीमती रेखा गुप्ता को आज मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गयी। वह दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री हैं। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री श्री मोदी भी उपस्थित थे।

### पांच देशों के राजनयिकों ने राष्ट्रपति मुर्मु को परिचय पत्र सौंपे

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** पांच देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों ने गुरूवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किये। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पनामा, गुयाना, सूडान, डेनमार्क और फिलिस्तीन के राजदू तथा उच्चायुक्तों ने राष्ट्रपति के समक्ष अपने परिचय पत्र पेश किये। परिचय पत्र प्रस्तुत करने वालों में पनामा के राजदूत अलोंसो कोरेया मिगुएल, गुयाना के उच्चायुक्त धर्मकुमार सीराज, सूडान के राजदूत डॉ. मोहम्मद अब्दुल्ला अली एल्टॉम, डेनमार्क के राजदूत रासमस अबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन और फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला मोहम्मद ए. अबुशावेश शामिल हैं।

### भारत 2047 तक उच्च आय वाला देश बनने को तैयार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्षेत्रीय विकास, प्रौद्योगिकी और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की बदौलत भारत आठ से 10 प्रतिशत की वार्षिक आर्थिक वृद्धि के बल पर वर्ष 2047 तक एक उच्च आय वाला देश बनने और उसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 23 लाख करोड़ से 35 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। नैसकॉम और बैन एंड कंपनी की रिपोर्ट 'इंडिया 2047 : ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया इनटू ए टेक-ड्रिवन इकोनॉमी' के अनुसार, यह परिवर्तन देश के जनसांख्यिकीय लाभांश, तकनीकी नवाचार और क्षेत्रीय विकास से प्रेरित होगा। वर्ष 2047 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत और विनिर्माण का 32 प्रतिशत रहने की संभावना है।

यूपी बजट

# पेश हुआ प्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा बजट, 8.8 लाख करोड़ की हुईं घोषणाएं

**लखनऊ, संवाददाता।** योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 6 लाख रुपये का ऐतिहासिक बजट विधानसभा में पेश किया। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा बजट है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इसे प्रदेश के आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह बजट वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है, जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ना है। योगी सरकार के इस मेगा बजट में अवस्थापना विकास के लिए 22 प्रतिशत, शिक्षा के लिए 13 प्रतिशत, कृषि और सम्बद्ध सेवाओं के लिए 11 प्रतिशत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में 6 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए 4 प्रतिशत एवं संसाधन आवंटित किये गये हैं। बजट में पूँजीगत परिव्यय कुल बजट का लगभग 20.5 प्रतिशत है। प्रदेश में बुनियादी ढांचे और इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने बजट का 22 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित किया है। इसमें सड़क निर्माण, औद्योगिक विस्तार, परिवहन व्यवस्था और निवेश को आकर्षित करने जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। योगी सरकार ने शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 13 प्रतिशत बजट शिक्षा क्षेत्र के लिए निर्धारित किया है। इसमें प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासेस स्थापित करने का प्रस्ताव है। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासेस शुरू करने की योजना भी शामिल है। इसके अलावा प्रदेश में शोध और विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं बजट में प्रस्तावित हैं। उत्तर प्रदेश को तकनीकी हब बनाने के लिए योगी सरकार ने कई नई योजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव बजट के जरिए पेश किया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी की स्थापना की जाएगी, जिससे प्रदेश को तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही साइबर सिक्योरिटी में टेक्नोलॉजी रिसर्च ट्रांसलेशन पार्क स्थापित करने की योजना, जिससे डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव भी शामिल है। सरकार ने प्रदेश में विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें साइंस सिटी, विज्ञान पार्क और नक्षत्रशालाओं की स्थापना और पुराने संस्थानों के नवीनीकरण की कार्ययोजना शामिल है। छात्रों के लिए आधुनिक वैज्ञानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

### स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट

वित्त मंत्री ने बताया कि प्रदेश के 58 नगर निकायों को आदर्श स्मार्ट नगर निकाय के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें प्रत्येक नगर निकाय को 2.50 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी, जिससे कुल 145 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन शहरों में आधुनिक सुविधाएँ, तकनीकी नवाचार और स्वच्छता प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी।

### श्रमिकों के लिए नई योजनाएं

वित्त मंत्री ने बताया कि जिला मुख्यालयों में कामगार/श्रमिक अड्डे बनाए जाएंगे। इनमें कैंटीन, पीने का पानी, स्नानागार और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह योजना श्रमिकों के रोजगार और जीवन स्तर सुधारने में मददगार साबित होगी।

### गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में योगी सरकार करेगी मदद, बजट में 200 करोड़ का प्रावधान

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया। गुरुवार को विधानसभा में प्रस्तुत किया गया बजट प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट है। बजट का आकार 08 लाख 08 हजार 736 करोड़ 06 लाख रुपये है जो वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है। इस बजट में समाज के प्रत्येक वर्ग के समावेशी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने वृद्धजन, किसान, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए बजट आवंटित किया है। बजट में पिछड़े वर्गों के विकास को भी प्राथमिकता दी गई है। पिछड़ा वर्ग पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत 2825 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, पिछड़े वर्ग के निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी में आर्थिक सहायता के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण दिलाने हेतु 35 करोड़ रुपये की राशि प्रस्तावित की गई है। इससे प्रदेश के हजारों युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विभिन्न वर्गों के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं में भारी निवेश किया है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना हेतु 968 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वहीं, सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए इसी योजना के तहत 900 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान के लिए इस बजट में 1998 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए 365 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

### वृद्धजनों के पेंशन के लिए बजट में 8105 करोड़ रुपये की व्यवस्था

योगी सरकार ने समाज के वरिष्ठ नागरिकों और किसानों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को 1000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दे रही है। इस योजना के लिए बजट में 8105 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। इससे प्रदेश के लाखों वृद्धजनों और किसानों को राहत मिलेगी। इसके अलावा, कमजोर वर्ग की बेटियों की शादी में आर्थिक सहायता देने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को और मजबूती दी गई है, जिसके लिए 550 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति के निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु 100 करोड़ रुपये और सामान्य वर्ग के निर्धन परिवारों की पुत्रियों के विवाह अनुदान योजना के लिए 50 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है।

### दिव्यांगजन सशक्तिकरण की दिशा में योगी सरकार का बड़ा कदम

योगी सरकार ने दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के लिए 1424 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वहीं, शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए कृत्रिम श्रवण सहायक यंत्र आदि खरीदने के लिए 35 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।

### युवाओं और किसानों को खुशहाली देगा बजट, स्वास्थ्य और शिक्षा पर भी रहेगा विशेष जोर: मुख्यमंत्री योगी

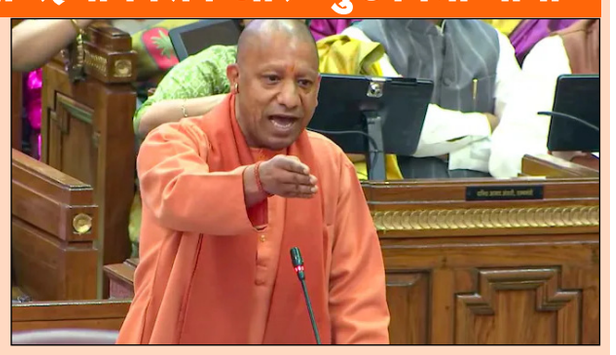

**लखनऊ।** बृहस्पतिवार को प्रदेश सरकार का बजट पेश किया गया। बजट के बाद सीएम योगी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। सीएम ने कहा कि हमने अपने बजट में इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि समाज के सभी वर्गों का समान विकास हो। प्रदेश की जो इमेज बनी हुई है उसमें बदलाव आए। सीएम योगी ने कहा कि इस बजट का आकार 08 लाख 08 हजार 736 करोड़ रुपये से अधिक (8,08,736.06 करोड़ रुपये) का है। वर्ष 2024-25 के बजट के सापेक्ष इसमें 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश के बजट के आकार में यह बढ़ोत्तरी राज्य के सामर्थ्य के अनुरूप है। यह बजट अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीएम ने कहा कि कुल व्यय में 02 लाख 25 हजार 561 करोड़ 49 लाख रुपये कैपिटल एक्सपेंडिचर सम्मिलित है। वर्ष 2017-18 में प्रदेश की जी0डी0पी0 12.89 लाख करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 27.51 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 6 लाख रुपये का ऐतिहासिक बजट विधानसभा में पेश किया। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा बजट है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इसे प्रदेश के आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह बजट वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है, जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना है। जनपद मीरजापुर के त्रिकोणीय क्षेत्र में परिक्रमा पथ एवं जन सुविधाओं के विकास हेतु भूमि खरीद व निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। नैमिषारण्य में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु 100 करोड़ रुपये तथा वेद विज्ञान केन्द्र की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था। चित्रकूट में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।

### 'जीरो पॉवर्टी अभियान' के तहत गरीबी उन्मूलन का लक्ष्य

वित्त मंत्री ने बताया कि योगी सरकार ने 2 अक्टूबर 2024 से 'जीरो पॉवर्टी अभियान' शुरू किया है। इस अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत से निर्धनतम परिवारों की पहचान की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि इन परिवारों की वार्षिक आय को 1,25,000 रुपये तक लाया जाए और उनकी मूलभूत जरूरतों को पूरा किया जाए।

### यूपी बनेगा राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश का केंद्र

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश का यह बजट राज्य के विकास, तकनीकी उन्नति, शिक्षा सुधार, गरीबों के कल्याण और बुनियादी ढांचे के विस्तार को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश आधुनिकता, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश का केंद्र बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

# लाल आंख की बजाय लाल सलाम की चीन नीति अपना रही है सरकार: मल्लिकार्जुन खरगे

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि लाल आंख दिखाने की बात करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर बढ़ रही चीनी गतिविधियों को लेकर चुप्पी साधे हैं और लाल आंख की बजाय लाल सलाम की नीति अपनाई जा रही है। श्री खरगे ने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए ट्वीट करके कहा, नरेन्द्र मोदी जी, आप चीन को लाल आंख दिखाने के बजाय लाल सलाम की नीति अपना रहें हैं। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा,भौगोलिक संप्रभुता एवं अखंडता सर्वोपरि है लेकिन मोदी सरकार इसे ख़तरे में डाल रही है। हमारा आरोप बड़ी ज़म्मिदारी के साथ और तथ्यों के आधार पर है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया,चीन ने अरुणाचल के बॉर्डर पर 90 नए गाँव बसाने शुरू कर दिए हैं, पहले हमारी सीमा पर 628 ऐसे गाँव चीन बसा चुका है, ऐसा समाचार पत्रों का कहना है। मोदी सरकार सीमा पर वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का खूब प्रचार करती है, संसद में आपने खूब बढ़ा-चढ़ाकर इसका बखान किया है। लेकिन सचाई यह है कि पिछले दो वर्षों में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का 90 प्रतिशत फंड खर्च नहीं हुआ है। ये योजना फ़रवरी 2023 में लॉन्च की गई थी और 4800 करोड़ रुपए आवंटित फंड में से केवल 509 करोड़ रुपए ही ख़र्च हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में जहाँ 75 गांव सुधारने हैं, वहाँ केंद्र की मोदी सरकार ने ना के बराबर राशि दी है। उन्होंने कहा,दिसंबर 2024 में, चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बाँध बनाने की घोषणा की, जो हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण और उत्तर-पूर्वी रायों के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। ब्रह्मपुत्र नदी, भारत के मीठे पानी के संसाधनों का 30 प्रतिशत हिस्सा है, जिससे इसका प्रवाह, भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

### विधायक देवेंद्र यादव को मिली सुप्रीम कोर्ट से जमानत

**रायपुर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के हिंसा मामले में जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत के रूप में गुरूवार को जमानत मिल गई। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कल दोपहर या शाम तक उनकी जेल से रिहाई संभव है। श्री यादव के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने उन्हें राहत दी। अब कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद उन्हें जेल से बाहर लाया जाएगा।बलौदाबाजार हिंसा मामले में गिरफ्तार किए गए विधायक देवेन्द्र यादव पिछले 17 अगस्त से जेल में बंद हैं। विधायक पर पुलिस ने इन धाराओं में दर्ज किया है अपराध भिलाई कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव पर पुलिस ने इन डेढ़ दर्जन धाराओं में अपराध दर्ज किया है।

# रेखा गुप्ता दिल्ली की 9वीं सीएम बनीं

बोलीं- शीशमहल में नहीं रहूंगी, प्रवेश वर्मा समेत 6 मंत्री बनाए गए, शाम को यमुना जाएगी नई कैबिनेट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में आज से रेखा सरकार शालीमार बाग सीट से पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता (50 साल) ने गुरुवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ली। वे दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला सीएम बन गई हैं। रेखा से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी मुख्यमंत्री रहीं। इस समारोह में पीएम मोदी, अमित शाह के अलावा बीजेपी शासित 21 रायों के सीएम, डिप्टी सीएम भी मौजूद रहे। आप नेता अरविंद केजरीवाल और आतिशी शपथ में नहीं पहुंचे। प्रवेश वर्मा समेत 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली रेखा के अलावा 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह शामिल है। रेखा बोलीं- मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी शपथ से पहले रेखा गुप्ता ने गुरुवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा, यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं पीएम मोदी और पार्टी हाईकमान का शुक्रिया अदा करती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दिल्ली की सीएम बनूंगी। मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को भाजपा ने शीशमहल नाम दिया था। अरविंद केजरीवाल ने इसे बनवाया था। भाजपा का आरोप है कि केजरीवाल ने इसे बनवाने में नियमों को ताक पर रखकर करोड़ों रुपए खर्च किए थे। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा भी बनाया था। सीएम रेखा गुप्ता ने सचिवालय में पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि आज शाम 7 बजे कैबिनेट की बैठक होगी। इससे पहले 5 बजे यमुना घाट पर आरती की जाएगी। रेखा ने गुरुवार को दोपहर 12:30 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके तीन घंटे बाद दोपहर 3:30 बजे कार्यभार संभाला।

### जौनपुर में सड़क हादसों में आठ मरे, 33 घायल

**जौनपुर, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के बदलापुर क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 33 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात करीब डेढ़ बजे सरोखनपुर अंडरपास के ऊपर वाराणसी लखनऊ हाईवे पर जौनपुर से अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं की एक कार अज्ञात वाहन से टकरा गयी। इस हादसे में घायल 11 लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर ले जाया गया जहां डाक्टरों ने पांच को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में तीन महिलाएं एक पुरुष और एक बच्चा शामिल है। अन्य छह लोगों को सीएचसी बदलापुर से जिला अस्पताल जौनपुर रेफर किया गया है । मृतकों मं कांति देवी (60) और नितेश कुमार (20) की पहचान की जा चुकी है। सभी हताहत झारखंड के निवासी हैं। इस हादसे के करीब डेढ़ घंटे बाद भोर तीन बजे एक ट्रक ट्रेलर ने वाराणसी से अयोध्या जा रही बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बस सवार लगभग 50 यात्रियों में से ड्राइवर मोनू सिंह निवासी सुल्तानपुरी, दिल्ली के अलावा दो महिलाओं की सीएससी बदलापुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

### भारत-बंगलादेश के सीमा बल गश्त बढायेंगे, शांति के लिए मिलकर काम करेंगे

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** भारत और बंगलादेश के सीमा प्रहरियों ने भारतीयों बलों पर बंगलादेशी आपराधिक तत्वों के हमलों को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में देर रात से सुबह तक समन्वित गश्त बढाने, सतर्कता बढाने और सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता को दोहराया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के 55वें महानिदेशक स्तरीय सीमा समन्वय सम्मेलन में गुरूवार को यह सहमति बनी। अगला सम्मेलन आगामी जुलाई में ढाका में होगा।

उच्च न्यायालय न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला

# लोकपाल के आदेश पर उच्चतम न्यायालय की रोक, कानून बनेगा

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** उच्चतम न्यायालय ने लोकपाल के उस आदेश पर गुरुवार को रोक लगा दी जिसमें कहा गया है कि उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीशों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत के मामले की जांच उसके (लोकपाल) अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायमूर्ति बी आर गवई, सूर्य कांत और अभय एस ओका की पीठ ने रोक लगाते लोकपाल के इस आदेश को बहुत ही परेशान करने वाला बताया और कहा कि वह इस संबंध में कानून बनाएगी, क्योंकि सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान के तहत ही होती है। पीठ ने शिकायतकर्ता को शिकायत की विषय-वस्तु या न्यायाधीश का नाम उजागर न करने का भी आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और कहा कि वह होली की छुट्टी के बाद इस पर विचार करेगी। एक उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश और एक अतिरिक्त न्यायाधीश के खिलाफ दायर भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच के लिए लोकपाल की ओर से भारत के मुख्य न्यायाधीश से मार्गदर्शन मांगने पर शीर्ष अदालत ने स्वतः संज्ञान मामला दर्ज कर सुनवाई की। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली लोकपाल पीठ ने 27 जनवरी 2025 के आपने आदेश में कहा था कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करना लोकपाल के अधिकार क्षेत्र के अधीन होंगे। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने इस संबंध में कानून बनाया जाने के पक्ष में दलील दी और कहा कि आदेश (लोकपाल के) पर रोक लगाना आवश्यक है।

# निरसा विधानसभा क्षेत्र में डंके की चोट पर जारी है अवैध कोयले का कारोबार

## ⇨ मिडिया व पुलिस के नाम पर सिंडिकेट कर रहा है वसूली, लोगों में चर्चा

**तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो**

चिरकुंडा /धनबाद । धनबाद जिला के निरसा विधानसभा क्षेत्र में अवैध खनन व अवैध कोयला कारोबार को लेकर एक बार फिर से चर्चा जोरों पर है। अवैध कोयला खनन व अवैध कोयले का कारोबर धनबाद जिले में कुटीर उद्योग बन गया है। शाम ढलते ही ट्रेक्टर,पिकअप व अन्य माध्यमों से निर्बाध रूप से अवैध कोयले का कारोबार पूरे विधानसभा क्षेत्र में निर्बाध रूप से जारी हो जाता है, जो रात भर जारी रहता है । इस धंधे में वर्चस्व को लेकर कई बार दो गुटों में भिंड़त तक की घटना घट चुकी है । गोली व बम तक चल चुकी है । जिसमें अबतक कई लोग घायल हो चुके है । निरसा विधानसभा क्षेत्र के मुगमा में भी गोली व बम चलने की घटना हो चुकी है । इस घंधे में निरसा पुलिस मुगमा रेलवे फाटक से धंधेबाज को जेल भेजकर इसका % पर्दाफाश कर चुकी है । इस अवैध कारोबार से हजारों लोग जुड़े है और इसमें राजनेताओं से लेकर पुलिस की भी मिलीभगत की बात सामने आने से इंकार नहीं किया जा सकता । इसके बावजूद यह धंधा वर्षों से जारी है। बताया जाता है कि सिंडिकेट का मुखिया बना विजय बाबा के द्वारा निरसा विधानसभा के तमाम छोटे-बड़े सभी भट्ठों से पुलिस और पत्रकारों को मैनेज करने के नाम पर करोड़ों की वसूली की जा रही है। इस धंधे में वसूली के लिए विजय बाबा को निरसा अनुमंडल पुलिस का आर्शीवाद प्राप्त है । जिसके कारण विजय बाबा पूरे विधानसभा क्षेत्र में डरा धमकाकर भट्ठा संचालकों से मनमाना पैसा का वसूली कर रहा है । बताया जाता है कि धनबाद के निरसा में वर्षों से कोयला का अवैध धंधा चला आ रहा है। कोयले का काला खेल तीन चरणों में होता है। पहले चरण में बंद पड़े खदान या चालू खनन क्षेत्रों से गिरोह के सदस्य कोयला को एक स्थान पर एकत्रित करते है। दूसरे गिरोह के सदस्य एक निश्चित स्थान पर एकत्रित कोयले को साईकिल या मोटरसाईकिल पर लोड कर भट्ठा संचालकों के पास पहुंचते हैं। जहां से गिरोह का संचालक ट्रकों पर लोड कर इसे बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश भेजता है। पूर्व में बंगाल की शीतलपुर सीआई एसएफ ने मैथन व निरसा थाना क्षेत्र में कई वाहनों को जब्त कर इसका खुलास किया था । ज्ञात हो कि राज्य के बाहर अवैध कोयला को वैद्य तरीके से भेजने के लिए फर्जी चालान भी तैयार किया जाता है या एक ही चालान के माध्यम से कई वाहन अवैध तरीके से बाहर भेजे जाते है। कोयले के अवैध कारोबार में धनबाद जिले के निरसा विधानसभा क्षेत्र में 50 हजार से अधिक लोगों के जुड़े रहने का अनुमान है। हाल के वर्षो में कोयले के अवैध कारोबार में जुड़े लोगों की संख्या बढ़ी है। प्रतिदिन दिहाड़ी मजदूरी करने वाले, राजमिस्त्री और ठेला-खोमचे वाले कई लोग अब अपने मूल काम को छोड़ कर इस धंधे में शामिल हो गए है। कोयले के अवैध कारोबार से जुड़ने का मुख्य कारण ये है कि प्रतिदिन उन्हें 8 घंटे मजदूरी करने पर 300 से 350 रुपये की दिहाड़ी मिलती है। लेकिन कोयले के धंधे में सिर्फ तीन घंटे ही काम करना पड़ता है। सुबह 5 से लेकर 8 बजे तक साईकिल या मोटरसाईकिल पर कोयला लोड कर गंतव्य तक पहुंचाने पर 1200 से 1500 रुपये मिल जाता है। हर कोई कोयले के कई चमक से अपने को चमकाने में लगे हुए हैं। अगर यही हाल रहा तो झारखंड सरकार व कोल इंडिया को प्रतिमाह करोड़ों के राजस्व की क्षति से कैसे उबारा जा सकता है । जरूरत है सरकार में बैठे व कोलइंडिया के अधिकारियों को इस धंधे पर लगाम कसने की जरूरत है। वर्ना प्रशासनिक व स्थानीय पुलिस पदाधिकारी अपनी जेब भरते रहेंगे और सरकार व कोलइंडिया को प्रतिमाह राजस्व की क्षति उठानी पड़ेगी।

### महाकुंभ से लौट रहे डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटी, हादसे में 12 श्रद्धालु घायल

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर**

गाजीपुर। बिरनो थाना क्षेत्र के वाराणसी -गोरखपुर मार्ग पर रात्रि में एक बजे के लगभग प्रयागराज महाकुंभ से लौटते वक्त श्रद्धालुओ की बस सड़क पर किए गए डायर्जन के यहाँ अनियन्त्रित होकर पलट गयी।बस पर कुल 40 यात्री सवाल थे। हादसे की सूचना पर काफी संख्या में पुलिस फोर्स तथा एम्बुलेंस मौके पर पहुँची । दुर्घटना में घायल रानी देवी उम्र 45 वर्ष,रेखा देवी उम्र 56 वर्ष,अर्जुन कुमार उम्र 50 वर्ष,अमित उम्र 38 वर्ष,रत्नेश कुमारी उम्र 38 वर्ष,मुंद्रीनाकर उम्र 40वर्ष ,धनवती उम्र 62 ,शिवनारायण सिंह उम्र 69,मंजू सिंह उम्र 65, बुलेट तिवारी उम्र 21 वर्ष निवासी मोतिहारी जिला चंपारण ईस्ट बिहार को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय गाजीपुर रेफर कर दिया गया । दुर्घटना के बाद काफी संख्या में पुलिस बल सहित एम्बुलेंस मौके पर पहुँच गयी थी। सीओ कासिमाबाद अनिल चन्द्र तिवारी ने बताया कि कुल 40 श्रद्धालु बस पर सवार थे डायवर्जन के पास अनियन्त्रित होकर बस पलटने से हादसा हुआ है। सभी घायलो को सीचसी बिरनो पर प्राथमिक उपचार बाद गम्भीर रूप से घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। सबकी हालत खतरे से बाहर है।

### जिलाधिकारी ने दिव्यांग शिवकली को सौंपे योजनाओं के स्वीकृति पत्र

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई**

हरदोई। कुछ दिन पूर्व जो आँखों से दिव्यांग शिवकली जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह से मिली थीं आज उनको जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने समाज कल्याण अधिकारी के वाहन से कलेक्ट्रेट बुलवाया। जिलाधिकारी ने उनको अपने हाथों से आयुष्मान कार्ड व अंत्योदय राशन कार्ड सौंपा। इसके साथ ही उन्होंने शिवकली को प्रधानमंत्री आवास योजना, शिवकली की दिव्यांग पेंशन व उनके माता पिता की पेंशन, व्यक्तिगत शौचालय का स्वीकृति पत्र दिव्यांग शिवकली को सौंपा। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### शाहाबाद ब्लॉक की हर्रई ग्राम पंचायत के हैंड पंपों का बदहाल

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई**

शाहबाद हरदोई। शाहाबाद ब्लॉक की हर्रई ग्राम पंचायत में नल रिबोर में प्रधान व सचिव ने कर दिया बड़ा घोटाला शाहाबाद भ्रष्टाचार एक बीमारी की तरह फैल रहा है, भ्रष्टाचार एक ऐसा संक्रामक रोग है जिसकी चपेट में छोटे कर्मचारियों से लेकर जिले के जिम्मेदार अधिकारी आ चुके हैं। ताजा मामला शाहाबाद ब्लॉक की ग्राम पंचायत हर्रई का है।जहां की प्रधान उर्मिला देवी व सचिव ने सरकारी इंडिया मार्का हैंडपंप रिबोर में बड़ा घोटाला कर दिया है।ग्राम पंचायत हर्रई के मजरा हुसैनापुर में आधा दर्जन से अधिक सरकारी हैंडपंप खराब पड़े हैं। लेकिन कागजों में ग्राम पंचायत द्वारा नल रिबोर के नाम पर रुपया निकाल लिया गया । हैंडपंप खराब होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने भ्रष्टाचारी प्रधान उर्मिला देवी व ग्राम पंचायत सचिव के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

### आयुष फाउंडेशन धनबाद ने कराया निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

**तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो**

धनबाद। आयुष फाउंडेशन धनबाद ने लालमणि वृद्ध आश्रम के 4 वृद्धजनों का निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन पुरुलिया स्थित नेताजी आई हॉस्पिटल में कराया। करीब 9 वृद्धों अपनी आंखों की परेशानी से जूझ रहे थे। उनकी समस्या को देखते हुए संस्था ने उन्हें नेताजी आई हॉस्पिटल ले जाने का निर्णय लिया। वहां सभी की जांच के बाद 4 वृद्धजनों का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। इस इलाज में संस्था के अध्यक्ष गणेश शर्मा और बाबूलाल का विशेष सहयोग रहा। बाबूलाल ने अपने एंबुलेंस से सभी वृद्धजनों को हॉस्पिटल पहुंचाया, जबकि गणेश शर्मा जी भी उनके साथ गए। गणेश शर्मा ने बताया कि संस्था अब तक लालमणि वृद्ध आश्रम के 13 वृद्धजनों का मोतियाबिंद ऑपरेशन करवा चुकी है और समय-समय पर अन्य प्रकार से भी सहायता करती रहती है।

## बेरोजगार महिलाओं को प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षित की जायगी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो**

झरिया / धनबाद। गुरुवार को झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी के अध्यक्ष रामा शीश चौहान के नेतृत्व मे वंचित समाज की महिलाओ को सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण शिविर मे भाग लेने के लिए सभी महिलाओ को निमंत्रण कार्ड देते हुए दिनाँक 23,2,2025 को दिन 11 बजे स्थान बैंक मोड़ गुरु प्लाजा धनबाद मे अधिक से अधिक संख्या मे भाग लेकर लाभ उठाए और लोगों को भी लाभ दिलाए, यह शिविर फ्री होगा कोई शुल्क नहीं लगेगा। अगरबत्ती, पापड, सिलाई-कटाई, चूडी, इत्यादि प्रशिक्षण बेस्ट शिक्षक के दुआरा दिलाया जाएगा, प्रशिक्षण के बाद लोगों को प्रामाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए रोजगार से जोड़ विकसित भारत के निर्माण मे सहयोग करेंगी ये महिलाएं । कार्यक्रम को सफलता के लिए शिव शंकर प्रसाद, रेखा देवी, निर्मला पासवान, नीलम सहनी, पुतल देवी, अनीता वर्णवाल,बबीता महतो, पुष्पांजलि कुमारी आदि थे द्य

## एकमुश्त समाधान योजना की अवधि बढ़ी, 28 फरवरी तक मिलेगा लाभ

### ➲ बक्शीपुर उपखंड के एसडीओ पुष्पेंद्र सिंह ने विभिन्न इलाकों में लोगों से मुलाकात कर एकमुश्त समाधान योजना के बारे में की चर्चा

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गोरखपुर**

गोरखपुर। विद्युत उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के तृतीय चरण की अवधि अब 15 फरवरी से बढ़ाकर 28 फरवरी कर दी गई है। उपभोक्ताओं को अधिकतम छूट का लाभ दिलाने के लिए विद्युत विभाग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सहायक अभियंता पुष्पेंद्र सिंह ने शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा कर उपभोक्ताओं को योजना के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि बकाया बिजली बिलों पर ब्याज में बड़ी छूट दी जा रही है, जिससे उपभोक्ता आसानी से अपना बकाया भुगतान कर सकते हैं। उन्होंने अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाएं और समय रहते अपने बिजली बिल का निपटारा करें। गौरतलब है कि एकमुश्त समाधान योजना के तहत उपभोक्ताओं को ब्याज में छूट दी जाती है, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिलती है। विभागीय अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से योजना का लाभ उठाने की अपील की है और समय पर भुगतान करने को कहा है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

### राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में नशा मुक्त जागरूकता रैली एवं सफाई अभियान

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गोरखपुर**

गोरखपुर। सेण्ट ऐण्ड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) पुरूष इकाई के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन नशा मुक्त समाज के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को इंडियन बैंक, गोरखपुर की सेण्ट ऐण्ड्रयूज कॉलेज शाखा के ब्रांच मैनेजर श्री प्रतिक श्रीवास्तवा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने जिला चिकित्सालय में साफ-सफाई कर रोगियों की सेवा करने की शपथ ली। शिविर के दौरान प्रातःकालीन सत्र में स्वयंसेवकों ने प्रार्थना के पश्चात शिविर स्थल की सफाई की एवं पौधों को जल दिया। इसके उपरांत कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अरविन्द कुमार सिंह एवं प्रो. रोहित श्रीवास्तवा ने उन्हें शारीरिक व्यायाम का प्रशिक्षण दिया। इस गतिविधि में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। दोपहर के बौद्धिक सत्र में कॉलेज के विधि विभाग के प्रो. मो. तनवीर आलम ने स्वयंसेवकों को साइबर लॉ, उसके महत्व, प्रकार और उद्देश्यों की जानकारी दी, जिसे सभी ने सराहा। शिविर में साकिब, पीयुष, अलताफ, दिव्यांश सहित कुल 100 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। शिविर के अंतर्गत वृहद स्तर पर कॉलेज परिसर की भी सफाई की गई। इस विशेष शिविर का आयोजन 18 फरवरी से 24 फरवरी 2025 तक किया गया है, जिसमें विविध सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

## संपत्ति विवाद में महिला को बेघर करने की साजिश

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक महिला को संपत्ति विवाद के चलते बेघर करने की साजिश का मामला सामने आया है। थाना सआदतगंज के बीबीगंज इलाके में रहने वाली शाहिदा खातून नामक महिला का आरोप है कि शकील नामक व्यक्ति उनके घर पर कब्जा करना चाहता है। शाहिदा के पति की मृत्यु हो चुकी है और वह अपने घर में अकेली रहती हैं। उनकी संपत्ति पर शकील की नजर है, जो उन्हें कई दिनों से परेशान कर रहा है। शाहिदा ने इस मामले में स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। शाहिदा का आरोप है कि शकील और उसके साथी गुंडागर्दी करते हैं और उन्हें जान से मारने की धमकी देते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि शकील ने उनके घर में तोड़फोड़ की है और उनका सामान सड़क पर फेंक दिया है। शाहिदा का कहना है कि वह डरी हुई हैं और उन्हें अपनी जान का खतरा है। शाहिदा ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उन्होंने कई बार पुलिस से शिकायत की है, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। शाहिदा ने अब वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिलकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि सआदतगंज पुलिस ने उनसे जबरन मकान खाली करवाने के लिए दस्तखत कराए हैं। परिवार के लोग 8 दिन से भटक रहे हैं और उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग शाहिदा के समर्थन में उतर आए हैं और उन्होंने शकील के खिलाफ प्रदर्शन किया है। लोगों का कहना है कि पुलिस को इस मामले में तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए और शाहिदा को सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। यह मामला एक बार फिर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े करता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही प्रदेश में अपराध रोकने के लिए सख्त कदम उठा रहे हों, लेकिन अपराधियों के हौसले अभी भी बुलंद हैं। इस घटना में पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है। शाहिदा ने कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठते हैं।

### बाइक की आमने सामने टक्कर में एक की मौत, दो की हालत गंभीर

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर**

गाजीपुर। मरदह थाना क्षेत्र में बुधवार रात साढ़े सात बजे भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप घायल युवक की मौत हो गई। बस स्टैंड? स्थित फ्लाईओवर पर कंसहरी गांव के सामने गोरखपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो तेज रफ्तार बाइकें अनियंत्रित होकर आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार तीन गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।घटना के बाद हाई-वे पर अफरातफरी मच गयी,पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मालूम हो कि गोविन्दपुर कीरत गांव निवासी किसान सत्येन्द्र उर्फ सोनू यादव उम्र 33 वर्ष अपने बाइक से गाजीपुर से मरदह की तरफ आ रहा था कि जैसे ही वह स्थानीय फ्लाईओवर पर पहुंचा था कि सामने मऊ की तरफ से मरदह की तरफ आ रहे बाइक सवारों से जोरदार टक्कर हो गई जिससे तीन लोग घायल हो गए तीनों को मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान सत्येन्द्र उर्फ सोनू यादव 33 की मौत हो गई। खबर मिलते ही पूरे गांव में मातम छा गया।परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था,जिससे परिवार की जिम्मेदारियां भी उसी के कंधों पर थीं।

### अंतिम दौर में कई गुना बढ़ी तीर्थयात्रियों की भीड़, सिग्नल न मिलने से औड़िहार में कई ट्रेनें चार घंटे तक रुकी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर**

सैदपुर। बीते दिनों महाकुंभ के आयोजन की अंतिम तारीख बढ़ाने जाने को लेकर फैली अफवाह पर सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट करने के बाद जैसे-जैसे आयोजन खत्म होने की अंतिम तारीख पास आती जा रही है, सड़कों व ट्रेनों में तीर्थयात्रियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। इसी के चलते महाकुंभ शुरू होने के बाद से पहली बार औड़िहार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को सिग्नल न मिलने के चलते कई प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों को घंटों तक खड़ी कर दिया गया, जिससे यात्रियों का बुरा हाल हो गया। इसके चलते दुबई जा रहे एक यात्री ने रेलवे से लगायत रेलमंत्री तक को ट्वीट कर दिया कि उसे वाराणसी से आज फ्लाइट है, अगर ट्रेन नहीं चली तो उसकी शारजाह की फ्लाइट छूट जाएगी। बुधवार को औड़िहार में कई ट्रेनें आकर रूकीं। इस दौरान रक्सौल से प्रयागराज जा रही महाकुंभ स्पेशल सुबह 8 बजे ही प्लेटफॉर्म पर आ गई थी लेकिन भारी रेल ट्रैफिक के चलते उसे आगे जाने के लिए हरा सिग्नल नहीं मिल सका, जिससे वो ट्रेन करीब 4 घंटे की देर से दोपहर 12 बजे आगे रवाना हो सकी। इस दौरान ट्रेन में सवार यात्री गर्मी आदि से बिलबिला गए थे। यही हाल अन्य ट्रेनों का भी रहा। दोपहर 12 बजे औड़िहार जंक्शन पर आकर रूकी सद्भावना एक्सप्रेस सिग्नल न मिलने से वहीं रूकी रही और सवा 3 घंटे बाद बुधवार की अपराह्न 3 बजकर 15 मिनट पर आगे रवाना हो सकी। औड़िहार में ही आकर रूकी सारनाथ एक्सप्रेस व कृषक एक्सप्रेस ट्रेनें भी करीब 2 से ढाई घंटे तक वहीं रूकी रहीं और इसके बाद आगे रवाना हो सकीं। करीब ढाई घंटे तक की देरी तक रूकी कृषक एक्सप्रेस में एक यात्री सवार था। उसे आज देरशाम 7 बजे वाराणसी स्थित एयरपोर्ट से शारजाह के लिए फ्लाइट पकड़नी थी लेकिन कृषक के ढाई घंटे रूकने के दौरान वो फ्लाइट छूटने के डर से परेशान हो गया तो उसने सीधे रेलमंत्री से लगायत रेलवे तक को ट्वीट किया कि ट्रेन को आगे रवाना किया जाए।

### तेज रफ्तार कार की टक्कर से भाई-बहन की मौत

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई**

हरदोई। कोतवाली देहात क्षेत्र में लखनऊ पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क पार करते समय तेज रफ्तार कार ने चचेरे भाई-बहन को टक्कर मार दी। जिससे दोनों भाई-बहन उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। आनन-फानन में दोनों बच्चों को जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली देहात क्षेत्र के कौढ़ा गांव निवासी सुशील की 7 वर्षीय बेटी रक्षिका अपने चचेरे भाई सुमित (5) पुत्र सुनील के साथ गुरुवार को लखनऊ पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोपहर करीब 3 बजे गांव के पूरब स्थित खेड़े के पास किसी काम से गई थी। इसी बीच सड़क पार करते समय तेज रफ्तार कार ने दोनों भाई-बहन को टक्कर मार दी। बताया गया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुमित और रक्षिका दोनों उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। आनन फानन में दोनों भाई-बहन को जिला अस्पताल लाया गया, जहां पर डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। उधर हादसे की सूचना मिलते ही सीओ सिटी अंकित मिश्रा तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने ने बताया कि सीसीटीवी आदि के माध्यम से हादसे को अंजाम देने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

## वन विभाग ने किया राज्यव्यापी वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड लॉन्च

**तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ**

असम। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) -वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (आरएफआरआई), जोरहाट ने असम वन विभाग के सहयोग से मंगलवार को राज्य का पहला वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एफएसएचसी) लॉन्च किया।असम के सभी 33 क्षेत्रीय वन प्रभागों को कवर करने वाले यह कार्ड, आधिकारिक तौर पर असम के पीसीसीएफ और हफ संदीप कुमार द्वारा जोरहाट में जारी किए गए । वन मृदा स्वास्थ्य पर वैज्ञानिक आंकड़ों की कमी को दूर करने के लिए विकसित, एफएसएचसी मिट्टी की उर्वरता में सुधार और अपमानित या कम उत्पादक वन क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रदान करते हैं। कल यह कार्ड औपचारिक रूप से असम वन विभाग को सौंप दिए गए। आईसीएफआरई - आरएफआरआई, जोरहाट, पूर्वोत्तर भारत के लिए एफएसएचसी विकास का नेतृत्व कर रहा है। यह पहल तब होती है जब भारत पेरिस में 2015 यूएनएफसीसीसी सम्मेलन में 2030 तक वनीकरण के माध्यम से 2.5-3 बिलियन टन COw समकक्ष का अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाने के लिए की गई अपनी प्रतिबद्धता की दिशा में काम करता है। जबकि कृषि मंत्रालय ने कृषि भूमि के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की, वन भूमि को शुरू में बाहर रखा गया था पर अब इसे शामिल किए गए हैं । इसे संबोधित करने के लिए, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सीएएमपीए के माध्यम से, आईसीएफआरई, देहरादून द्वारा कार्यान्वित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना को वित्त पोषित किया है । यह कार्यक्रम मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन में सुधार और भारत के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं । इस परियोजना का उद्देश्य देश भर के सभी 788 वन प्रभागों के लिए एफएसएचसी विकसित करना है, जो 12 प्रमुख भूमि की उर्वरता मानकों का आकलन करता है। कल मंगलवार को यह कार्ड ICFRE-RFRI, जोरहाट के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक-D और वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार करने वाले अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक दिनेश के मीणा और अन्य वरिष्ठ वन अधिकारियों की उपस्थिति में असम के पीसीसीएफ एंड हफ संदीप कुमार ने जारी किए थे ।

## बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज का वार्षिकोत्सव

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। राजधानी के प्रतिष्ठित नर्सिंग कालेज बोरा इंस्टीट्यूट ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज का वार्षिकोत्सव पारम्परिक लैम्प लाइटिंग सेरेमनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया। बुधवार को सीतापुर रोड स्थित सेवा अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्य सरकार के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह सम्मिलित हुए। क्रियेटिव माइंड्स चेंज द वर्ल्ड थीम से सजे वार्षिक आयोजन अभिव्यक्ति-2025 में कॉलेज मैगजीन मेटामोरफॉसिस का विमोचन भी किया गया। शुभारंभ गणेश वन्दना से हुआ। शिवाजी जयंती पर उन्हें याद भी किया गया। लैंप लाइटिंग सेरेमनी में महाविद्यालय की प्राचार्य डा. शीला तिवारी ने बीएससी नर्सिंग, जीएनएम और एएनएम छात्र-छात्राओं को मरीजों की सेवा करने व अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाने की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने नर्सिंग पेशे को सम्मानित दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली फलोरिंस नाइटिंगेल को याद किया। कॉलेज परिवार से अपने पुराने संबंध बताते हुए कहा कि वर्षों पूर्व भी वे वार्षिक आयोजन में सम्मिलित हो चुके हैं। इंस्टीट्यूट के संस्थापक एवं लखनऊ उत्तर से विधायक डा. नीरज बोरा ने छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कॉलेज की चेयरपर्सन बिन्दू बोरा ने छात्र-छात्राओं को भावी जीवन में आने वाली कठिनाइयों और चुनौतियों से अवगत कराया। प्राचार्य डा. शीला तिवारी ने संस्थान की स्थापना से अब तक की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने नर्सिंग को विशिष्ट सेवा का दर्जा देते हुए कहा कि इससे समाज सेवा की संतुष्टि और आर्थिक लाभ दोनों प्राप्त होते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजे आयोजन में छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक नृत्य के साथ ही पाश्चात्य संगीत पर केन्द्रित मनभावन प्रस्तुतियां दीं। छत्रपति शिवाजी पर केन्द्रित नृत्य नाटिका खूब सराही गई। समारोह में मेधावी छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। फेयरस्ट्रीट इंडिया की ओर से जर्मन भाषा का प्रशिक्षण लेने वाले उन नर्सों को प्रमाणपत्र दिया गया जो जर्मनी में नर्सिंग सेवा हेतु जाने वाले हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एन.बी.सिंह, एरा नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डा प्रशिल्ला सैमसन, मैक्स नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डा. मीनाक्षी तिवारी के साथ ही बोरा ग्रुप के प्रबंध निदेशक वत्सल बोरा, शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

### युवक ने की आत्महत्या, मचा कोहराम

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर**

गाजीपुर। जमानियां कोतवाली क्षेत्र के कसेरा गांव में गुरुवार दोपहर करीब एक युवक ने पारिवारिक कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। संयोगवश परिजनों की नजर पड़ने से उसकी जान बच गई। आनन-फानन में परिजनों ने उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे गाजीपुर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कसेरा गांव निवासी अरविंद कुमार (23) का विवाह एक वर्ष पूर्व चंदौली जनपद के धानापुर क्षेत्र की ज्योति से हुआ था। गुरुवार सुबह किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद रोज रोज के झगडे से परेशान अरविंद ने कमरे में पंखे लटकाने वाले हुंक से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। वही कमरे में मौजूद उसकी पत्नी ने शोर मचाना शुरू किया तो परिजन मौके पर पहुंचे और अरविंद को फंदे पर लटकते देखा तो तत्काल उसे नीचे उतारकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

# सीटीडीडीआर का शुभारंभ, पहला दिन संश्लेषणात्मक एवं औषधीय रसायन विज्ञान में नई रणनीतियों पर केन्द्रित रहा।



**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। वैज्ञानिकों ने अपने नवीन शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। सीएसआईआर-केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में आज 卐औषधि खोज अनुसंधान में वर्तमान प्रवृत्तियों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी卐 के 9वें संस्करण का उद्घाटन किया गया। सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, डीन एवं वरिष्ठ परामर्शदाता, होली फैमिली अस्पताल, नई दिल्ली के प्रो. बलराम भार्गव एवं मुख्य अतिथि, सीएसआईआर की महानिदेशक एवं डीएसआईआर की सचिव, डॉ. एन. कलैसेल्वी के साथ उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण औषधि खोज सम्मेलन के बारे में जानकारी दी और प्रतिभागियों को यह बताया कि वे इस अवसर का उपयोग कैसे सीखने, नेटवर्किंग करने एवं अपने अनुसंधान कौशल को उन्नत करने के लिए कर सकते हैं।

क्वांटम कंप्यूटिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ड्रग डिस्कवरी में बदलाव लाएगा - प्रो. बलराम भार्गव कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, प्रो. बलराम भार्गव, डीन एवं वरिष्ठ परामर्शदाता, होली फैमिली अस्पताल, नई दिल्ली एवं भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के पूर्व महानिदेशक ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रो. बलराम भार्गव ने भारत की औषधि अनुसंधान क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि यह देश अपनी समृद्ध रसायन विज्ञान विरासत के कारण फार्मास्युटिकल नवाचारों का वैश्विक केंद्र बन चुका है। भारत ने लगातार उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती दवाओं के निर्माण की अपनी क्षमता को सिद्ध किया है, जिससे विश्वभर में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित हो रही है। हालांकि, सक्रिय औषधीय घटकों (क्व्हृद्ब) की उपलब्धता एवं नई दवाओं की खोज जैसी चुनौतियाँ अब भी महत्वपूर्ण विषय बनी हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) का समावेश ड्रग डिस्कवरी में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला है, जिससे अनुसंधान की गति तेज होगी और लागत भी कम होगी। इसके साथ ही उन्होंने आपसी सहयोग को भारत की फार्मास्युटिकल सफलता का एक महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने कहा कि मार्केट शेपिंग (बाजार निर्माण) भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि नवाचार बड़े पैमाने तक पहुँचें और भारत स्वास्थ्य सेवा में अपनी किफायती नेतृत्व क्षमता बनाए रखे।. अनुसंधान की कोई सीमा नहीं है परस्पर सहयोग एवं नेटवर्किंग इसे और अधिक रचनात्मक बनाते हैं- (डॉ. एन. कलैसेल्वी) कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, सीएसआईआर की महानिदेशक एवं डीएसआईआर की सचिव, डॉ. एन. कलैसेल्वी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर पर जोर देकर कहा कि कार्यक्रम कि इस प्रकार के सम्मेलन शोधकर्ताओं, उद्योगपति एवं युवा वैज्ञानिकों को सहयोग के नए अवसर प्रदान करते हैं, जिससे फार्मास्यूटिकल्स और हेल्थकेयर में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, 卐विज्ञान की कोई सीमाएँ नहीं होतीं, जिससे यह कार्यक्रम वैश्विक सहयोग का एक द्वार का काम करेगा।

उन्होंने अनुसंधान एवं विकास में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही छात्रों से आह्वान किया कि वे इन चर्चाओं से प्रेरणा लें और भारत को 2047 तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे ले जाने के लिए कार्य करें।

# बजट में बेसिक शिक्षा विद्यालयों की अनदेखी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**



लखनऊ। उप्र के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए सर्वजन हिताय संरक्षण समिति महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रीना त्रिपाठी ने कहा है कि जहां बजट ने अवस्थापना विकास पर ध्यान दिया गया है और अधिक धनराशि इस हेतु आवंटित की गई है वहीं बेसिक शिक्षा जो शिक्षा नीव है, उसकी अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री माननीय सुरेश खन्ना जी द्वारा उत्तर प्रदेश 2025- 26 का वित्तीय बजट सदन में पेश किया गया जो पूरे प्रदेशवासियों के लिए हर्ष का विषयहै। बजट में अवस्थापना निर्माण पर जोर देते हुए विकासोन्मुख नीतियों की चर्चा और उसमें निवेश की चर्चा स्वागत योग्य है परन्तु बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अवसंरचनात्मक निर्माण, बुनियादी सुविधाओं हेतु, अत्याधुनिक कंप्यूटर युक्त शिक्षा के लिए धन का आवंटन अत्यंत न्यूतम है ।जैसा कि सर्वविदित है उत्तर प्रदेश में प्राइमरी के करीब 4.59 लाख शिक्षक हैं। और लगभग 1,11,614 प्राइमरी स्कूल हैं जबकि 45,651 अपर प्राइमरी स्कूल हैं। शिक्षा के निजीकरण के इस दौर में सरकार द्वारा संचालित बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयो में ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता थी जिसकी बजट में अनदेखी की गई है। आजादी के 77 वर्ष बाद अफसोस की बात है कि आज भी पूरे प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद के लगभग 60त्न विद्यालयों के बच्चे टाट पट्टी, चटाई पर या जमीन में बैठने को विवश है । विद्यालय के फर्नीचर हेतु 5 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं जो की काफी कम है। जबकि यह आवंटन बढ़ाकर पूरे प्रदेश को एक साथ टाट पट्टी मुक्त किया जा सकता था और गांव के गरीब बच्चों को भी स्वाभिमान से शिक्षा लेने का अवसर मिल सकता था। आज बेसिक शिक्षा परिषद के अधिकांश शिक्षक खासकर महिला टीचर्स गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं क्योंकि शिक्षकों हेतु विद्यालय में टॉयलेट की व्यवस्था नहीं होती है। शिक्षकों ने कई बार संरचनात्मक निर्माण के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में एक टॉयलेट शिक्षकों के लिए बनवाने की मांग रखी है। इस बजट में भी उन्हें निराशा मिली। साफ सुथरी टॉयलेट के अभाव में ज्यादातर महिला शिक्षक यूरिनरी इनफेक्शन और गॉलब्लैडर लीवर और किडनी की बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के तहत प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षकों हेतु भी टॉयलेट उपलब्ध होना चाहिए था जो की कायाकल्प के तहत बजट बढ़ाकर किया जा सकता है। कस्तूरबा गांधी जो कि प्रत्येक ब्लॉक में एक विद्यालय होता है के उच्चीकरण की व्यवस्था सराहनीय है परंतु सर्वविदित है कस्तूरबा गांधी जो की कक्षा 8 तक ग्रामीण इलाकों की बेटियों की पढ़ाई के लिए है वहां शिक्षा सुविधा बढ़ाने पर जोर देते हुए कुछ बजट आवंटित किया जाना चाहिए था जो कि नहीं किया गया। प्री प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक के शिक्षा के लिए अत्याधुनिक अवस्थापना सुविधाओं के साथ उत्कृष्ट शैक्षिक परिवेश उपलब्ध कराने हेतु पूरे प्रदेश में मात्र 22 विद्यालयों को 25 करोड रुपए आवंटित किए गए हैं जो संख्या के आधार पर न्यूनतम है। पीएम श्री योजना के तहत 580 करोड़ रुपए स्मार्ट क्लास शिक्षा हेतु उपलब्ध कराए गए हैं जिसमें अन्य विद्यालयों को चयनित कर सूची बढ़ाई जानी चाहिएथी। समग्र शिक्षा योजना ,स्मार्ट स्कूल हेतु ,स्कूल बैग, निशुल्क यूनिफॉर्म और वजीफा की व्यवस्था तो सराहनी है परंतु बेसिक के विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं पानी और बिजली की सुविधाएं बढ़ाने हेतु कोई बजट आवंटित नहीं किया गया है आज भी ग्रामीण इलाकों के अधिकांश विद्यालयों में बिजली का कनेक्शन नहीं है कई विद्यालय बाउंड्री वहीं है जहां सुरक्षा हेतु अक्सर बेसिक के शिक्षक और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसके लिए कोई बजट आवंटित नहीं किया गया। जबकि अधिकांश विद्यालय में बिजली की समस्या दृष्टिगत है। बेसिक शिक्षा परिषद के ग्रामीण और शहरी विद्यालयों में मिड डे मील जैसी सुविधाएं उपलब्ध है जिसमें बच्चों को बना बनाया दोपहर का भोजन दिया जाता है। परंतु महंगाई के इस समय में मिड डे मील योजना के लिए धन बढ़ाने हेतु कोई बजट आवंटित नहीं किया गया है । मिड डे मील योजना में सहयोगी संस्था अक्षय पात्र , जो की गर्म और शुद्धता पूर्ण खाना वितरण हेतु पूरे प्रदेश में कई जिलों में गरम खाना बच्चों हेतु बनाकर उपलब्ध कराती है जिसमें बच्चों के पोषण का पूर्ण ध्यान रखा जाता है। बजट आवंटन में उसके विस्तार की कोई चर्चा नहींहै। 2025- 26 के लिए 8 लाख 3736 करोड़ के बजट आवंटित हुआ है जिसमें समग्र बेसिक शिक्षा का आवंटन बहुत ही न्यूनतम है। उक्त जानकारी आज रीना त्रिपाठी अध्यक्ष सर्वजन हिताय संरक्षण समिति महिला प्रकोष्ठ के माध्यम से उपलब्ध कराई गयी

# जल योग करने से दिमाग की क्रिया शक्ति हो जाती है सक्रिय



**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। जल में योगाभ्यास करने से डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप में विशेष लाभ प्राप्त होता है। शरीर तरोताजा हो जाता है। शरीर में लचीलापन आता है। जल योग करने से दिमाग की क्रिया शक्ति सक्रिय हो जाती है। पानी में वृक्षासन करने से मांसपेशियों में खिंचाव होता है, वजन कम होने लगता है और तनाव से मुक्ति मिलती है। यह बात लविवि के योग संकाय के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताई। वह लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से प्रयागराज में आयोजित जल योग कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। डॉ. अमरजीत का कहना है कि जल में ताड़ासन के अभ्यास से चिड़चिड़ापन में आराम मिलता है। शरीर में अधिक एसिड बनने से रोकता है। पानी में गरुड़ासन करने से एकाग्रता बढ़ती है। प्राणायाम करने से मन और रक्त की शुद्धि होती है। जल में अनुलोम विलोम के अभ्यास से दोगुना लाभ प्राप्त होते हैं। इससे शरीर एनर्जी से भर जाती है। साथ ही शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह तेजी से बढ़ने लगता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है। इस दौरान योग विभाग की पूर्व छात्रा, जल योग में विश्व रिकॉर्ड धारी रोमा हेमवानी ने बताया कि जल में योग अभ्यास करने का 20 साल का अनुभव है। जल योग के अभ्यास से मेरे अंदर उत्साह, आनंद और स्वास्थ्य बना रहता है। कार्यक्रम में योग विभाग के शिक्षक डॉ. उमेश कुमार शुक्ला, डॉ. सुधीर मिश्रा, डॉ. रामकिशोर, शोभित सिंह ने प्रतिभाग किया।

# दरोगा खेड़ा स्थित पार्थ बिल्डिंग के फ्लैट में लगी भीषण आग, एक घायल

➲ आग बुझाते समय चार अग्नि दमकल कर्मचारी भी हुए घायल, भेजा गया अस्पताल

➲ पार्थ बिल्डिंग में आग बुझाने के लिए मौके पर नहीं रही फायर टूल्स



**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ । सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार की शाम दरोगा खेड़ा स्थित पार्थ रिपब्लिक द्वारा बनाई बिल्डिंग के एक फ्लैट में भीषण आग लग गई। भीषण आग लगने के दौरान एक व्यक्ति ओम तिवारी उम्र 35 वर्ष बुरी तरह आग में जुलझ गया, जिस वजह से बाई तरफ का अंग जल गया। आग लगते ही आनन फानन आसपास के लोगों ने पुलिस एवं फायर ब्रिगेड को तुरंत सूचना दी , सूचना मिलते ही मौके पर सरोजनीनगर थाना, बंथरा थाना पुलिस सहित फायर दमकल गाड़ियां पहुंची और मौके पर बड़ी मस्कत से फायर ब्रिगेट फाइटर ने आग बुझाई और आग में झुलसे व्यक्ति को बचाया और उसे इलाज हेतु सिविल अस्पताल लखनऊ भेजा गया। इस मौके सरोजनीनगर उप जिलाअधिकारी सचिन वर्मा सहित एसीपी कृष्णा नगर सौम्या पांडेय भी पहुंची और मौके पर मौजूद लिया जाएगा । स्थानीय सूत्रों ने बताया कि न ही इस बिल्डिंग में आग बुझाने के उपकरण है और न ही आग लग जाने पर कोई बचने का उपाय। ऊंची बिल्डिंग के फ्लैट होने के कारण यदि आग लग जाती है तो इस अवस्था में रहने वाले लोग आखिर कैसे अपना बचाव करे। सरोजनीनगर थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि ओम तिवारी अपने पत्नी और सास के साथ रहते है, दूध गैस पर उबालने के लिए रखा था इसके बाद पत्नी और सास बाहर बैठ गई थी, तभी अचानक आग लग गई और चारों तरफ फैल गई, उस समय ओम तिवारी अपने कमरे में सो रहे थे । दूध गैस पर रखकर सास और पत्नी बाहर थी , दूध जलते जलते चारों तरफ आग पकड़ ली और अंदर कमरे में आग फैल गई, किसी तरह से फायर दमकल कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर फ्लैट में फंसे ओम तिवारी को बाहर निकाला और उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया। आग बुझाते समय सुमित प्रताप सिंह, बृजेश यादव, रणजीत फायर फाइटर आग में जुलझ गए, जिस वजह से घायल फायर फाइटर को इलाज हेतु प्रसाद अस्पताल भेजा गया। वही एक और फायर मैन प्रमोद यादव को तत्काल लोकबंधु भेजा गया। फिलहाल सभी खतरे से बाहर है।

# समाचार

## गुरुद्वारा भाई लालो जी में अंतर्राष्ट्रीय मां बोली दिवस का आयोजन आज

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। आजाद लेखक कवि सभा उत्तर प्रदेश की ओर से दिनांक 21 फरवरी 2025 को महाराजा जस्सा सिंह रामगढ़िया हाल, भाई लालो जी गुरुद्वारा वीआईपी रोड लखनऊ में 3-30 बजे से अंतरराष्ट्रीय मां बोली दिवस का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रोफेसर डा. अमनदीप सिंह एवं प्रिंसिपल मनजीत कौर मुख्य वक्ताओं के रूप में भाग लेंगे।कार्यक्रम में दशमेश पब्लिक स्कूल, गुरु नानक विद्यालय इंटर कॉलेज सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र - छात्राओं द्वारा मां बोली को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में लखनऊ के विभिन्न गुरुद्वारों के प्रतिनिधि एवं जत्थे बंदियां शामिल होंगे। यह जानकारी स. सुरजीत सिंह राजपाल ने दी।

## ठाकुरगंज निवासी सुफियान नमक वाहन चोर गिरफ्तार

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**



लखनऊ। चौक पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पीड़ित अथर्व शुक्ला ने 12 जनवरी को अपनी मोटरसाइकिल (यूपी 32जीएम3179 स्पेलेण्डर) चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने तत्परता से मामले की जांच शुरू की और 20 फरवरी को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर अभियुक्त सुफियान (19 वर्ष) को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त सुफियान, जो कि ठाकुरगंज, लखनऊ का निवासी है, के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी पाया गया है, और उसकी अन्य आपराधिक गतिविधियों की जांच की जा रही है।

## शिक्षा क्षेत्र के लिए उन्नत बजट ,पीयूष सिंह चौहान

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**



लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट की सराहना करती है, जिसमें विशेष ध्यान शिक्षा क्षेत्र पर दिया गया है। एस.आर. ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के वाइस चेयरमैन श्री पीयूष सिंह चौहान ने इस बजट के तहत शिक्षा के विभिन्न स्तरों के विकास के लिए 13 प्रतिशत राशि आवंटित करने और मेधावी छात्राओं को स्कूटी देने की योजना की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों को महत्वपूर्ण माना। इसके अलावा, खेल क्षेत्र में छात्रों के लिए नई योजनाओं की घोषणा और समग्र विकास की दिशा में किए गए अन्य कदमों को उन्होंने सकारात्मक कदम बताया। उनका मानना है कि इस बजट से न केवल शिक्षा, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

## फर्जी क्राइम टीम बनाकर वसूली करने वाले 2 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी**



लखनऊ। थाना नाका हिण्डोला पुलिस ने 2 फर्जी क्राइम ब्रांच टीम बनाकर जबरन धन वसूली करने वाले 2 शातिर अपराधियों की मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई, थाना प्रभारी वीरेंद्र त्रिपाठी ने पुलिस बल को सख्त निर्देश दिया, यह अपराधी हाथ से जाने ना पाए गिरफ्तारी होनी चाहिए, पुलिस टीम ने बड़ी सूझबूझ से शातिर अपराधियों को चारबाग मेट्रो स्टेशन के पास से अभियुक्तों को गिरफ्तार किया, नाम पता पूछने पर अपना नाम 1 अर्जुन कुमार निवासी 14/220 पुराना बर्फखाना उदयगंज थाना हुसैनगंज लखनऊ,2 सिराज उर्फ राज निवासी 58 /195 शेर वाली कोठी थाना हुसैनगंज लखनऊ, कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद हुई, इसी क्रम में, डीसीपी, दिशा-निर्देश पर गठित की काई टीमें लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है,जिसमें आज थाना नाका प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र त्रिपाठी, के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपीयों को गिरफ्तार कर,मा. न्यायालय भेजा गया है।

## यूपी का बजट तोहफा नहीं गरीब किसान ,बेरोजगारों के साथ धोका है लोकदल

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**



लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने आज दिनांक 20 फरवरी 2025 दिन गुरुवार को केंद्रीय कार्यालय पर राज्य के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि राज्य का बजट 'जन हित% का बजट नहीं है बजट जनता के कल्याण को ध्यान में रखकर नहीं बनाया गया है. %बजट में समाज के हर वर्ग-महंगाई से जूझ रहा है। यूपी सरकार का बजट एक धोका है। इसमें बेरोजगारी और महंगाई जैसे सवालों का जवाब नहीं है। गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, महिला, युवा और आम लोग परेशान है। इस बजट से आम लोगों को कोई लाभ होने वाला नहीं है। सुनील सिंह ने यह भी कहा है कि बजट को देखकर उन्हीं के परिवार और विधायक और मंत्री भी निराश हैं युवा, किसान और बेरोजगारों और महिलाओं के साथ सरकार का धोका बजट बताया है।

# उत्तर प्रदेश बजट 2025–26 को आर्थिक विकास के लिए यूपी की आर्थिक वृद्धि राष्ट्रीय औसत से अधिक – डॉ. राजेश्वर सिंह

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**



लखनऊ। सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बजट 2025-26 की सराहना करते हुए इसे ÷उत्तर प्रदेश को .1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने वाला स्पष्ट रोडमैप÷ बताया है। डॉ. सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि यह बजट अब तक का सबसे बड़ा बजट होने के साथ तकनीकी पैरामीटर्स पर भी आदर्श बजट है। राजकोषीय घाटा- 2.97त्न है जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एफ0आर0बी0एम0 एक्ट में निर्धारित 3.5 प्रतिशत की सीमा से कम है। वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 की अवधि में प्रदेश के समेकित फिस्कल हेल्थ इण्डेक्स में 8.9 अंकों का इजाफा हुआ है। नीति आयोग द्वारा राज्यों की राजकोषीय स्थिति के सम्बन्ध में प्रकाशित रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश को फ्रण्ट रनर (अग्रणी) राज्य की श्रेणी में रखा गया है। डॉ. सिंह ने आगे जोड़ा कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 11.6त्न की दर से बढ़ रही है, जो राष्ट्रीय औसत (9.6त्न) से अधिक है। कोविड मंदी के बावजूद 2016-17 में प्रतिवर्ष आय 52,671 से वर्ष 2023-24 में बढ़कर ?93,514 रूपये हुई है। विधायक ने जोड़ा इस बजट का 22त्न हिस्सा आधारभूत संरचना, 13त्न शिक्षा और कौशल विकास, 11त्न कृषि और 6त्न स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च किया जाएगा, जिससे प्रदेश के समग्र विकास को मजबूती मिलेगी। यह बजट प्रदेश के संतुलित आर्थिक विकास, आधारभूत संरचना, डिजिटल परिवर्तन, शिक्षा, औद्योगिक निवेश, कृषि, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। बजट 2025-26 की मुख्य विशेषताएं बजट का कुल आकार- ?8,08,736.06 करोड़ (पिछले वर्ष की तुलना में 9.8त्न की वृद्धि) कुल राजस्व प्राप्तियां- ?7,79,242.65 करोड़ राजकोषीय घाटा- 2.97त्न (GSDP का) - FRBM सीमा 3.5त्न से कम पूंजीगत व्यय (Capital E&penditure)- ?2,25,561.49 करोड़ नई योजनाओं में निवेश- ?28,478.34 करोड़ बजट में प्रमुख क्षेत्रों को दिया गया बढ़ावा बुनियादी ढांचा और उद्योग 1050 करोड़ से 4 नए एक्सप्रेसवे का निर्माण 2900 करोड़ राजमार्गों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण हेतु 461 करोड़ Defence Industrial Corridor के विकास हेतु ?1000 करोड़ Storm Water Drainage योजना हेतु 400 करोड़ स्मार्ट सिटी योजना हेतु डिजिटल शिक्षा और साइबर सुरक्षा 580 करोड़ से PM श्री योजना में स्मार्ट शिक्षा का विस्तार 454 करोड़ से ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना 5 करोड़ से लखनऊ में AI City का विकास स्वरोजगार और स्टार्टअप 1000 करोड़ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान हेतु 300 करोड़ टेक्सटाइल पार्क के लिए 225 करोड़ स्टार्टअप्स और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कृषि और ग्रामीण विकास 4882 करोड़ प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना हेतु 1100 करोड़ लघु सिंचाई योजना हेतु 2045 करोड़ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) नगरीय विकास और आवास 3150 करोड़ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 हेतु 1732 करोड़ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 हेतु लखनऊ सहित 6 जिलों को मिलाकर स्टेट कैपिटल रीजन (SCR) का गठन रोजगार सृजन और औद्योगिक निवेश पिछले 8 वर्षों में कुल निवेश प्रस्ताव- ?45 लाख करोड़ धरातल पर उतरा निवेश - ?15 लाख करोड़ 60 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित राजकोषीय अनुशासन और वित्तीय स्थिरता नीति आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश को ÷फ्रंट रनर÷ राज्य घोषित किया गया UP की अर्थव्यवस्था 11.6त्न की दर से बढ़ रही है, जो राष्ट्रीय औसत (9.6त्न) से अधिक है राजस्व अधिशेष- ?79,516.36 करोड़ प्रति व्यक्ति आय में ऐतिहासिक वृद्धि- 2016-17- ?52,671 2019-20- ?65,660 2023-24- ?93,514 (कोविड मंदी के बावजूद) डॉ. सिंह ने कहा कि ÷यह बजट केवल व्यय का विवरण नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की आर्थिक ताकत को दर्शाने वाला एक दूरदर्शी दस्तावेज़ है।÷ उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में आई तेजी और प्रति व्यक्ति आय में हुई बढ़ोतरी दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। डॉ. सिंह प्रदेश की 25 करोड़ जनता के हितों का ध्यान रखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का विशेष आभार भी व्यक्त किया।

# बजट पर बोली मायावती: यदि यह व्यापक जनहित व जनकल्याण का ज्यादा होता तो बेहतर होता



**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। गुरुवार को विधानसभा में पेश हुए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बीएसपी प्रमुख मायावती ने कहा कि यूपी सरकार द्वारा विधानसभा में आज पेश 2025-26 का बजट यदि व्यापक जनहित व जनकल्याण का ज्यादा होता तो यह बेहतर होता, जबकि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन को दूर करने व आमजन की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के प्रति पर्याप्त सरकारी नीयत-नीति का अभाव। सही विकास कैसे संभव? कुल मिलाकर, यूपी भाजपा सरकार का बजट भी पेट भरे मध्यम वर्ग के तुष्टीकरण वाला है, जबकि सरकारों की असली चिन्ता व संवैधानिक दायित्व करोड़ों परिवारों की दरिद्रता को दूर करके सुख-चैन पहुँचाने वाला सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के उद्देश्य की पूर्ति का होना चाहिए। ऐसा ना होना चिन्तनीय। उत्तर प्रदेश के शहर, गाँव, क्षेत्र एवं समाज बुनियादी सुविधाओं के अभाव व अनेकों विषमताओं से जूझ रहे हैं तथा लोगों को जब सड़क, पानी, स्कूल, अस्पताल, रोजी-रोजगार के बेहतर व्यवस्था करने की माँग है तब उन्हें दूसरे सपने दिखाना यह समस्या का सही समाधान नहीं।

# राम चरित मानस की हर चौपाई मंत्र है: डॉक्टर अखिलेश मिश्रा



**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान में सनातन साहित्य के संबंध में व्यापक परिचर्चा हुई। जिसका कुशल संचालन युवा कवि शेखर त्रिपाठी ने किया। सनातन साहित्य की सरल भाषा में परिचर्चा हुई , जिसके मुख्य वक्ता लेटे हुए हनुमान जी के मंदिर अहिमर्दन पुरी लखनऊ के मुख्य सेवादार डॉ विवेक ताँगड़ी और आई.ए.एस. एवं वरिष्ठ कवि/शायर डॉ. अखिलेश मिश्र एवं प्रवक्ता अवधी हरि थे।डॉक्टर अखिलेश मिश्रा ने कहा कि राम चरित मानस की हर पंक्ति मंत्र हैं। साहित्य संकल्प के दौरान परिचर्चा के कई सत्र आयोजित हुए। इस अवसर पर कविता तब और अब,मानसिक अवसाद से बचने के उपाय, रुपहले पर्दे पर तब और अब विषय पर भी परिचर्चा हुई। इस परिचर्चा में मुख्य वक्ता मनोज राजन त्रिपाठी एवं आत्मप्रकाश मिश्रा थे। कवि सम्मेलन के देवल आशीष मंच पर कई सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर अरविंद झा, राम राज भारती, रामशंकर सिंह, राजीव वत्सल, अर्श लखनवी, अनिल अनिकेत, वरिष्ठ कवयित्री मनीष मिश्रा, अलका अस्थाना, प्रमोद श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव, सुशील कुमार श्रीवास्तव, इंद्रासन सिंह इंदु शैलेश कुमार सचान, सुशील सिंह आदि दो सौ साहित्यकार उपस्थित रहे। द्वि दिवसीय साहित्यिक समारोह का समापन पूर्व उपमुख्य मंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा ने किया।डॉक्टर दिनेश शर्मा ने कहा कि समाज की विषमता दूर करने का कार्य साहित्य ने किया है।साहित्य मन के तनाव को कम करता है मन को सकून देता है।उन्होंने उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के निर्माण के लिए पचास लाख रुपए देने की घोषणा की।

# बजट युवाओं, किसानों, महिलाओं तथा आम आदमी के लिए निराशाजनक– आराधना मिश्रा

➤ योगी आदित्यनाथ सरकार ने बजट में दंगों को लेकर झूठ बोलकर किया गुमराह



**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार के द्वारा बृहस्पतिवार को पेश किए गए बजट पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे युवाओं, किसानों और महिलाओं सहित आम आदमी के लिए निराशाजनक करार दिया है, साथ ही बजट की संख्या बढ़ाना प्रदेशवासियों को गुमराह करने वाला बताया है। उन्होंने कहा की सरकार ने बजट में दंगे ना होने की बात कही है जबकि सच्चाई यह है कि प्रदेश में हिंसक और दंगे की घटनाएं बढ़ गई हैं। सरकार दंगाइयों को संरक्षण दे रही है। आराधना मिश्रा मोना ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बजट को इवेंट बना कर रख दिया है। महाकुंभ का बजट इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि बजट बढ़ाया गया लेकिन अव्यवस्था चरम पर थी जिसकी वजह से हजारों श्रद्धालुओं की जान चली गई, सच्चाई है कि हर काम की तरह बजट को भी भाजपा ने इवेंट बना दिया है। पिछला बजट भी मात्र 52 से 54 प्रतिशत खर्च हुआ तो संख्या बढ़ाने से क्या फायदा ? अराधना मिश्रा ने बताया कि बजट की सामूहिक जिम्मेदारी पूरे कैबिनेट की होती है लेकिन जब बजट पेश किया जा रहा था तो सदन में प्रदेश सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक तथा केशव मौर्या अनुपस्थित थे इससे पता चलता है कि सरकार पेश किए गए बजट के प्रति सामूहिक रूप से कितना उदासीन है। आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि किसानों को इस बार बजट से बड़ी उम्मीदें थी कि उनके लिए सरकार विशेष सहायता कोष बनाएगी लेकिन किसानों को निराशा मिली है, बजट में युवाओं को रोजगार को लेकर कोई ठोस नीति न बनाकर, सिर्फ आउट सोर्सिंग पर छोड़कर, धोखा दिया गया है। सबसे बड़ा धोखा प्रदेश की आधी आबादी महिलाओं को मिला है, सरकार ने प्रत्येक बजट में वादा किया था उसी तरह इस बजट में भी झूठा वादा गैस सिलेंडर, स्कूटी का किया गया है,यह बजट उसी पुराने बजट की फोटोकॉपी दिखाई पड़ती है। आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि इस बजट में शिक्षा के लिए 13 प्रतिशत, कृषि और संबद्ध सेवाओं के लिए 11 प्रतिशत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में 6 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए 4 प्रतिशत धनराशि आवंटित की गई है लेकिन सरकार पिछले बजट का हिसाब किताब नहीं दे रही है। यह पूरा बजट सब्जबाग तो दिखाता है पर जमीनी धरातल पर समाज के किसी वर्ग को, चाहे हमारा किसान हो, बेरोजगार युवा हो, आंगनबाड़ी, शिक्षामित्र, रसोइया जैसी महिला कार्यकत्री हो या कृषि क्षेत्र के हमारे सहयोगी किसान भाई हो, स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशानहाल आम नागरिक हों, सुरक्षा की चाह लिये हमारी बहन-बेटियां या समाज के व्यापारी वर्ग हों या कर्मचारी किसी भी वर्ग के लिए इस बजट में कुछ दिखाई नहीं पड़ता।

# संपादकीय

## अश्लीलता का कारोबार

हाल ही में यूट्यूब के एक कथित कॉमेडी शो से उठे राष्ट्रव्यापी विवाद के बाद आरोपी यूट्यूबर को गिरफ्तारी से राहत देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में आरोपी से कहा कि उसने अपने दिमाग में भरी गंदगी को उगला है। अदालत ने रणवीर इलाहाबादिया के बयान पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि उसकी बातों से बेटियों, बहनों और माता-पिता को भी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह ने केंद्र सरकार से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने की योजना बताएं। अन्यथा इस मामले में कोर्ट देखेगा। उल्लेखनीय है कि यूट्यूबर और कॉमेडियन समय रैना के एक शो 'इंडियाज गॉट टेलेंट' के एक एपिसोड को लेकर पिछले दिनों खासा विवाद हुआ। जिसको लेकर पूरे देश में तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई। कई राज्यों में अश्लील टिप्पणी करने वाले यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। दरअसल, रणवीर ने एक प्रतिभागी से उसके माता-पिता के निजी संबंधों को लेकर आपत्तिजनक सवाल किए थे। इस अमर्यादित व अश्लील टिप्पणी को लेकर देशव्यापी आलोचना की जा रही है। कालांतर यूट्यूब को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नोटिस के बाद इस एपिसोड को हटाना पड़ा था। दरअसल सोशल मीडिया पर ऐसी अश्लील व अभद्र टिप्पणी करने का यह पहला मामला नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अनाप-शनाप बकने का सिलसिला पिछले लंबे समय से सोशल मीडिया पर चल रहा है। दरअसल, कई कॉमेडियन व कलाकार विभिन्न कार्यक्रमों में ऐसी बकवास करते रहते हैं ताकि उन्हें नकारात्मक चर्चा से व्यापक पहचान मिल सके। लगातार कोशिश होती रहती है कि वर्जित विषयों को कार्यक्रमों में शामिल करके तरह-तरह के विवाद खड़े किए जाएं। दरअसल, टीवी चौनल भी टीआरपी के गंदे खेल में ऐसे हथकंडे अपनाने से नहीं चूकते, जो विवाद पैदा करें। ऐसे कॉमेडी कार्यक्रमों की लंबी श्रृंखला है जो अश्लीलता, फूहड़ता और अभद्रता को अपने विषय वस्तु बनाते हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर वर्जना तोड़ते कार्यक्रमों की बाढ़ सी आई हुई है। विडंबना यह है कि सोशल मीडिया में संपादक नामक संस्था का कोई स्थान नहीं है। जिसके चलते अभिव्यक्ति की आजादी की दुहाई देकर तमाम वर्जित विषयों व संवादों को तरजीह दी जा रही है। एक हकीकत यह भी है कि अभद्र, अश्लील, आपत्तिजनक और पोर्नोग्राफिक कंटेंट से सोशल मीडिया कंपनियों को भी मुनाफा होता है। कार्रवाई की मांग किए जाने पर ये विदेशी कंपनियां अमेरिकी कानून को अपना कवच बनाने का प्रयास करती हैं। विगत में भी एक विवाद के बाद दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी डिजिटल कंपनियों को शिकायत अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। यद्यपि आईटी मंत्रालय को आपत्तिजनक एप्स और कंटेंट को ब्लॉक करने का अधिकार है। लेकिन इसके बावजूद सोशल मीडिया की निरंकुश भूमिका को देखते हुए एक सख्त कानून की जरूरत महसूस हो रही है। इसके अभाव में ऐसे विवादित कार्यक्रम सुर्खियों में आते रहते हैं। हो-हल्ला होने के बाद प्राथमिकी दर्ज होती है, लेकिन बहुत कम मामलों में आरोपियों को सजा हो पाती है। उन्हें कानूनी संरक्षण देने वाले भी खुलकर सामने आते हैं। यही वजह है रणवीर इलाहाबादिया वाले मामले में शीर्ष अदालत ने उनको लेकर सख्त टिप्पणियां की हैं। नीति-नियंताओं को इस सामाजिक प्रदूषण को रोकने के लिये कारगर कानून बनाने होंगे ताकि आरोपियों को समय से सजा मिल सके। जिससे रातों-रात फेमस होने की होड़ में सामाजिक विकृतियों व कुंठाओं को प्रश्रय न मिले। सदियों से सहेजे गए जीवन मूल्यों व सभ्याचार का संरक्षण करना समाज की भी जिम्मेदारी है। यदि इसकी महीन लक्ष्मण रेखा का अतिक्रमण होता है तो सामूहिक प्रतिरोध जरूरी है। नीति-नियंताओं को भी इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। तकनीकी क्रांति व विकास का मतलब यह कदापि नहीं है कि हम पश्चिम की विकृतियों व यौन कुंठाओं का अंधानुकरण करें। कालांतर ये प्रवृत्तियां न केवल सामाजिक विद्रूपताओं को सींचती हैं बल्कि अपराधों के लिये भी उर्वरा भूमि तैयार करती हैं। साथ ही सोशल मीडिया के कंटेंट पर निगरानी के लिये सशक्त नियामक संस्था की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

## ट्रम्प का भारत विरोधी रवैया साफ

डोनाल्ड ट्रम्प को अमेरिका के राष्ट्रपति का पद सम्हाले हुए अभी एक ही माह हुआ है और उनका भारत विरोधी रवैया साफ हो चला है। अमेरिका की ओर से भारत का सतत अपमान तो हो ही रहा है, अब उसकी मदद रोककर यह संकेत दे दिया गया है कि अमेरिका के भारत के साथ वैसे सम्बन्ध नहीं रहेंगे जैसे पहले कभी होते थे। अधिक अपमानजनक तो यह है कि अमेरिका के साथ सम्बन्ध बनाये रखने के लिये भारत लगातार झुकता चला जा रहा है और अमेरिका है कि नरम पड़ने का नाम ही नहीं ले रहा है। वह एक के बाद एक भारत विरोधी निर्णय लेता जा रहा है। भारत को लेकर ट्रम्प का रुख वैसे तभी स्पष्ट हो गया था जब उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित नहीं किया था। उनकी बजाये उद्योगपति मुकेश अंबानी को सपत्नीक तथा विदेश मंत्री एस. जयशंकर को आमंत्रित कर एक तरह से मोदी का अपमान ही किया गया था। वैसे बताया जाता है कि जयशंकर को कुछ दिनों तक अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में डेरा डालना पड़ा था पर ट्रम्प ने भारतीय प्रधानमंत्री को नहीं बुलाया सो नहीं ही बुलाया। इसके बाद भी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के साथ मुलाकात को लालायित मोदी ने अमेरिका का दौरा कर ही लिया। पिछले हफ्ते वे उनसे मिलकर आये हैं। ट्रम्प के साथ निजी मित्रता का दावा करने वाले मोदी जब अमेरिका जा रहे थे तभी अमेरिका ने पहली खेप के रूप में वहां रह रहे 104 गैरकानूनी अप्रवासी भारतीयों को सैन्य जहाज में हथकड़ी-बेड़ियों में बांधकर अमृतसर भेज दिया। लोगों को उम्मीद थी कि मोदी इस बाबत कड़े शब्दों में न केवल विरोध जताएंगे वरन यह सुनिश्चित करेंगे कि कम से कम अब आगे आने वाले भारतीय ऐसे अपमानजनक तरीके से नहीं भेजे जायेंगे। वैसे पिछली बार अमेरिका ने जब इस तरह से भारतीयों को भेजा तब भारत में भारतीय जनता पार्टी व सरकार का एक बड़ा समर्थक वर्ग उस कार्रवाई को यह कहकर जायज ठहरा रहा था कि अमेरिका अपने देश के नियमों का पालन कर रहा है तो इसमें गलत ही क्या है। इतना ही नहीं, जयशंकर ने भी संसद में इस पर अपना बयान देकर अमेरिका का समर्थन किया था। हालांकि उस वक्त यह बात भी सामने आई थी कि कोलम्बिया व मैक्सिको जैसे छोटे देश, जो अमेरिका के पड़ोसी भी हैं, अपने नागरिकों को सम्मानपूर्वक वापस लाए थे। अपने ही नागरिकों के प्रति भारत सरकार के इस रवैये से सम्भवतरू ट्रम्प प्रशासन का हौसला बढ़ा होगा तभी उसने शनिवार की रात फिर से 116 भारतीय उसी तरीके से भेजे। जैसा कि पहले ही घोषित किया जा चुका है कि अमेरिका ने ऐसे तकरीबन 18 हजार अवैध प्रवासियों की शिनाख्त कर ली है जो क्रमवार भारत आयेंगे। भारत की प्रतिष्ठा को किस कदर चोट पहुंचेगी और उसकी छवि दुनिया भर में क्या बनेगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। साफहै कि ट्रम्प इस मामले में भारत के साथ कोई रहमदिली नहीं दिखाने जा रहे हैं। ट्रम्प मानों इतने भर से संतुष्ट नहीं हैं जो उन्होंने अमेरिका द्वारा भारत को दी जाने वाली 21 मिलियन डॉलर की सहायता पर भी रोक लगा दी। दरअसल उन्होंने सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के फैसले को मंजूरी दी है जिसने इस आशय की सिफारिश की है। एक प्रेस कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि श्भारत के पास बहुत पैसा है। वह दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देशों में से एक है। अमेरिका के लिये वहां व्यवसाय करना मुश्किल है क्योंकि उसके शुल्क बहुत हैं।श् उनका कहना था कि भारत की आर्थिक वृद्धि तथा विदेशी व्यापार की ऊंची शुल्क दरों के चलते भारत को अमेरिकी करदाताओं का पैसा देने की आवश्यकता नहीं है।

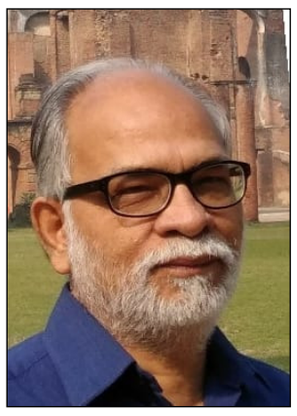

"शायद इस बार के कुंभ के सिलसिले में जान गंवाने वालों के परिजनों की किस्मत में, इन मौतों का इस तरह नकारा जाना ही लिखा है। नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ पर ही पर्दा डालने की जैसी कोशिशें की गयी थीं

# झूठ के कुंभ में अनास्था की डुबकी

**आलेख : राजेंद्र शर्मा**

हैरानी की बात यह नहीं है कि शासन और रेलवे प्रशासन को आखिरकार, शनिवार 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में, अठारह मौतों और कई लोगों के घायल होने की बात स्वीकार करनी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि शासन और रेलवे प्रशासन ने भगदड़ और उसमें मौतों के तथ्य को ही नकारने की तमाम कोशिशें की थीं। लेकिन, शायद इस बार के कुंभ के सिलसिले में जान गंवाने वालों के परिजनों की किस्मत में, इन मौतों का इस तरह नकारा जाना ही लिखा है। नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ पर ही पर्दा डालने की जैसी कोशिशें की गयी थीं, वही सब इससे पहले प्रयागराज में कुंभ स्नान भगदड़ के मामले में किया चुका था। सच तो यह है कि प्रयागराज भगदड़ मामले को छुपाने की कोशिशें और भी दूर तक जारी रही थीं, बल्कि जानकारों के अनुसार तो अभी तक यह सिलसिला किसी-न-किसी रूप में जारी ही है। प्रयागराज मामले में भी, पहले कई घंटे तक तो %अफवाह% करार देकर, भगदड़ की किसी भी घटना को नकारने की ही कोशिश की गयी थी। फिर कुछ और घंटे बाद, %%भगदड़ जैसी%% होने और उसमें कुछ लोगों के चोटिल होने की बात मानी गयी। और घटना के पूरे उन्नीस घंटे बाद ही भगदड़ में तीस मौतों और करीब दर्जन भर लोगों के घायल होने की बात मानी गयी। यह दूसरी बात है कि तब तक यूट्यूबरों तथा मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से द्वारा दी जा चुकी खबरों के अनुसार, पूरे मेला क्षेत्र में उस दिन एक नहीं, तीन स्थानों पर भगदड़ की घटनाएं हुई थीं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या, सरकार द्वारा दिए गए तीस के आंकड़े से तीन गुनी नहीं तो, दोगुनी से ज्यादा जरूर थी। पीयूसीएल की खोजी टीम की रिपोर्ट के अनुसार, मौतों की कुल संख्या को कम कर के दिखाने के लिए शासन ने तीन अलग-अलग अस्पतालों में पोस्टमार्टम कराने समेत, तरह-तरह के हथकंडों का सहारा लिया था। बहरहाल, मौतों तथा घटनाक्रम के सरकारी दावों पर सवाल खड़े करने वाली तमाम रिपोर्टों तथा सामने आयी तमाम जानकारियों का योगी सरकार ने नोटिस तक लेने से इंकार कर दिया और सारी खबरों की ओर से आंख-कान बंद कर के सरकार, इस उम्मीद में कि उसके प्रचार के सामने सब कुछ भुला दिया जाएगा, सब कुछ सुचारु रूप से चल रहा होने का अपना ढोल पीटने में लग गयी। इसी के हिस्से के तौर पर पहले उप-राष्ट्रपति और फिर राष्ट्रपति को ही नहीं, देश के सबसे बड़े धनपतियों में से एक, अंबानी परिवार को बाकायदा वीवीआईपी स्नान कराया गया। उप-राष्ट्रपति ने तो भगदड़ में तीस मौतों की बात तब तक स्वीकार कर लिए जाने के बावजूद, कुंभ की व्यवस्थाओं को न भूतो न भविष्यति का बाकायदा सर्टिफिकेट ही दे दिया था। जाहिर है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे या उनसे जुड़े लोगों के वीवीआईपी दर्जे पर, खूनी भगदड़ के बाद जारी इस सरकारी आदेश का कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला था कि सारे वीआईपी पास निरस्त किए जाते हैं। वास्तव में, विभिन्न रिपोर्टों में प्रयागराज में हुई भगदड़ के मुख्य कारणों में कुंभ की वीआईपी संचालित व्यवस्था को सबसे प्रमुख माना गया था, जिसमें मेला क्षेत्र और रास्तों के बड़े हिस्से को, वीआईपी गण के लिए सुरक्षित करने के जरिए, आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध जगह और रास्तों को, उनकी भारी भीड़ को देखते हुए, और भी छोटा कर दिया गया था। इसी तरह,नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ और मौतों की पर्दापोशी की कोशिशों में शीर्ष पर दिल्ली के लेफ्टीनेंट गवर्नर से लेकर रेल मंत्री तक शामिल थे। हद तो यह थी कि हादसे की जानकारी मिलने पर लेफ्टीनेंट गवर्नर ने भगदड़ और उसमें हुई मौतों पर खेद जताते हुए जो ट्वीट किया था, उसे तब वापस ले लिया गया, जब लेफ्टीनेंट गवर्नर को इसका एहसास हुआ या यह याद दिलाया गया कि संभवत- सरकार पूरी घटना पर ही पर्दा डालना चाहती है। लेफ्टीनेंट गवर्नर ने अब संशोधन कर के नया ट्वीट जारी किया, जिसमें भगदड़ और मौतों, दोनों का जिक्र गायब किया हो चुका था। जाहिर है कि अंत में एक बार फिर जगहंसाई कराते हुए, लेफ्टीनेंट गवर्नर को घटना में मौतों पर शोक जताना ही पड़ा। कुछ ऐसी ही जगहंसाई रेल मंत्री के भी हिस्से में आयी। बहरहाल, सत्ता में बैठे लोगों के जगहंसाई की परवाह न करते हुए, सत्ता के झूठे आख्यान, बल्कि झूठे प्रचार तथा दावों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर होने में तो अब शायद ही कोई हैरानी की बात रह गयी है। लेकिन दुर्भाग्य से अब हैरानी की बात मुख्य धारा के मीडिया के बड़े हिस्से के तत्परता से इस खेल में हिस्सेदार बन जाने में भी नहीं रह गयी है। लेफ्टीनेंट गवर्नर से भी ज्यादा हंसी का पात्र बनते हुए, समाचार एजेंसी %एएनआई% ने पहले पूरी वफादारी से लेफ्टीनेंट गवर्नर का हादसे पर दुख जताने वाला ट्वीट प्रकाशित किया। उसके बाद उसी एजेंसी ने बिना किसी टीका-टिप्पणी के लेफ्टीनेंट गवर्नर का ना कोई भगदड़, ना कोई मौत वाला संशोधित ट्वीट प्रकाशित किया। और अंतत- उतनी ही वफादारी से मौतों पर खेद जताने वाला ट्वीट जारी किया। सभी जानते हैं कि मुख्यधारा के मीडिया के अधिकांश हिस्से और सोशल मीडिया के भी बड़े हिस्से के गोदीकरण के बल पर ही, भगदड़ में बड़ी संख्या में मौतों जैसी आसानी से न छिपाई जा सकने वाली सच्चाइयों पर भी, मौजूदा निजाम न सिर्फ पर्दा डालने की जुर्रत कर पाता है, बल्कि उन पर पर्दा डालने की कोशिशों में काफी हद तक कामयाब भी हो जाता है। मौजूदा निजाम की इस कामयाबी का एक प्रमुख रूप यह भी है कि जिन सच्चाइयों को पूरी तरह से दबाना ही संभव न हो, उन्हें भी, उजागर हो जाने के बाद भी, मीडिया पर इसी नियंत्रण के सहारे जल्द से जल्द चर्चा से बाहर करने के जरिए, दफ़न कर दिया जाता है। प्रयागराज भगदड़ की मौतों के मामले में ठीक यही हुआ है। और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ के मामले में भी ठीक यही करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी के हिस्से के तौर पर नई दिल्ली स्टेशन भगदड़ के मामले मृतकों के परिवारजनों को, रात में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद न सिर्फ शव सौंप दिए गए, बल्कि सरकार के अपने तमाम नियम-कायदों को ताक पर रखकर, परिजनों को दस-दस लाख रुपए की नकद सहायता राशि भी मुंह अंधेरे ही पकड़ा दी गयी। मकसद यही था कि परिवारजन जल्द से जल्द लाश लेकर, मीडिया और खबरों से दूर, अपने गांवों के लिए निकल जाएं। खबरों के अनुसार, पुलिस के सिपाहियों के साथ वाहनों से लाशों को जल्द से जल्द रवाना करने पर ही सारा जोर था। ऐसा लगता है कि प्रयागराज की घटना से पर्दापोशी का यही सबक दिल्ली प्रकरण को संभालने वालों ने लिया था।प्रयागराज प्रकरण के विपरीत, उन्होंने लाशों को जल्द से जल्द, घटनास्थल से दूर से दूर भिजवाने का, पूरा इंतजाम किया था। हैरानी की बात नहीं है कि भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख, अमित मालवीय ने रविवार को ही इसकी तस्वीरें ट्विटर पर भी डालनी शुरू कर दी थीं कि कैसे नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सब कुछ सामान्य था! आशय यह कि इसके बाद, भगदड़ और मौतों की चर्चा पर पटाक्षेप हो जाना चाहिए। बेशक, दुर्घटनाओं समेत अप्रिय घटनाओं की सच्चाइयों के सत्ताधारियों द्वारा एक हद तक छुपाए जाने में कुछ भी असामान्य नहीं है। आखिरकार, ऐसी घटनाओं से शासन तथा सत्ताधारियों की कुशलता पर सवाल उठते हैं और इन सवालों को दबाने की कोशिश में, सच्चाइयों को छुपाने की कोशिश भी की जाती है। ऐसा करने से अपवाद स्वरूप, केरल की कम्युनिस्ट सरकार जैसी कोई ऐसी सरकार ही बची रह सकती है, जो ऐसी किसी भी मुश्किल के समय में अपनी समुचित सक्रियता और जन-भागीदारी सुनिश्चित करने की तत्परता से, लोगों का भरोसा जीत सकने का विश्वास रखती हो।

# आह, सोना!! पूरे 4580 मीट्रिक टन...

**आलेख यूनीयनिस्ट सतीष चौधरी**

जहां का फ्राइड चिकन (केएफसी) प्रसिद्ध है, उसी केंटुकी प्रदेश में एक मिल्ट्री बेस है। वहां रखा है अमेरिका का गोल्ड रिजर्व। फोर्ट नॉक्स- जेम्स बांड की गोल्डफिंगर में आपने ये जगह देखी है। एक दौर था, जब देश की सरकार उतना ही नोट छाप सकती थी, जितना उनके पास सोना हो। इस दम पे वे कहती है- मैं धारक को इतना धन देने का वचन देता हूँ। नोट, तो बस वचन पत्र है। जनता वचन पत्र के लेनदेन से ही काम चलाती। गवर्मेंट उतने मूल्य का धन, गोल्ड रिजर्व में धरे रहती। फिर 1944 में अमेरिका ने एक कांफ्रेंस बुलाई। विश्वयुद्ध चल ही रहा था। ब्रेटनवुड्स नाम की जगह पर सारे मित्रराष्ट्र इकट्ठा हुए। एक नई आर्थिक प्रणाली बनाई। याने सब देश अपना गोल्ड रखें, जरूरी नही। गोल्ड डिपॉजिट का झमेला यूएसए देख लेगा, उत्ते डॉलर जारी करेगा। बाकी सब देश अपना व्यापार डॉलर में करें। किसी देश को अपने पास रखे डॉलर के बदले गोल्ड चाहिए, तो अमेरिका दे देगा। बात जम गई। ब्रेटनवुड्स ने डॉलर को विश्व करेंसी बना दिया। व्यवस्था चल निकली। वियतनाम युद्ध आया। अमेरिकन इकॉनमी संकट में थी। लेकिन डॉलर स्थिर था। साथी देशो को लगा कि मामला गड़बड़ है। यूएसए जितना सोना रखा है, उससे ज्यादा डॉलर छापकर हमको उल्लू बना रहा है। उन्होंने डॉलर सोने में कन्वर्ट कराना शुरू किया। अमेरिका दबाव में आया। तो तंग आकर 1971 में एक दिन प्रेजिडेंट निक्सन टीवी पे आये। बोले- घण्टा नई देते सोना। उखाड़ लो, जो उखाड़ना है। नही, प्रेसिडेंट ने ऐसे शब्द नही कहे।

उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए डॉलर को गोल्ड कन्वर्टिबलिटी से डिटैच किया जा रहा है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की पोल खुलने से बच गयी। यूएसए गोल्ड रिजर्व का नियमित ऑडिट नही होता, करने वाली एजेंसी कोमा में चली गयी है। ठीक वैसे ही जैसे मोदी सरकार में सीएजी कोमा में चली गयी है। हाल में अमेरिकन प्रेजिडेंट एलन मस्क ने इस मुद्दे को उठाया है। वे और उनके चिलगोजे, गोल्ड की जगह बिटकॉइन जैसा कुछ लाना चाहते हैं। बहरहाल, मूल कथा यह है कि इस महान दिन के बाद से, सरकारो के पास, कोई बंधन नहीं कि कितना धन जारी करेंगे। गोल्ड वैल्यु की सीमा हट गई। धीरे धीरे यह भी बेशर्मी से जाहिर कर दिया गया कि इतना सोना नही सरकार के पास। फोर्ट नॉक्स में केवल 274 बिलियन डॉलर का सोना है। लेकिन विश्व की अर्थव्यवस्था तो चलाना है न। नई विधा आयी। सरकार के पास गोल्ड नही, नो प्रॉब्लम वह बांड जारी करेगी। मने सौ डॉलर छापने के पहले वह उतने का बॉन्ड जारी करेगी। कोई उसे खरीद लेगा। जैसे कि चीन। फिर सरकार उस डॉलर को मौजमस्ती, प्लेन खरीदने, युद्ध करने, और अपने यारो का कर्ज माफ करने में खर्च करेगी। फिर और बांड जारी करेगी। और कर्जा लेगी।मौजमस्ती, प्लेन, युद्ध, 5 किलो राशन और यारो का कर्ज माफ.. दुनिया के देशों ने इस विधि को कॉपी पेस्ट कर लिया। वो भी बिना क्रेडिट दिये। अब हर देश जित्ता मर्जी बांड बनाता है। पैसा छापता है, खर्च करता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था एक विशाल बुलबुला बनती जा रही है। एक विशाल पोंजी स्कीम। पुराने लोन के लिए नया लोन, नया बॉन्ड। उसके लिए फिर बड़ा लोन बड़ा बांड। और सब एक दूसरे के बांड खरीद रहे हैं। एक देश दूसरे के बांड खरीद रहा है। देश में रिजर्व बैंक के बांड आपका लोकल बैंक खरीद रहा है। आपके जमा पैसे से कम से कम 30त्न उसने गवर्मेंट सिक्युरिटी में इन्वेस्ट किया है। लाइसेंस चाहिए तो एनबीएफसी से लेकर डीसीसीबी, सबको सरकारी प्रतिभूति अनिवार्यतः खरीदना है। इसकी आय से बैंक का खर्च नही निकलता। वह आपके कर्ज पर तमाम चार्ज, एटीएम चार्ज, ट्रांजेक्शन चार्ज, मेंटेनेंस चार्ज और बैंक के बारे में सोचने पर चार्ज काटकर एसएमएस भेज देता है। हमारे देश का कर्ज 10 सालो में 6 गुना बढ़ चुका है। 54 लाख करोड़ से 300 लाख करोड़.. 50 साल के लिए बांड जारी हो चुके हैं। मोदी जी के कर्ज की 2075 तक कस्ति भरी जाएगी। नतीजा- इन्फ्लेशन। याने सेवाओं और उत्पादन का मूल्य गिरना। आपके पिता अकेले घर चलाते थे, 4 बच्चे पालते थे। आज मां-बाप डबल इनकम में दो बच्चे न पाल सकते। होमलोन, कार लोन, एजुकेशन लोन क्रेडिट कार्ड की किस्ते पटाने में जिंदगी जा रही है। कितना भी किफायत आप बरतें, सरकारे उसमे पलीता लगा देती हैं। बड़ी बड़ी बातें- 100 लाख करोड़ का इंफ्रास्ट्रक्चर, 20 लाख करोड़ का पैकेज, 15 लाख करोड़ का बेलआउट.. जो सुनकर आपको विकसित देश का फील आता है, वह आपकी गरीबी की जड़ हैं। लेकिन आपको व्हाट्सप आता है देश मे गरीबी का कारण बंगलादेशी घुसपैठिये है। अमेरिकन्स को भी तो आता है। उनकी गरीबी का कारण इंडियन घुसपैठिये हैं।

**मेष**:- भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

**बृषभ**:- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अत: व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

**मिथुन**:- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

**कर्क**:- नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

**सिंह**:- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

**कन्या**:- जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

**तुला**:- काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

**वृश्चिक**:- रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

**धनु**:- अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

**मकर**:- बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

**कुंभ**:- सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने।

# हिंदू दर्शन को घृणा आधारित सावरकर का हिंदुत्व निगल जाएगा

**आलेख राकेश कायस्थ**

अरूण शौरी शास्त्रीय दक्षिणपंथ के सबसे सम्मानित व्यक्तित्वों में एक हैं। राम-मंदिर आंदोलन के दौर में जब मेनस्ट्रीम, खासकर अंग्रेजी मीडिया बीजेपी को लगभग अछूत की तरह देखता था, आडवाणी-वाजपेयी के बडे सबसे बड़े पैरोकार के रूप में शौरी सामने आये थे। इंडियन एक्सप्रेस के संपादक रहे शौरी ने हिंदू दक्षिणपंथ के उभार को मुस्लिम सांप्रादायिकता की प्रतिक्रिया बताकर आडवाणी की रथयात्रा जैसे इवेंट को वैधता प्रदान की थी। बीजेपी ने अरूण शौरी और जसवंत सिंह सिंह जैसे लोगों का इस्तेमाल अपनी अनपढ़ छवि को मिटाने के लिए किया और उसमें एक हद तक कामयाब भी रही। साढ़े तीन या चार दशक बाद अरुण शौरी सांप्रादायिक राजनीति के विष वृक्ष को बढ़ता देखकर इस कदर आतंकित हैं कि उन्हें लगता है कि सावरकर का हिंदुत्व उस हिंदू जीवन-दर्शन को निगल जाएगा जो भारत की आत्मा है। मुझे लगता है कि सावरकर पर लिखी गई शोधपरक किताब अरूण शौरी के उस अतीत का प्रायाश्चित है, जिसकी मदद से भारत में इस जहरीली राजनीति ने अपनी जड़ें जमाईं। संदर्भों से भरी यह किताब सिल-सिलेवार तरीके से बताती है कि सावरकर किस कदर फर्जी और जहरीले व्यक्ति थे। संक्षेप में कुछ बातें जो इस किताब के माध्यम से शौरी बताते हैं--- 1. सावरकर विशुद्ध रूप से अंग्रेजों के मददगार थे। वे भारत में हिटलर जैसी फासिस्ट व्यवस्था के पैरोकार थे। उन्होंने हिटलर की प्रशंसा में कई लेख लिखे और मुंबई में रहने वाले एक जर्मन एजेंट के जरिये हिटलर तक यह बात पहुंचाने की कोशिश की ताकि कृपा प्राप्त हो सके। 2. सावरकर ने गांधीजी के साथ दोस्ती और लंदन में साथ रहने की झूठी कहानियां गढ़ीं और प्रचारित करवाईं। सावरकर और गांधीजी कभी भी इंग्लैंड में एक साथ नहीं रहे। सावरकर ने भारत में रहते हुए हमेशा गांधीजी के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। 3. अपने साथियों की मदद से सावरकर ने इस बात का दुष्प्रचार

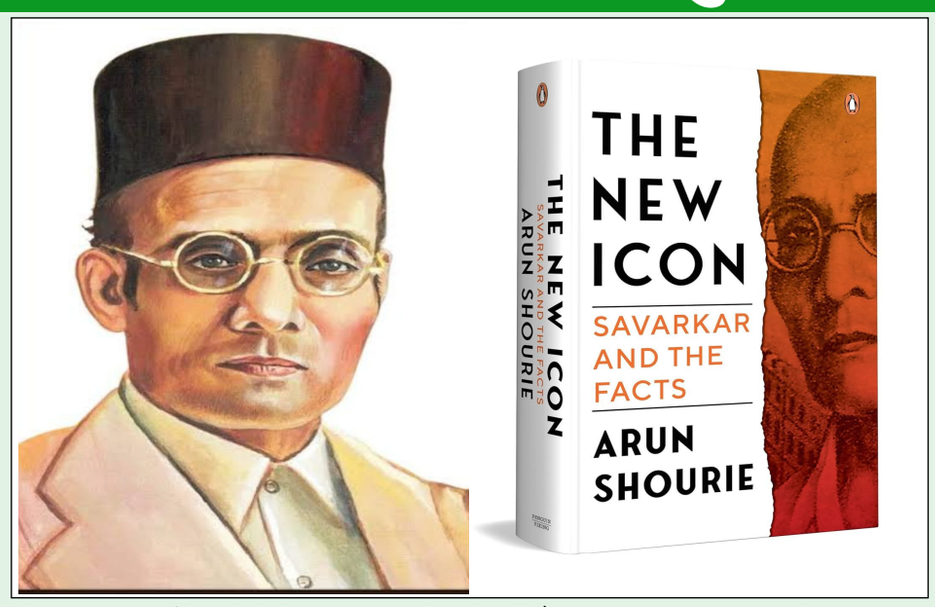


भी करवाया कि उन्होंने गांधीजी के कहने पर अंग्रेजों से माफी मांगी थी जबकि वास्तव में ऐसा नहीं था। 4. खिड़की के समुद्र में छलांग लगाकर मीलों तैरने की जिस कहानी के ज़रिये सावरकर को आज़ादी के महानायक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की जाती है, वह भी अतिरंजना से भरी हुई है। जब सावरकर को एक मालवाहक जहाज में ब्रिटेन से भारत लाया जा रहा था, तब उन्होंने बाथरूम जाने के बहाने खिड़की से छलांग लगाकर भागने की कोशिश की थी, मगर जहाज रुका हुआ था और जमीन से उसकी दूरी महज आठ-दस फुट थी। 5. आरएसएस यह अच्छी तरह जानता था कि एक व्यक्ति के तौर पर सावरकर विश्वसनीय नहीं है, इसलिए हमेशा उनसे दूरी बनाकर रखी। गुरु गोलवलकर ने सावरकर को कभी अपने करीब आने नहीं दिया। 6. बीजेपी के पास नायक नहीं है, इसलिए वो कभी सुभाषचंद्र बोस को हड़पने की कोशिश करती है तो कभी सावरकर को बड़ा बनाना चाहती है। सावरकर को नये नायक के रूप में उभारने की कोशिश इसलिए की जा रही है ताकि गांधी की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। 7. सावरकर के हिंदुत्व का मूल आधार घृणा था। वो ये मानते थे कि बिना घृणा के एकता नहीं हो सकती है। सावरकर के हिंदुत्व और हिंदूवाद अथवा हिंदुइज्म में जमीन-आसमान का अंतर है। हिंदुत्व पूरी तरह विभाजनकारी और विनाशकारी है। यह भारत को भगवा अफगानिस्तान बना देगा। किताब का लिंक और इसे लेकर दिया गया इंटरव्यू दोनों कमेंट बॉक्स में हैं। अरुण शौरी की यह किताब हर किसी को ज़रूर पढ़नी चाहिए। तथ्यों के चोट से तिलमिलाई बीजेपी अब इसे काउंटर करने के लिए दिहाड़ी पर खट रहे 'स्वयंभू दलित चिंतकों' को मैदान में उतारेगी और दावा किया जाएगा कि शौरी बुरे आदमी हैं और उन्होंने अंबेडकर पर भी एक आलोचनात्मक किताब लिखी थी।

## विवाहिता लापता, दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

**संवाददाता**

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के शाह थोक निवासी राम सुहावन के पुत्री काजल की शादी असोथर थाने के टीकर निवासी अनुज मौर्य के साथ हुई थी। काजल के पिता का आरोप है की शादी के बाद पति अनुज, ससुर रामबाबू, सास मुरलिया देवी, जेठ अरविंद, ननद दीपमाला, रुचि, जेठानी मंजू देवी व अरुण की पत्नी दहेज में 5 लाख रूपये प्लाट खरीदने के लिए मांग करने लगे। मांग पूरी नहीं करने पर प्रताड़ित करने लगे। पिता का कहना है कि ससुराल से 23 नवंबर 2024 से पुत्री लापता है। काफी तलाश के बाद पुत्री का पता नहीं लगा। थाना प्रभारी असोथर विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि पिता की तहरीर पर ससुरालियों के खिलाफदहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया गया है।

## करीब 20 दिन से लापता युवक का नहीं लगा सुराग, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

**संवाददाता**

फतेहपुर। प्रेस प्रसंग के चलते करीब 20 दिन से लापता युवक की हत्या कर शव गायब किए जाने की आशंका जताई गई है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने कानपुर के दंपति के खिलाफरिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र के ऐझी गांव निवासी आसाराम ने बताया कि उसका पुत्र सुनील कुमार विश्वकर्मा अविवाहित है। करीब 3 साल से कानपुर कोयला नगर में रहता है। मई 2024 में पुत्र सुनील घर आया था, इसके बाद 1 फरवरी 2025 की शाम पुत्र कानपुर जाने को निकला था। कानपुर काकादेव पहुंचने के बाद पुत्र का मोबाइल नंबर बंद हो गया। इसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई व पुलिस के साथ कानपुर के कोयला नगर और सुजानपुर दहेली गया। जहां पता लगा कि एक महिला से पुत्र के संबंध थे। महिला का पति विरोध करता था। उसका पुत्र 1 फरवरी 2025 की रात महिला के घर गया था। इसके बाद गायब हो गया। महिला के पति ने साजिश के तहत बेटे की हत्या कर शव गायब कर दिया। वही इस मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

## मकान निर्माण विवाद में गर्भवती महिला के साथ मारपीट, पुलिस को दिया तहरीर

**संवाददाता**

बिंदकी/फतेहपुर। मकान के निर्माण के विवाद में 4 माह की गर्भवती महिला के साथ मारपीट कर दी गई। पीड़ित महिला अपने पति के साथ कोतवाली जाकर पुलिस से शिकायत किया। शिकायत पर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के बरेठर बुजुर्ग गांव में गुरुवार की सुबह निशा देवी पत्नी हरि ओम अपने घर का निर्माण कर रही थी। तभी उसका चचिया ससुर पप्पू अपशब्द बोलने लगा जब निशु देवी ने अपशब्द बोलने का विरोध किया तो उसके साथ उसके चछिया ससुर पप्पू उसके पुत्र भोलू उर्फसौरव व गोलू उर्फशोभित तथा चचिया सास मनोरमा देवी पत्नी पप्पू ने मारपीट कर दी। जिससे महिला निशा देवी को चोट लगी। वह अपने पति हरिओम सोनकर के साथ कोतवाली बिंदकी पहुंची और पुलिस से शिकायत किया। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पीड़ित महिला निशा देवी ने बताया कि वह 4 माह की गर्भवती है मारपीट में उसके चोट लगी है।

## दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बनने से वैश्य समाज में हर्ष की लहर, खूब बटी मिठाइयां

**संवाददाता**

फतेहपुर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शपथ लेने पर वैश्य समाज में हर्ष की लहर है। तो वही आज चौक चौराहे पर मिष्ठान वितरण कर एक दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व पर आभार जताया गया। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद द्वारा चौक चौराहे पर जिलाध्यक्ष अरुण जायसवाल एवं युवा जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शरन सिम्पल के नेतृत्व में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शपथ लेने की खुशियों में मिष्ठान वितरित करते हुए एक दूसरे को मिष्ठान खिलाकर मुंह मीठा कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय प्रधान महासचिव विनोद गुप्ता ने कहा कि वैश्य महिला मुख्यमंत्री बनने पर वैश्य समाज गौरवान्वित हुआ है, इसके लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का बहुत-बहुत आभार है। परिषद के जिलाध्यक्ष अरुण जायसवाल ने कहा कि वैश्य महिला मुख्य मंत्री देश की पहले मुख्यमंत्री होगी जिनके नेतृत्व के दिल्ली का विकास तीव्र गति से होगा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला प्रभारी संजय गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज भारतीय जनता पार्टी का जन्म जात वोटर है वैश्य समाज का मुख्यमंत्री बनने से वैश्य समाज हर्षित है। इस मौके पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के युवा जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शरन सिम्पल, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष बृजेश सोनी, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष संजय मोदनवाल, वरिष्ठ व्यापारी नेता सत्य भगवान, विनय शरन गुप्ता, मानवाधिकार के अनीत अग्रहरि, रज्जन गुप्ता, सत्येंद्र गुप्ता, आशीष अग्रहरी, वेद प्रकाश गुप्ता, अमित अग्रहरि, मनोज सोनी,दीपू साहू सहित तमाम वैश्य बंधु उपस्थित रहे।

## उत्तम उद्योग व्यापार मंडल ने व्यापारी सुरक्षा को लेकर सीओ सिटी की अध्यक्षता में किया बैठक

**संवाददाता**

फतेहपुर। जनपद फतेहपुर में आज गुरुवार को अपराहन 1:30 बजे व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की मासिक बैठक सी ओ सिटी सुशील कुमार दुबे की अध्यक्षता में आहूत की गई। उपरोक्त बैठक में व्यापारी सुरक्षा, यातायात एवं आम जनमानस की समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया गया। सी ओ सिटी ने अपनी कुशल कार्यशैली से तत्काल संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर समस्या के निवारण के लिए निर्देशित किया। बैठक में उत्तम उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार तिवारी, जिलाध्यक्ष मनोज साहू जिला संयुक्त महामंत्री जय किसन, जिला इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन अध्यक्ष विश्वास राज, नगर अध्यक्ष अजीत विद्यार्थी के साथ अनेक व्यापारिक मौजूद रहें।

## मिट्टी निकालने के विवाद में वृद्ध दंपति के साथ की गई मारपीट

**संवाददाता**

फतेहपुर। मवेशियों के नीचे बिछे खरंजा की मिट्टी निकालने के विरोध में वृद्धि दंपति के साथ मारपीट कर दी गई जिसके चलते दंपति गंभीर घायल हो गए। घायल दंपति कोतवाली बिंदकक पहुंचे पुलिस ने मेडिकल करा कर जांच पड़ताल शुरू किया। जानकारी के अनुसार कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के कंसाखेड़ा गांव में घर के बाहर मवेशियों के नीचे पड़ी मिट्टी निकालने के विवाद में सुंदर उम्र 70 वर्ष तथा उनकी पत्नी चुनकी देवी उम्र 65 वर्ष के साथ पड़ोसी ओम श्रीदेवी पत्नी मैया दिन तथा उनके दो पुत्रों ननकू व रिशु ने मारपीट कर घायल कर दिया। गुरुवार को दोपहर करीब 12रू00 बजे पीड़ित दंपति कोतवाली बिंदकी पहुंचे पुलिस से शिकायत किया। पुलिस ने मेडिकल करा कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है इस मामले में वृद्ध दंपति की पुत्री सुनीता देवी ने बताया कि कि उसके पिता सुंदर तथा मां चुनकी देवी निवासी ग्राम जलालपुर कोतवाली बिंदकी जनपद फतेहपुर की तबीयत गड़बड़ थी इसलिए दोनों लोग मेरे ससुराल कंसाखेड़ा गांव में कई दिन पहले आए थे जिनके साथ मारपीट कर दी गई।

# जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का किया निरीक्षण, सीसीटीवी की क्रियाशीलता परखा



**संवाददाता**

फतेहपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना ने विकास खंड विजयीपुर के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय(पूर्ववर्ती नाम राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय खासमऊ, ग्राम पंचायत खासमऊ में हर घर जल योजनांतर्गत निर्माणाधीन पानी की टंकी, ग्राम पंचायत में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं वृहद गौसंरक्षण केन्द्र खासमाऊ द्वितीय का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय(पूर्ववर्ती नाम राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय खासमऊ, में निरीक्षण के दौरान पठनपाठन कक्ष, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, सीसीटीवी कैमरे की क्रियाशीलता आदि को देखा। प्रधानाचार्य द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालय में कक्षा 06द्12 तक की कक्षाएं संचालित हो रही है, विद्यालय में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है, विद्यालय में 490 छात्रों की स्वीकृत क्षमता है, के सापेक्ष 391 छात्र पंजीकृत है। शैक्षिक सत्र 2025द26 हेतु छात्रों के प्रवेश हेतु समय सारणी समाज कल्याण निदेशालय से प्राप्त हो गई है इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक करा कर प्रवेश परीक्षा की कार्यवाही पूरी करे। उन्होंने कहा कि छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने के लिए स्मार्ट क्लास बनाने सम्बन्धी प्रस्ताव, आवश्यकतानुसार फर्नीचर, खेल का मैदान विकसित किए जाने, बास्केट बाल कोर्ट आदि बनाए जाने का प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी से कहा कार्यदाई संस्था यूपी सिडको से समन्वय बनाकर विद्यालय में अनुरक्षण/मरम्मत हेतु शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए बजट से शीघ्र कार्य कराना सुनिश्चित करे। इसका विशेष ध्यान रहे कि प्रयुक्त होने वाली सामग्री और कार्य की गुणवत्ता सही रहे। लाइब्रेरी में छात्रों के अध्ययन के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तक व नीट, जेईई आदि की पुस्तके लाइब्रेरी में पुस्तके उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि परिसर में जल निकासी की समस्या का निस्तारण नियमानुसार कार्यवाही पूरी कर किया जाय। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी विजयीपुर को निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर के पास वाले तालाब को पुनर्जीवित किया जाय। ग्राम पंचायत खासमऊ में हर घर जल योजनांतर्गत निर्माणाधीन पानी की टंकी का निरीक्षण किया, के दौरान कार्यदाई संस्था पावर मैक भूटूरस्म के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि इस परियोजना से 27 किमी पाइपलाइन के माध्यम से हर घर जल पहुंचाया जाना है एवं अभी तक हुए परियोजना के कार्यों को विस्तार से बताया। जिलाधिकारी ने कहा कि शेष बचे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाय, साथ ही इसका विशेष ध्यान रखें कि सड़क के किनारे से ही पाइप लाइन डाली जाय और खोदी गई सड़क की मरम्मत भी सही ढंग से कराए। उन्होंने अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण को निर्देशित किया कि परियोजना में विद्युत संबंधी समस्या आ रही है के निदान के लिए संबंधित अधिशाषी अभियंता विद्युत से समन्वय बनाकर कार्य कराए साथ ही रिपोर्ट से अवगत कराए। ग्राम पंचायत में बने एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं कूड़े के निस्तारण एवं उठान की प्रक्रिया के बारे में ग्राम पंचायत सचिव से जानकारी प्राप्त की, साथ ही निर्देशित किया कि ग्रामवासियों को अपने कूड़े को आर0आर0सी0 सेंटर में भेजने के लिए जागरूक/प्रेरित करे, जिससे कि शासन के मंशानुरूप ग्राम स्वच्छ व सुंदर रहे। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि आर0आर0सी0 सेंटर के पास खाली पड़ी सरकारी जमीन में मियावाकी/फलदार पौधों का रोपण कराए। निर्माणाधीन वृहद गौसंरक्षण केन्द्र खासमाऊ द्वितीय के निरीक्षण के दौरान निर्माण किए गए कार्यों को देखा और कहा कि जो कार्य शेष बचे है को यथाशीघ्र पूर्ण करा लिया जाय, साथ ही समिति बनाकर जांच कराते हुए हैंडओवर की कार्यवाही की जाय। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी से कहा कि गौशाला के पास में जो वन विभाग की भूमि है, में आगामी वर्षाकाल में पौध रोपण कराया जाय, के लिए वन विभाग से समन्वय बनाकर कार्य कराया जाय। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी, खंड विकास अधिकारी विजयीपुर, अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण, सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी, ग्राम सचिव, ग्राम प्रधान सहित संबंधित उपस्थित रहे।

## जिला पत्रकार संघ एसोसिएशन ने पीड़ित परिवार की मदद की

**संवाददाता**

फतेहपुर। जिला पत्रकार संघ एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह भदौरिया के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों ने खागा तहसील के पुरइन गांव में अग्नि पीड़ित परिवार की आर्थिक एवं वस्त्र सहायता की। यह सहायता परिवार की बेटी खुशबू की शादी को देखते हुए प्रदान की गई, जिसकी बारात 24 फरवरी को आनी है। संगठन की ओर से पीड़ित परिवार को 12,100 रुपये नगद, एक बोरी चावल, एक बोरी आटा, एक बोरी गेहूं, एक बोरी चीनी, एक बोरी आलू, 15 किलो रिफाइंड तेल, सात साड़ियां एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं भेंट की गईं। सहायता पाकर परिवार की मुखिया सरोज देवी ने जिला पत्रकार संघ एसोसिएशन का आभार जताया। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष धीरेंद्र बाजपेई, महामंत्री निरंजन सिंह, राजीव त्रिवेदी, रवींद्र मिश्रा, रमेश सिंह, आजम, आशीष सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। जिला पत्रकार संघ एसोसिएशन ने कहा कि संगठन समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेगा। पीड़ितों के मदद के लिए संघ के अध्यक्ष ने खंड विकास अधिकारी अशोक सिंह से आवास के लिए वार्ता हुई।

# श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन राजा परीक्षित का प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रोता



**संवाददाता**

फतेहपुर। असोथर नगर के अंतर्गत मोटे महादेव मोहल्ला में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन गुरुवार को कथा वाचक श्री पंडित मयंक बाजपेई महाराज ने राजा परीक्षित संवाद, शुकदेव जन्म सहित अन्य प्रसंग सुनाया। कथा वाचक ने कहा कि मनुष्य से गलती हो जाना बड़ी बात नहीं लेकिन ऐसा होने पर समय रहते सुधार और प्राश्चित जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो गलती पाप की श्रेणी में आ जाती है। कथा व्यास ने पांडवों के जीवन में होने वाली श्रीकृष्ण की कृपा को बड़े ही सुंदर ढंग से दर्शाया कथा व्यास ने शुकदेव परीक्षित संवाद का वर्णन करते हुए कहा कि एक बार राजा परीक्षित शिकार के लिए वन में गए। वन्य पशुओं के पीछे दौड़ने के कारण वे प्यास से व्याकुल हो गए व जलाशय की खोज में इधर उधर घूमते-घूमते वे शमीक ऋषि के आश्रम में पहुंच गए। वहां पर शमीक ऋषि नेत्र बंद किए हुए व शांतभाव से एकासन पर बैठे हुये ब्रह्मध्यान में लीन थे। राजा परीक्षित ने उनसे जल मांगा किंतु ध्यानमग्न होने के कारण शमीक ऋषि ने कुछ भी उत्तर नहीं दिया। असिर पर स्वर्ण मुकुट पर निवास करते हुए कलियुग के प्रभाव से राजा परीक्षित को प्रतीत हुआ कि यह ऋषि ध्यानस्थ होने का ढोंग कर के मेरा अपमान कर रहा है। उन्हें ऋषि पर बहुत क्रोध आया। उन्होंने अपने अपमान का बदला लेने के उद्देश्य से पास ही पड़े हुये एक मृत सर्प को अपने धनुष की नोक से उठा कर ऋषि के गले में डाल दिया और अपने नगर वापस लौट आए। कथा वाचक आत्मानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा शमीक ऋषि तो ध्यान में लीन थे उन्हें ज्ञात ही नहीं हो पाया कि उनके साथ राजा ने क्या किया है,किंतु उनके पुत्र श्रृंगी ऋषि को जब इस बात का पता चला तो उन्हें राजा परीक्षित पर बहुत क्रोध आया। श्रृंगी ऋषि ने सोचा कि यदि यह राजा जीवित रहेगा तो इसी प्रकार ब्राह्मणों का अपमान करता रहेगा। इस प्रकार विचार करके उस ऋषिकुमार ने कमंडल से अपनी अंजुल में जल लेकर तथा उसे मंत्रों से अभिमंत्रित करके राजा परीक्षित को यह श्राप दे दिया कि जा तुझे आज से सातवें दिन तक्षक सर्प डसेगा। शमीक ऋषि को जब यह पता चला तो उन्होंने दिव्य दृष्टि से देखा कि यह तो महान धर्मात्मा राजा परीक्षित हैं और यह अपराध इन्होंने कलियुग के वशीभूत होकर किया है!शमीक ऋषि ने जब यह सूचना जाकर परीक्षित महाराज को दी तो वह अपना राज्य अपने पुत्र जन्मेजय को सौंप कर गंगा नदी के तट पर पहुंचे। वहां बड़े ऋषि,मुनि,देवता आ पहुंचे और अंत में व्यास नंदन शुकदेव वहां पहुंचे। शुकदेव को देखकर सभी ने खड़े होकर उनका स्वागत किया। कथा सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए कथा के दौरान धार्मिक गीतों पर श्रद्धालु जमकर झूमें! कथा के पहले दिन बड़ी संख्या में महिला पुरुष कथा सुनने पहुंचे। इस अवसर पर परीक्षित कृष्णपाल सिंह गौतम, श्यामा देवी, सोनू सिंह, नरेश सिंह, रज्जन शुक्ला, आकाश, अल्पेश सिंह, शैलेश सिंह, पंडित भृगुनन्दन शुक्ला, राजू सिंह, रज्जन सिंह, राघवेंद्र, मुन्ना, प्रवीण सिंह, जयदेव सिंह समेत सैकड़ों की संख्या में श्रीमद्भागवत प्रेमी उपस्थिति रहे।

## गज ग्राह की कथा सुन श्रोता हुए मंत्र मुग्ध



**संवाददाता**

फतेहपुर। मलवा विकासखंड के अभय पुर ग्राम सभा के रानीपुर गांव में चल रही सिमट भागवत कथा में भागवत भूषण आचार्य महेश देव पांडेय ने समुद्र मंथन व भगवान के वामन अवतार की कथा बड़े विस्तार पूर्वक सुनाई आगे भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा सुनाई कथा सुनकर भक्तगण भाव विभोर हो गए। गज ग्राह की कथा का भागवत आचार्य जी ने बहुत ही मार्मिक वर्णन किया उन्होंने कहा कि व्यक्ति को जब तक बाल का धान का अभिमान बना रहता है तब तक ईश्वर का सानिध्य नहीं प्राप्त होता। गज को अपने बल का बहुत अभिमान था लेकिन जब पानी में ग्राह ने गज को पकड़ लिया तब गज बाहर की ओर खींच रहा था और ग्राह पानी की ओर खींच रहा था ऐसा करते जब काफी समय बीत गया और गज थक गया तब भगवान को पुकारा। इससे सीख मिलती है कि जब तक मनुष्य को धन का बाल का अभिमान बना रहता है तब तक ईश्वरीय अनुदान नहीं प्राप्त होता और जब धन बल के अरमान को छोड़कर मनुष्य भगवान की शरण में जाता है तो भगवान सारे कष्टों को दूर कर देते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से परीक्षित शिवराज सिंह पत्नी किरण देवी, माता अनंती देवी आचार्य प्रवर महेश दत्त उपाध्याय ,अरविंद पाठक, आशीष पाठक ,प्रियम द्विवेदी, शिवसागर सिंह पत्नी सरिता देवी, रजनीश ,अवनीश ,आशीष, ऋषि ,राहुल ,पारस ,राजू सिंह, निर्भय सिंह ,बाबूराम निषाद भोला सिंह, नंदेश्वर निषाद, रामचंद्र निषाद, मेवा निषाद, बाबूराम निषाद, प्रिशु पांडेय, महेश सिंह, उमेश महाराज ,छोटू सिंह सहित सैकड़ो की संख्या में श्रोतागण उपस्थित होकर संगीतमई आनंदमई भक्तिमई श्रीमद् भागवत कथा का रसपान किया।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डीसीसी एवं डीएलआरसी की हुई बैठक



**संवाददाता**

फतेहपुर। जिला सलाहकार समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक मे वार्षिक ऋण योजना(2024-25), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार सृजन योजना, एक जनपद एक उत्पाद, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटी कला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की प्रगति वित्तीय समावेशन, साक्षरता एवं जागरूकता अभियान प्रधानमंत्री फसली बीमा योजना के अंतर्गत रबी एवं खरीफ मौसम में हुई फसल बीमा, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना की प्रगति, पशुपालन एवं मत्स्य पालन किसान क्रेडिट कार्ड विशेष कैंप की प्रगति, सामाजिक सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास, आरसेटी प्रशिक्षण केंद्र के क्रियाकलापों का अनुश्रवण आदि की विस्तृत समीक्षा की और समस्त बैंकर्स को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन बैंकों के ऋण जमानुपात कम है, को बढ़ाया जाय। उन्होंने कहा कि लाभार्थीपरक योजनाओं(मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना) के अंतर्गत ऋण के आवेदन बैंकों में लंबित है का नियमानुसार कार्यवाही कर निस्तारण करते हुए वितरित किया जाय एवं जो आवेदन निरस्त किए गए की जांच कर कारण स्पष्ट करे और जिन आवेदनों में छोटीदृछोटी कमियां है या प्रपत्र नहीं है, को पूरा कराते हुए लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत किया जाय। उन्होंने कहा कि जो ऋण स्वीकृत हो गए, को ऋण वितरण कराना सुनिश्चित करे। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के बैंक क्रेडिट लिंकेज के प्रकरण लंबित है को जल्द से जल्द कराना सुनिश्चित करे संबंधित बैंकर्स। उन्होंने उपायुक्त स्वतः रोजगार, सहायक निदेशक मत्स्य, जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया की अपने विभाग मे संचालित योजनाओ के पात्र लाभार्थियों को एलडीएम से समन्वय स्थापित कर समय से लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण कराये। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार सभी बैंक वित्तीय समावेशन, साक्षरता एवं जागरूकता अभियान चलाए की फोटो सहित रिपोर्ट से अवगत भी कराए। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बैंकर्स वार्षिक ऋण योजना का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है में विस्तार से बिन्दुवार समीक्षा की और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) अविनाश त्रिपाठी, एलडीएम गोपाल कृष्ण, उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह, जिला उद्यान अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, उपयुक्त स्वतः रोजगार, समस्त डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सहित संबंधित उपस्थित रहे।

## मकान के निर्माण के विवाद में गर्भवती महिला के साथ मारपीट

**संवाददाता**

फतेहपुर। मकान के निर्माण के विवाद में 4 माह की गर्भवती महिला के साथ मारपीट कर दी गई पीड़ित महिला अपने पति के साथ पुलिस के पास पहुंची और शिकायत किया पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के बरेठर बुजुर्ग गांव में गुरुवार की सुबह निशा देवी पत्नी हरि ओम अपने घर का निर्माण कर रही थी तभी उसका चचिया ससुर पप्पू अपशब्द बोलने लगा जब निशु देवी ने अपशब्द बोलने का विरोध किया तो उसके साथ उसके चछिया ससुर पप्पू उसके पुत्र भोलू उर्फसौरव व गोलू उर्फशोभित तथा चचिया सास मनोरमा देवी पत्नी पप्पू ने मारपीट कर दी जिससे महिला निशा देवी को चोट लगी वह अपने पति हरिओम सोनकर के साथ कोतवाली बिंदकी पहुंची।

## ज्योतिर्लिंग की स्थापना



**संवाददाता**

फतेहपुर। मलवा विकासखंड के अभयपुर ग्राम सभा के दरियापुर गांव में स्थित मोनी बाबा आश्रम में नर्मदा जी से लाए गए ज्योतिर्लिंग भगवान का आचार्य द्वारा विधान से पूजन कर भगवान विशेषण नाम से अलंकृत कर स्थापना की गई। कार्यक्रम में संख्या में माताएं बहने बच्चे उपस्थित रहे और सभी ने भगवान विश्वेश्वर को पत्र पुष्प अर्पित किए स्थापना उपरांत ब्राह्मण आचार्यों को यथोचित दक्षिणा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से परीक्षित शिवराज सिंह पत्नी किरण देवी भागवत आचार्य महेश देव पांडेय आचार्य प्रवर महेश दत्त उपाध्याय अरविंद पाठक आशीष पाठक प्रियम द्विवेदी रजनीश अवनीश आशीष ऋषि पारस राहुल निर्भय सिंह उमेश महाराज शाहिद सैकड़ो की संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

## 20 दिन से लापता युवक का नहीं लगा सुराग, हत्या की आशंका

**संवाददाता**

फतेहपुर। प्रेस प्रसंग के चलते करीब 20 दिन से लापता युवक की हत्या कर शव गायब किए जाने की आशंका जताई गई है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने कानपुर के दंपति के खिलाफरिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र के ऐझी गांव निवासी आसाराम ने बताया कि उसका पुत्र सुनील कुमार विश्वकर्मा अविवाहित है। करीब 3 साल से कानपुर कोयला नगर में रहता है। मई 2024 में पुत्र सुनील घर आया था, इसके बाद 1 फरवरी 2025 की शाम पुत्र कानपुर जाने को निकला था। कानपुर काकादेव पहुंचने के बाद पुत्र का मोबाइल नंबर बंद हो गया। इसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई व पुलिस के साथ कानपुर के कोयला नगर और सुजानपुर दहेली गया। जहां पता लगा कि एक महिला से पुत्र के संबंध थे। महिला का पति विरोध करता था। उसका पुत्र 1 फरवरी 2025 की रात महिला के घर गया था। इसके बाद गायब हो गया। महिला के पति ने साजिश के तहत बेटे की हत्या कर शव गायब कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

# भ्रमण के दिल्ली जा रहे 52 किसानों को एडीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



**संवाददाता**

फतेहपुर। आत्मा योजनान्तर्गत कृषि विभाग, फतेहपुर के तत्वाधान में प्रज्ञा ग्रामोत्थान सेवा समिति, फतेहपुर के माध्यम से अंतरराज्यीय कृषक भ्रमण के तहत 52 किसानों के दल को आई.सी.ए.आर.- भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर, राजस्थान तथा पूसा कृषि विज्ञान मेला भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली भ्रमण हेतु बस को कलेक्ट्रेट परिसर से अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि सरसों अनुसंधान संस्थान भरतपुर में किसानों को सरसों के उत्पादन हेतु उन्नतिशील प्रजातियों एवं फसल सुरक्षा प्रबन्धन के साथ ही मूल्य संवर्द्धन तकनीक की जानकारी मिलेगी, गंगा एवं यमुना नदी का दोआबा क्षेत्र होने से जनपद में तिलहन उत्पादन की अपार सम्भावना है इसके साथ ही किसान आयल मिल लगाकर सरसों तेल की बिक्री से भी आय में वृद्धि कर सकते हैं। किसानों को नई दिल्ली में ष्पूसा कृषि विज्ञान मेलाष् में भ्रमण करेंगे जहां पर देश के विभिन्न आई.सी.ए.आर. के संस्थानों एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों. एफपी.ओ. एवं नये स्टार्टअप व उद्यमियों के स्टाल में कृषि तकनीकी व व्यावसायिक जानकारी के साथ ही कृषि वैज्ञानिकों द्वारा तकनीकी जानकारी जलवायु परिवर्तन आधारित कृषि तकनीक की जानकारी प्राप्त होगी। भ्रमण में जाने वाले किसान संस्थानों से प्राप्त जानकारी को दूसरे किसानों को भी तकनीक की जानकारी देंगे। उप कृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार ने कहा कि अन्तरराज्यीय कृषक भ्रमण में पूसा में रबी फसलों गेंहू तथा चना, मसूर, के साथ ही सब्जी उत्पादन तथा पाली हाउस में खेती के प्रक्षेत्र भ्रमण के साथ ही वहां पर उन्नतिशील प्रजातियों के बीज भी किसान क्रय कर सकेंगे। भ्रमण कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रज्ञा ग्रामोत्थान सेवा समिति के सचिव उमेश चन्द्र शुक्ल ने कहा कि इन भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम से संस्थानों के फार्म भ्रमण में कृषि की नई तकनीक प्रत्यक्ष देखने को मिलती है जिसे किसान अपनाकर उत्पादन में वद्धि करने के साथ ही अन्य किसानों के लिए माडल बनते हैं। इस कृषक भ्रमण कार्यक्रम में रणवीर सिंह, भानुप्रताप सिंह, ज्ञान सिंह, विकास द्विवेदी, मंगल सिंह, राजदुलारे शुक्ल, रमेश त्रिवेदी, रामकरन हैं।

# दो आयोजित रक्तदान शिविरों में रक्तदाताओं का हुआ सम्मान



**संवाददाता**

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के संयोजकत्व में दो रक्तदान शिविरों जिनमें एक जिला अस्पताल रक्तकेन्द्र व दूसरा पंजाब नेशनल बैंक सिविल लाइंस में आयोजित किया गया।पंजाब नेशनल बैंक में रक्तदान शिविर का शुभारंभ फीता काटकर अपरजिलाधिकारी डॉ अविनाश त्रिपाठी व जिला अस्पताल रक्तकेन्द्र में मुख्य चिकित्साधिकरी डॉ राजीव नयन गिरि द्वारा किया गया। चेयरमैन डॉ अनुराग श्रीवास्तव द्वारा अपरजिलाधिकारी,मुख्य चिकित्साधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ प्रभाकांत सिंह को माल्यार्पण व बैज अलंकृत कर सम्मानित किया गया। जिला अस्पताल रक्तकेन्द्र में 5 रक्तदान तो पंजाब नेशनल बैंक में 6 कुल 11 रक्तदान हुए। जिला अस्पताल रक्तकेन्द्र के रक्तवीरों में पहली बार रक्तदान करने वाले अनिल कुमार,अर्जुन गुप्ता,रोहित कैलाश माली के अलावा वीरेंद्र यादव,फरीदुल हसन ने एवं बैंक के रक्तवीरों में बैंक प्रबंधक नमन अग्रवाल,मनीष शुक्ला,रोहन प्रभाकर व पहली बार रक्तदान करने वाले अजय सिंह,सत्यनारायण,दीप संध्या शर्मा रहे तथा रेडक्रास के अगले शिविर में रक्तदान करने के लिए 25 लोगों ने रजिस्ट्रेशन भी कराया। सभी रक्तवीरों को अपरजिलाधिकारी व मुख्य चिकित्साधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर तथा पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक ने रक्तदान शिविर में विशेष सहयोग करने वाले सभी सहयोगियों को गुलाब का पुष्प भेंटकर सम्मानित किया गया। अपरजिलाधिकारी व मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सभी रक्तवीरों सहित इंडियन रेडक्रास सोसाइटी द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया गया।इस अवसर पर डॉ प्रभाकांत सिंह सीएमएस,डॉ वरद वर्धन बिसेन एचओडी ब्लड बैंक,डॉ अनुज सिंह,डॉ शिवम तिवारी,आजीवन सदस्य सर्वेश गुप्ता,सलाहकार संजय श्रीवास्तव,श्रवण कुमार गुप्ता,शैलेंद्र रस्तोगी,चौतन्य कुमार,ब्लड बैंक से टेक्निकल सुपरवाइजर व संयोजक रक्तसंचरण समिति इंडियन रेडक्रास सोसाइटी अशोक शुक्ला,सह संयोजक कौशल कुमार श्रीवास्तव,दीपाली वर्मा,बृजकिशोर,पूजा तिवारी,राजू कैथवास,सुभाष मौर्य,मेडिकल कॉलेज के डीएमएलटी छात्र आदर्श,अर्पित,हरेंद्र,संगीता,अंजलि, अलका,शालिनी उपस्थित रहे।

## शिवरात्रि पर्व को देखते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ने ताम्बेश्वर मंदिर का लिया जायजा



**संवाददाता**

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल ने 26 फरवरी को होने वाले महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर ताम्बेश्वर मंदिर का निरीक्षण किया और तय किया की ताम्बेश्वर मंदिर के पीछे स्थित तालाब के किनारे फल, मिठाई व फूलों की दुकान लगाई जाएगी, ताकि रोड पर जो जाम की स्थिति हो जाती हैवह न हो और आसानी से लोग भोले शंकर के दर्शन कर सके। किसी को किसी भी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। इस दौरान उन्होंने कहा की नगर पालिका परिषद के कर्मचारी की प्रशंसा के पात्र हैं जो लगातार तालाब को सुंदरीकरण करने के लिए मिट्टी को समतल कर रहे हैं। इसके साथी रोडो की साफसफाई कर रहे हैं, ताकि महाशिवरात्रि के पर्व पर आने वाले भक्तों को कोई भी परेशानी ना हो सके। इस दौरान उन्होंने कहा की महाशिवरात्रि के पर्व पर तमाम भक्त लेट लेट कर भगवान शंकर के दर्शन करने के लिए आते हैं ऐसे भक्तों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े लिहाजा रोडो में भी जहां पर गड्ढे हैं उनको भी भरने के दिशा निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब से बनी है आम जनमानस के हित में कार्य किए जा रहे है फिर चाहे जो पर्व हो सभी जनमानस का ख्याल रखा जाता है और अब महाशिवरात्रि के पर्व के पहले की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस अवसर पर ग जिला पंचायत सदस्य ओम मिश्रा, व्यापारी नेता प्रदीप गर्ग देवनाथ धाकड़े, भारत श्रीवास्तव, करन चौधरी, अनुज दीक्षित, तामेश्वर मंदिर के पुजारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

# चारबाग बस स्टेशन पर डग्गामार बस को पकड़ किया गया सीज

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को एक डग्गामार बसें पकड़ी, जो परिवहन निगम की बसों के कलर में रंगी हुई थी. इन बसों को पकड़कर सीज किया गया. रोडवेज बसों के रंग में बसें कलर की गई थी, जिससे यात्रियों को संदेह न हो कि यह डग्गामार बसें हैं या फिर रोडवेज बसें. साथ ही अधिकारियों को भी अंधेरे में रखने के लिए इस तरह का कृत्य किया गया, लेकिन अधिकारियों ने ऐसी एक बसों को पकड़ा जिसे सीज किया.रोडवेज बस के कलर में वाहन संख्या यूपी 41 एटी 8384 संचालित पाई. कमलेश कुमार वीसी चारबाग प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक हैदरगढ़ डीपो जगदीश प्रसाद, अजय कुमार श्रीवास्तव, राकेश कुमार, बिंदेश्वरी प्रसाद एवं थाना चौकी प्रभारी छत्रजीत सिह ने वाहनों को इस दौरान बन्द करने की कार्रवाई की. परिवहन मंत्री के निर्देशों का परिवहन विभाग सख्ती से अनुपालन करा रहा है. अनधिकृत वाहनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई होगी.

# सभी धार्मिक स्थलों में लगाए जाये सीसी टीवी कैमरे - विमल द्विवेदी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव**

उन्नाव। आगामी 26 फरवरी को हिन्दुओ की आस्था के महापर्व महाशिवरात्रि पर गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी पूरे जनपद में गाँवों, कस्बो सहित नगर में ऐतहासिक विशाल शिवशोभा यात्राये व भोले बाबा की बारात निकाली जायेगी जिसमे दूर -दूर के गाँवों व मोहल्लो से अलग अलग सैकड़ो झाकिया के साथ हजारो शिव भक्त सम्मिलित होते है व पूजन हेतु मंदिरो में भी भारी भीड़ रहती है और जगह - जगह भण्डारो व प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाता है जिसकी सुरक्षा व स्वच्छता हेतु 卐नर सेवा - नारायण सेवा 卐 समित उन्नाव के संथापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी व हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी की अगुवाई में जिलाधिकारी उन्नाव को सम्बोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट राजीव राज को सौपा, जिसमे महाशिवरात्रि पर पूरे जनपद सहित नगर में निकाली जाने वाली विशाल शिवशोभा यात्राये व भोले बाबा की बारात व मंदिरो में पूजा अर्चना हेतु आने वाले हजारो शिव भक्तो की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए यात्रा के मार्गो व मंदिरो पर सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था व यात्राओं की की

निगरानी ड्रोनकैमरों से करवाने की मांग गयी है। विमल द्विवेदी ने बताया कि जनपद के गाँवों व नगरों में निकाली जाने वाली शिवशोभा यात्राये व भोले बाबा की बारात व मंदिरो को जाने वाले मार्गो सफाई करने व चूना डलवाने, कूड़ा दान रखवाने व शिव भक्तो के पानी पीने हेतु पानी के टैंकर रखवाने के साथ ही यात्रा व मंदिरो के मार्ग में खुले में मांस बेचने वाली दुकानों को बंद करवाने व यात्रा मार्ग के गड्ढो व लटक रहे बिजली के तारो को सही करवाने की मांग की गयी। उन्होंने जिला प्रशासन सहित सभी धर्म गुरुओ व धार्मिक समितियों से आग्रह किया की सभी धार्मिक स्थलों में सीसी टीवी कैमरे लगवाए जाये जिससे चोरी व अन्य अप्रिय घटनाओ से बचा जा सके। ज्ञापन देने वालो में जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, सुजीत सिंह, कमलेश बाजपेई गायत्री परिवार, योगेंद्र तिवारी, विकास तिवारी एडवोकेट, राघवेंद्र पांडेय एडवोकेट, धर्मेंद्र शुक्ल, अमूल्य बाजपेई, शिवम, शिवांशु शुक्ला सहित आधा सैकड़ा लोग उपस्थित रहे।

## कांग्रेस से समाजवादी पार्टी में शामिल होने की तैयारी में रोहित अवस्थी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी के पूर्व युवा नेता रोहित अवस्थी ने हाल ही में समाजवादी

पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की है। यह मुलाकात लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग स्थित समाजवादी कार्यालय में हुई। लगभग आधे घंटे तक चली इस बैठक में शिवपाल सिंह यादव भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, रोहित अवस्थी आने वाले कुछ दिनों में समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। रोहित अवस्थी ने अगस्त 2016 में कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ली थी और इसके बाद से वे विभिन्न पदों पर रहे हैं। उन्होंने कोरोना काल में विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों पर प्रदर्शन किया था और कई दिनों के लिए जेल भी गए थे। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब समाजवादी पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारी कर रही है। रोहित अवस्थी के पार्टी में शामिल होने से समाजवादी पार्टी को युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

## मुख्य अभियंता (पूर्व) शिव प्रसाद मौर्या को मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन ने दीं जन्मदिन शुभकामनाएं

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। सिंचाई विभाग के प्रतिष्ठित अधिकारी एवं नलकूप शाखा में अपनी सशक्त पहचान रखने वाले मुख्य अभियंता (पूर्व) फैजाबाद शिव प्रसाद मौर्या जी को प्रान्तीय उप महामंत्री, मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन, सिंचाई विभाग, लखनऊ संजय सिंह द्वारा जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। मौर्या ने अपने कार्यकाल के दौरान नलकूप विभाग में उल्लेखनीय योगदान दिया और अपनी प्रशासनिक दक्षता, अनुशासन और कर्मठता से विभाग में एक अलग पहचान स्थापित की। उनकी नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता के कारण नलकूप विभाग ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल कीं। इस विशेष अवसर पर श्री संजय सिंह ने कहा कि 卐शिव प्रसाद मौर्या जी ने अपनी पूरी सेवा अवधि में विभाग के हित में जो कार्य किए हैं, वे प्रेरणादायक हैं। उनकी ईमानदारी, समर्पण और कुशल प्रबंधन के कारण नलकूप विभाग ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं।卐 श्री मौर्या के जन्मदिन पर सिंचाई विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी उन्हें बधाइयाँ दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

## सदर विधायक ने सदन में उठाया शुक्लागंज कानपुर गंगापुल का मुद्दा

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव**

उन्नाव। उन्नाव कानपुर मार्ग में गंगाघाट पर नवीन पुल निर्माण कराये जाने को लेकर सदर विधायक पंकज गुप्ता द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र देकर कार्यवाही की मांग की गयी थी जिस पर प्रमुख सचिव द्वारा मांगी गयी आख्या के बीच ही जारी सदन में इस मुद्दे को जनहित याचिका के जरिये सदर विधायक पंकज गुप्ता ने सुरेशचन्द्र शुक्ला, सुरेन्द्र गुप्ता निवासी पोनी रोड गंगाघाट आदि की ओर से दाखिल याचिका को सदन में रखते हुये कहा कि नगर पालिका परिषद गंगाघाट जनपद उन्नाव के निवासी है। नगर पालिका परिषद गंगाघाट की आबादी ढाई लाख से अधिक है ज्यादातर लोगो का कानपुर में ही व्यापार है गंगाघाट से कानपुर जाने हेतु, उन्नाव-कानपुर के मध्य गंगा नदी पर ब्रिटिश कालीन समय से गंगा पुल निर्मित था, जिससे लखनऊ, उन्नाव, कानपुर के लोगो का आवागमन रहता था अति प्राचीन व जर्जर होने से पिछले दिनो उक्त पुल गिर जाने से लगातार आवागमन प्रभावित है व जाम की स्थिति बनी रहती है, घण्टो का प्रतिदिन जाम लगा रहता है आवागमन बाधित रहने से लोगो को खासा परेशानी हो रही है। याचिका के माध्यम से जनपद उन्नाव के विधानसभा क्षेत्र सदर के गंगाघाट में क्षतिग्रस्त गंगापुल के स्थान पर नवीन पुल निर्माण कराने की मांग उठायी। प्रकरण पर नियम-51 के तहत भी सदन का ध्यान आकृष्ट किया है सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि नवीन गंगापुल का निर्माण क्षेत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है जिसे लेकर अनवरत् जारी प्रयासो के क्रम में ही लगातार सदन में इस विषय को रखा जा रहा है हमें पूर्ण विश्वास है शीघ्र कार्य जारी होगा।

## दिवंगत आरक्षी को गॉड ऑफ ऑनर

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव**

बीघापुर, उन्नाव। थाना बारासगवर क्षेत्रांतर्गत आरक्षी विकास कुमार निवासी ग्राम छज्जूपुरा दोयम थाना छजिलैट जनपद मुरादाबाद जो चौकी ऊंचगांव थाना बारासगवर पर तैनात थे, का सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया था। आज आरक्षी विकास कुमार के पार्थिव शरीर को पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक स्थल लाया गया। जहां पर दीपक भूकर पुलिस अधीक्षक उन्नाव, अखिलेश सिंह अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी एवं क्षेत्राधिकारी नगर सोनम सिंह व उपस्थित पुलिसकर्मियों द्वारा पार्थिव शरीर पर रीथ व पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की गई तथा सेरेमोनियल गार्ड द्वारा शोक सलामी दी गई। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा शोकाकुल परिवारीजनों को सांत्वना देते हुए हरसम्भव मदद का आश्वासन दिया गया। तत्पश्चात पार्थिव शरीर को राजकीय वाहन मय सुरक्षा गार्ड के परिजनों के साथ निज निवास के लिए रवाना किया गया।

# सरकार की उपेक्षा से क्षुब्ध होकर सदर विधायक को 14 सूत्री ज्ञापन सौंपा

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव**

उन्नाव। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता विकलांग प्रकोष्ठ तन्मय श्रीवास्तव सरकार की उपेक्षा से क्षुब्ध होकर आज सदर विधायक पंकज गुप्ता के आवास पर ताला लगाओ विरोध प्रदर्शन कर विधायक की अनुपस्थित में ब्लाक प्रमुख नीरज को 14 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा । प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव के नेतृत्व में दिव्यांगजन भाजपा प्रदेश कार्यालय व राज्यपाल आवास का घेराव कर चुके हैं। मुख्य सचिव व राज्यपाल के सचिव से प्रशासन वार्ता करवा चुका है। लेकिन दिव्यांगजनों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। सरकार लेखपाल व मुख्य सेविका अभ्यर्थियों को नौकरी व दिव्यांगजनों के नौकरी रोजगार स्वास्थ शिक्षा सुरक्षा की सौ फीसदी गारंटी व पेंशन पांच हजार रुपए मासिक करने की मांग पुरी नहीं कर रही है। जिससे क्षुब्ध होकर आज कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के महासचिव तन्मय श्रीवास्तव ने सदर विधायक आवास पर ताला डालते हुए सरकार को

विकलांग विरोधी गूंगी बेहरी व अंधी इस वर्तमान सरकार के विरोध में दिव्यांगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। विकलांग प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों द्वारा आवास पर चल रहे आन्दोलन की जानकारी पा कर सदर विधायक पंकज गुप्ता ने फोन द्वारा वार्तालाप कर कल सुबह 10 बजे अपने आवास पर मिलने व मुख्यमंत्री से मिलने का समय लेने की बात पर आंदोलन समाप्त किया। विकलांग प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव ने कहा दिव्यागों को न्याय न मिलने पर 24 फरवरी को मुख्यमंत्री कार्यालय लोक भवन में ताला डालने की चेतावनी दी। तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। दिव्यांगों को उनका हक और अधिकार नहीं मिल रहा है। यूपी तृपल एससी आयोग दिव्यांग कोटे के मुख्य सेविका अभ्यर्थियों को प्री व मेन्स परीक्षा लेने के बाद नाट क्वालिफाई व लेखपाल अभ्यर्थियों को दस्तावेजों का सत्यापन करने के बाद अक्षम बता कर नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर कर दिया है। उसी श्रेणी के दिव्यांग जिनका चयन सामन्य श्रेणी में हुआ है उन्हें सक्षम व क्वालिफाई मानकर नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल कर लिया है। दिव्यांग कोटे के लेखपाल व मुख्य सेविका अभ्यर्थी पीछले 14 माह से ईको गार्डेन लखनऊ में धरना दे रहे हैं। सरकार उनकी फरियाद नहीं सुन रही है। दिव्यांग आत्महत्या कर रहे हैं, सरकार मुक दर्शक बनी हुई है। जिला अध्यक्ष बंसीलाल ने कहा कि सरकार हमें हल्के में ना लें वरना परिणाम गम्भीर होंगे। कांग्रेस पार्टी व दिव्यांग महागठबन्धन दिव्यांगजनों के हक व अधिकार दिलाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के शहर अध्यक्ष रामू कश्यप ने कहा कि अभी संघर्ष कि शुरुआत है। ट्रेलर आज जारी हुआ है पिक्चर अभी बाकी है। लेखपाल व मुख्य सेविका अभ्यर्थियों को नौकरी न मिली तो सरकार को उखाड़ फेकेगे। आंदोलन में भगवंत नगर विधानसभा सभा अध्यक्ष विवेक सिंह, जिला उपाध्यक्ष शाश्वत बाजपेई, जिला सचिव राम लाल, माधुरी, बालेश्वर फूलमती, दशरथ, रीता, किरन, सुशीला, बेबी कश्यप, गुड़िया, कोहरी, लक्ष्मी, राधा आदि लोग उपस्थित रहे।

## समाजसेवी चेतन मिश्रा ने दिया जिलाधिकारी को ज्ञापन जिले में लापता बुजुर्गों के संरक्षण के लिए भवन और चिकित्सा की मांग रखी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव**

उन्नाव। विगत दिनों बेगूसराय से भटक कर 83 वर्षित संत राम जी दास को उन्नाव मोती नगर पुल के नीचे से सूचना पर रेस्क्यू किया गया था, रेस्क्यू करने के उपरांत समाजसेवी चेतन मिश्रा बुजुर्ग को लेकर 19 फरवरी को जिला अधिकारी (उन्नाव) गौरांग राठी के पास दोपहर 3:00 बजे पहुंच गए और उनसे शहर के अंदर एक भवन की मांग पर अड़ गए भवन जिसमें इन जैसे लापता बुजुर्गों के रहने और उपचार की उचित व्यवस्था सुनिश्चित हो सकें, जिला अधिकारी ने समाजसेवी को आश्वाशन देकर दूसरे दिन अपने कार्यालय बुलाया और संपूर्ण मदद का करने को कहा समाजसेवी चेतन मिश्रा दूसरे दिन की सुबह अपनी टीम के सदस्यों के साथ जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने शहर में चल रही ऐसी समस्याओं से अवगत करवाया और जिला अधिकारी कार्यालय में एस डी एम सदर को लिखित ज्ञापन सौंपा और अपनी मांगों को रखते हुए अपनी बात कही, प्रमुख मांगों में एक मांग उन्नाव जनपद में संचालित ऐसी संस्थाओं पर भी जांच करने की रही जो सरकारी धन का दुरुपयोग करके सिर्फ कागजों पर कार्य कर अवैध रूप से धन अर्जित कर रही है एवं समाज में कोई कार्य या लोगों की। मदद नहीं कर रही है, लापता होकर आए बुजुर्ग के रहने और खाने की व्यवस्था अपनी संस्था के सदस्य पूर्व सैनिक अजय कुमार द्विवेदी जी के घर करवाई गई दो दिन से अजय कुमार द्विवेदी एवं अनुज पांडे बुजुर्ग को अपने अपने घर रखकर सेवा दे रहे हैं ज्ञापन देने और मांग रखने में अध्यक्ष चेतन मिश्रा की अध्यक्षता में अनुज पांडे, सदस्यों में हरदेवंद्र श्रीवास्तव, अंबुज मिश्रा, नीरज श्रीवास्तव, रवि नारायण वर्मा आदि संस्था के लोग शामिल रहे।

## अपनी खरीदी जमीन पर कब्जा पाने के लिए वर्षों से अधिकारियों के चक्कर काट रहा है वृद्ध

**संवाददाता**

फ़तेहपुर। वर्षों से अपनी खरीदी जमीन पर कब्जा पाने के लिए वृद्ध अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है।इसके बाद भी अभी तक अवैध कब्जा करने वाले बेखौफ कुंडली मारे फुफकार रहे हैं।उपजिलाधिकारी बिंदकी के आदेश के बाद भी आज तक बुजुर्ग की जमीन कब्जा मुक्त नहीं हो पाई। थाना पुलिस भी दबंगों के सामने लाचार दिख रही है। एक बार पुलिस दबंग के खिलाफ 170 के तहत कार्यवाही भी कर चुकी है। ग्राम रसूलपुर बकेवर निवासी विश्राम सागर पुत्र स्व.पंथादीन के खरीदे गए प्लाट में गांव के ही राजू पुत्र स्व. बाबू उसकी पत्नी मुन्नी देवी व उसका भाई सुरेन्द्र उर्फरज्जन निर्माण नहीं करने दे रहे हैं और कब्जा जता रहे हैं। यह प्लाट विश्राम सागर ने गांव के ही कलुवा पुत्र खुरबुर से वर्ष 19 72 में खरीद कर रजिस्ट्री दाखिल खारिज कराया था। पीड़ित विश्राम सागर ने राजू उसकी पत्नी मुन्नी देवी व उसके भाई सुरेन्द्र द्वारा जबरिया अनाधिकृत रुप से कब्जा करने, निर्माण में बाधा पहुंचाने की शिकायत बकेवर थाना, जिलाधिकारी फ़तेहपुर, उपजिलाधिकारी बिंदकी व मुख्यमंत्री पोर्टल में शिकायत दर्ज कराई है। इसके बावजूद कोई कार्यवाही उन दबंगों के खिलाफ नहीं हो पाई है और पीड़ित अधिकारियों की गणेश परिक्रमा कर न्याय मांग रहा हैं। पिछले महीने में बकेवर थाना के उपनिरीक्षक उमेश पाण्डेय ने मौके पर जाकर देखा और शिकायत को सही ठहराया और अपनी रिपोर्ट दिया इसके बाद भी कार्यवाही नहीं हुई जिससे कब्जा करने वाले दबंगों के मनसूबे आसमान में है। तत्कालीन लेखपाल कुलदीप सिंह ने मौका देखा और शिकायत को सही पाया और अपनी रिपोर्ट अधिकारियों को दिया।लेकिन लेखपाल की रिपोर्ट भी वृद्ध को कब्जा नहीं दिला पाई। पीड़ित विश्राम सागर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी फ़तेहपुर उपजिलाधिकारी बिंदकी व थानाध्यक्ष बकेवर से उसकी जमीन को कब्जा मुक्त कराकर निर्माण करने में बाधा पहुंचाने वाले राजू आदि के खिलाफकार्रवाई की मांग की है।

# पीडीए पंचायतों के माध्यम से जनसंवाद का क्रम जारी की राजनैतिक परिस्थितियों में समाजवादी विचारधारा ही एक विकल्प - पूर्व सांसद

**तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव**

उन्नाव। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार विधान सभा क्षेत्र 166 भगवंतनगर में अंकित सिंह परिहार के द्वारा प्रति दिन निरंतर गांव -गांव में पीडीए पंचायतों के माध्यम से जन संवाद का क्रम जारी है। इसी क्रम में आज बीघापुर ब्लॉक के गांव बारा हरदो में पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। आज की पीडीए पंचायत में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव, पूर्व सांसद श्रीमती अन्नू टंडन जी ने संबोधित करते हुए कहा की आज की राजनैतिक परिस्थितियों में समाजवादी विचारधारा ही देश के सभी वर्गों को आपस में एक दूसरे के साथ जोड़ते हुए, सभी को परस्पर विकास के अवसर देने के साथ सभी के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा कर सकती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सोंच के अनुरूप पीडीए पंचायतों के माध्यम से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता समाज के कमजोर वर्गों में एकजुटता पैदा करके सभी को साथ लेकर भारतीय जानता पार्टी के अत्याचारी शासन को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। पूर्व विधायक उदय राज यादव ने अपने संबोधन में सभी को आगाह करते हुए कहा कि आज अगर हम सभी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एक जुट होकर खड़े हो जाएँगे तो भारतीय जानता पार्टी की

ज्यादा दिनों तक सरकार में रहने वाली नहीं है। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि विधान सभा क्षेत्र भगवंत नगर में पीडीए पंचायतों का कार्यक्रम एक मिशन के तौर पर चलाया जा रहा है। क्षेत्र के अंदर पीडीए पंचायतों के आयोजन में जिस तरह का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है उसे देख कर विश्वास है की आने वाले समय में इस क्षेत्र के अंदर समाजवादी पार्टी का परचम बुलंद रहेगा। कार्यक्रम संयोजक अंकित सिंह परिहार ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा की विधानसभा क्षेत्र भगवंतनगर में पीडीए पंचायतों को हम समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एक मिशन की तरह चला रहे हैं और इसे अनवरत रूप से चलाते हुए गांव गांव में हम समाजवाद विचारधारा की अलख जगायेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा के लोग इस क्षेत्र में सभी के मान सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा करना अपनी पहली जम्मिदारी मानते हैं। हमने हर स्थिति परिस्थिति में संघर्ष के बल पर आप सभी की सेवा के लिए हर स्तर पर कार्य किया है और जरूरत पड़ने पर चाहे कोई भी कीमत चुकानी पड़े हम इस क्षेत्र में किसी के भी मान समान और स्वाभिमान के लिए किसी को भी झुकने नहीं देंगे। संचालन समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश पासवान के द्वारा किया गया। जिला उपाध्यक्ष रूप नारायण पटेल, लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष राहुल अग्निहोत्री, युवजन सभा के जिला अध्यक्ष अमन अंजुम, यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष अंकित यादव, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के ज़िलाध्यक्ष राहुल गौतम, हाजी सैय्यद इरफान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उदय प्रताप सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य ओम प्रकाश यादव, श्रीनारायण पाल, मनीष पटेल, पप्पू चौधरी, के. के. कनौजिया, अमर भैया, आशीष चौधरी, शिव शंकर वर्मा, विधानसभा उपाध्यक्ष सत्येन्द्र यादव, ब्लाक अध्यक्ष श्री विजय यादव, रोशन लाल मास्टर, उमेश चंद्र रावत पिंटू, अरुणेंद्र यादव, नारेन्द्र पासवान, उमा शंकर यादव, बीडीसी अंसारी, दिलीप यादव, रहीस मोहम्मद, नागेंद्र सिंह, शिव कुमार शुक्ला, अमन, पम्मी, रवि पटेल, दुर्गेश यादव, मनोज बघेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर अज्ञात बदमाशों का हमला । पार्टी, संगठन की ओर से कड़ी निंदा

**तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ**

असम। धुबरी से कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन और उनके बेटे तंजील हुसैन पर आज दोपहर करीब 2 बजे नगांव जिले के रुपहीहाट पुलिस स्टेशन के तहत न्यू बाजार में भयंकर हमला हुआ। धुबरी के सांसद रकीबुल हुसैन पर नगांव के रूपहीहाट में अज्ञात बदमाशों द्वारा किए गए हमले ने बहुत सनसनी पैदा किया है। यह पता चला है कि हमला रूपहीहाट पुलिस स्टेशन से सिर्फ पांच सौ मीटर दूर न्यू मार्केट नामक स्थान पर हुआ, जब वह रूपहीहाट पुलिस स्टेशन के करीब के पुथीखैती में आयोजित होने वाली पार्टी की बैठक में भाग लेने जा रहे थे। दिन के समय ही चेहरे पर काले कपड़े बांधे बदमाशों का एक समूह मुर्दाबाद चिल्लाते हुए सांसद रकीबुल हुसैन पर कूद पड़ा। वीडियो फुटेज में बदमाशों का एक गिरोह सांसद हुसैन पर क्रिकेट बैट, डंडों आदि से हमला करता दिख रहा है। इस घटना में सांसद हुसैन घायल हो गए हैं । जब लाओखोवा-नल्ताली राज्य राजमार्ग पर इस तरह की तनावपूर्ण स्थिति व्याप्त थी, तब सांसद के अंगरक्षकों ने शून्य पर गोलियां चलाईं और रकीबुल हुसैन की जान बचाने की कोशिश की। गौरतलब है कि हमले के बाद सांसद हुसैन ने अपने बेटे के साथ गरमागरम हालात से तरह-तरह से भागने की कोशिश की

हालांकि, उनके पीछे अपने चेहरे पर बंधे काले कपड़े के साथ उपद्रवियों का समूह झपकी लेता है। स्थानीय लोगों ने सांसद हुसैन को मौके से जाने के लिए स्कूटी की पेशकश की, लेकिन एक बदमाश द्वारा स्कूटी की चाबी छीनने का दृश्य भी कैमरे में कैद हो गया। इतना ही नहीं सांसद हुसैन के साथ उपद्रवियों के हमले से बॉडीगार्ड भी नहीं बच पाते हैं। हमलावरों ने अंगरक्षक की बूरी तरह से पिटाई कर दी। घटना को लेकर पूरे इलाके में तनाव व्याप्त है। घटना इतनी भयावह हो गई कि पार्टी कार्यकर्ता पास के सभा स्थल से आए और सांसद को दोपहिया वाहन में बिठाकर वहां से ले जाकर सांसद की जान बचा ली। बता दें कि इस हमले के दौरान सांसद हुसैन के साथ उनके बेटे तंजील हुसैन ओर रूपहीहाट विधानसभा क्षेत्र से विधायक नुरुल हुदा भी मौजूद थे। इस बीच, घटना के बाद, पुथीखैटी में आयोजित एक बैठक में भाग लेकर सांसद इस घटना को लेकर आक्रामक हो उठे । बैठक स्थल से पत्रकारों से बात करते हुए, सांसद हुसैन ने अपना गुस्सा व्यक्त किया और कहा कि नगांव जिला पुलिस अधीक्षक, रूपहीहाट पुलिस स्टेशन के ओसी आदि को ऐसी घटनाएं होने की बारे में सूचित किया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अगर गृह मंत्री निष्पक्ष हैं तो एसपी और ओसी के खिलाफ कार्रवाई करें। इसके लिए एसपी को तत्काल सस्पेंड करें, स्थानीय थाना प्रभारी को सस्पेंड करें। सांसद ने सरकारी जासूसों के पूरी तरह विफल होने का आरोप लगाते हुए गृह मंत्री के इस्तीफे की भी मांग की। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि घटना में कौन शामिल है। सांसद ने कहा कि एक सहकारी समिति के अध्यक्ष, डकैत, हत्यारे आदि घटनाओं में शामिल थे। गौरतलब है कि उपचुनाव के बाद से रूपहीहाट-चमगुड़ी के कुछ इलाकों में राजनीतिक हिंसा अक्सर देखने को मिल रही है, जिस कारण से प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठते रहे हैं। दिन के समय हुई इस घटना पर संबंधित जनता के साथ-साथ विभिन्न दलों और संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हमेशा शांतिपूर्ण माहौल में रहने वाले रूपहीहाट में जो अप्रिय स्थिति पैदा हो रही है, वह पिछले कुछ समय से चल रही है और आज सांसद रकीबुल हुसैन पर हुए हमले के लिए ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन, ऑल असम माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन सहित विभिन्न पार्टी संगठनों ने इसकी निंदा की हैं। सभी ने असम सरकार के गृह विभाग को धिक्कार दिया है।

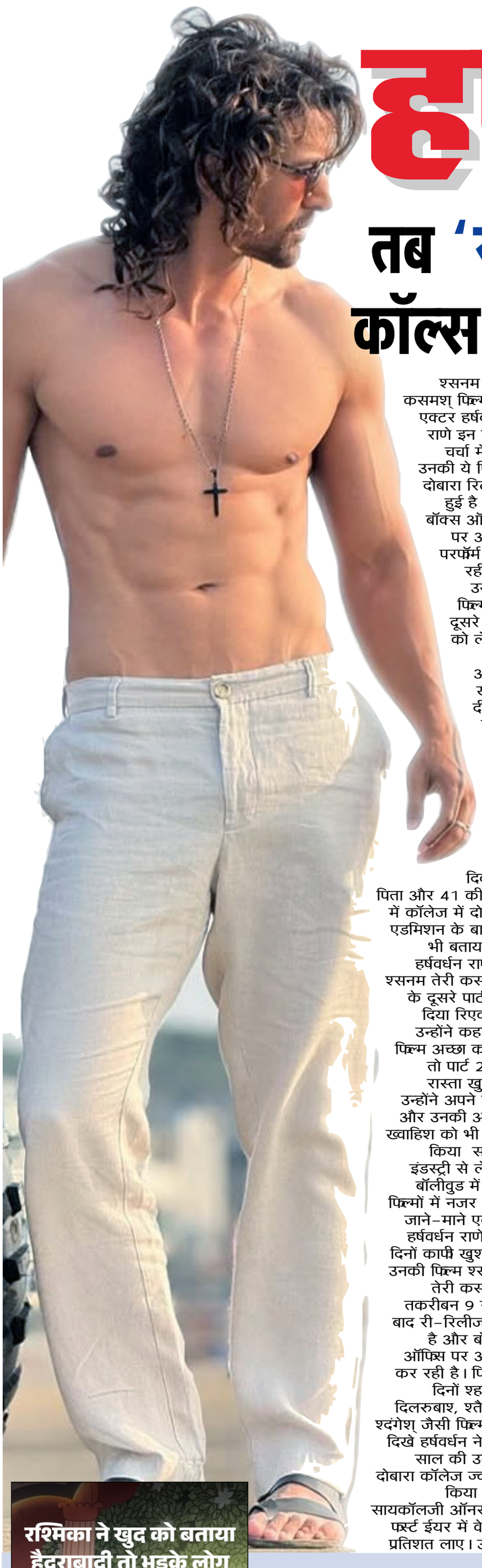

# हर्षवर्धन राणे

## तब 'सनम तेरी कसम' नहीं चली, मुझे फिल्मों के कॉल्स नहीं आए, समझ नहीं आ रहा था क्या करूं

श्सनम तेरी कसमश् फिल्म के एक्टर हर्षवर्धन राणे इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी ये फिल्म दोबारा रिलीज हुई है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। उन्होंने फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर एक अच्छी खबर दी है। साथ ही दिवंगत पिता और 41 की उम्र में कॉलेज में दोबारा एडमिशन के बारे में भी बताया है। हर्षवर्धन राणे ने श्सनम तेरी कसमश् के दूसरे पार्ट पर दिया रिएक्शन उन्होंने कहा कि फिल्म अच्छा करेगी तो पार्ट 2 का रास्ता खुलेगा उन्होंने अपने पिता और उनकी अधूरी ख्वाहिश को भी याद किया साउथ इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड में कई फिल्मों में नजर आए जाने-माने एक्टर हर्षवर्धन राणे इन दिनों काफी खुश हैं। उनकी फिल्म श्सनम तेरी कसमश् तकरीबन 9 साल बाद री-रिलीज हुई है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कर रही है। पिछले दिनों श्हसीन दिलरुबाश्, श्तैशश्, श्दंगेश् जैसी फिल्मों में दिखे हर्षवर्धन ने 41 साल की उम्र में दोबारा कॉलेज ज्वॉइन किया और सायकॉलजी ऑनर्स के फर्स्ट ईयर में वे 82 प्रतिशत लाए। उनसे एक खास बातचीत।भ्तैंीअंतकींद त्दम उस वक्त मात्र 16 साल के थे, जब वे एक्टिंग के जुनून में घर से भागे थे। घर से भागने के बाद उन्होंने काफी संघर्ष किया। हॉस्टल में साफ-सफाई का काम किया। फोन बूथ पर नौकरी की। अपने करियर के मुश्किल दौर के बारे में वे कहते हैं, श्2009 में जब मेरे डैड नहीं रहे, तो मैं बहुत अकेला पड़ गया था। मैं उस वक्त दिल्ली में था। मगर एक दौर मेरे लिए बहुत मुश्किल था। होता क्या है कि जब इंडस्ट्री में आपको ब्रेक मिलता है, तो लोग कहते हैं, अब तो तुम हीरो बन जाओगे, तुम्हारे पास फिल्मों की लाइन लग जाएगी। मगर मेरी फिल्म श्सनम तेरी कसमश् आई। फिल्म को लेकर मेरे कई बड़े-बड़े ख्वाब थे। फिल्म नहीं चली। मुझे फिल्मों के कोई कॉल्स नहीं आए। वो वक्त बहुत ज्यादा कठिन था, मैं समझ ही नहीं पा रहा था कि उसे कैसे हैंडल करूं।श् मेरे 82 प्रतिशत अंक लाने पर पिता स्वर्ग में खुश होंगे हाल ही में एक्टर ने अपना 41वां जन्मदिन मनाया और पिछले साल 40 की उम्र में उन्होंने दोबारा कॉलेज में एडमिशन लिया और सायकॉलजी ऑनर्स के फर्स्ट ईयर में वे 82 प्रतिशत लाए। इस उम्र में दोबारा पढ़ाई को लेकर वे कहते हैं, श्मेरे पिता बहुत जल्दी दुनिया से विदा हो गए, तो एक दिन मैं उन्हें याद करते हुए सोच रहा था कि उन्हें मैं कैसे खुशी दे सकता था। तब मुझे लगा कि मेरी एजुकेशन उन्हें बहुत खुशी देती। मेरा भी बहुत मन था कि मैं अपनी पढ़ाई पूरी करूं, क्योंकि हालात के कारण मुझे अधूरी छोड़नी पड़ी थी। अब जब मेरे 81.5 प्रतिशत आए हैं, तो पिता यकीनन खुश होंगे। मुझे याद है, चौथे पेपर के समय मैं आखिरी सवाल का जवाब लिख रहा था और मेरे एक्जामिनर ने मेरे हाथ से आंसर शीट छीन ली। मैं तो हक्का-बक्का रह गया, क्योंकि एक्टर बनने के बाद मेरे साथ ऐसा ट्रीटमेंट कभी हुआ ही नहीं था। मुझे सालों से खास तौर पर ट्रीट किया जाता रहा है मगर यहां मैं एग्जाम देने वाला एक स्टूडेंट था और मुझे नियमों का पालन करना था, एग्जाम का समय बीत चुका था। वैसे भी मैं शुरू के चार-पांच दिन मैं एग्जाम देने मास्क लगा कर गया था, तो कोई मुझे पहचान नहीं पाया। मगर चौथे पेपर के समय लाइट चली गई और मुझे अपना मास्क नीचे करना पड़ा, तब लोगों को पता चल गया था कि मैं कौन हूं, तो काफी हलचल मच गई थी वहां।श् गाली-गलौज वाला कॉन्टेंट नहीं कर सकता ओटीटी पर श्हसीन दिलरुबाश् और श्तैशश् जैसे प्रॉजेक्ट्स में नजर आए हर्षवर्धन अन्य कलाकारों की तरह ओटीटी पर ज्यादा काम नहीं कर रहे हैं। कारण बताते हुए वे कहते हैं, श्मैं गाली-गलौज वाला कॉन्टेंट नहीं कर सकता। परदे के किरदारों की बात करूं तो मुझे मुझे गालियां देने में मजा नहीं आता। स्क्रीन पर फालतू के अंतरंग सीन करने में मुझे रुचि नहीं है। बहुत ज्यादा खून-खराबा हो रहा है, इन दिनों फिल्मों और ओटीटी पर। अगर कहानी की मांग है, तो बात अलग है, वरना आजकल बिना बात के अब्यूसिव कॉन्टेंट बहुत है। मेरी पिछली फिल्म दंगे को यू सर्टिफिकेट इसीलिए दिया गया था, क्योंकि वो वयस्कों का कॉन्टेंट था। जो कॉन्टेंट मैं अपने पेरेंट्स के साथ नहीं देख पाऊं या फिर परिवार संग न देख सकूं, तो मुझे नहीं करना। तो ज्यादातर मेरी चॉइस वहीं पर अटक जाती। क्योंकि मेरे पास भी उसी तरह के ऑफर आते हैं और मैं हां नहीं कर पाता।श् अब फिल्म के पार्ट टू का रास्ता खुलेगा श्सनम तेरी कसमश् अपनी री रिलीज पर अच्छा बिजनेस कर रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने पहले दिन 4 करोड़ से भी ज्यादा का बिजनेस किया है। इस पर हर्ष खुशी जताते हुए कहते हैं, श्मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि अंततः मेरे निर्माता दीपक मुकुट के चेहरे पर मुस्कराहट आई। भले वो खुशी उन्हें 9 साल बाद मिली हो। एक अरसे से लोग मुझसे पूछा करते थे कि आप पार्ट टू कब लेकर आओगे, तो मैं क्या जवाब देता? अरे भाई पार्ट टू लाना इतना आसान होता है क्या, मगर सीधी-सी बात है कि फिल्म अच्छा करेगी, तो इसके पार्ट 2 का रास्ता खुलेगा। अब जब फिल्म दोबारा रिलीज हुई है, तो फिल्म से जुड़ी कई यादें ताजा हो गई हैं। हम लोग स्टेशन पर फिल्म का गाना, श्तू खींच मेरी फोटोश् की शूटिंग कर रहे थे और तभी एक किन्नर वहां से गुजरा। उसने भी शायद गाना सुना और अचानक वो मेरे पास आकर बोला, तेरा ये गाना बहुत हिट होगा। वाकई फिल्म रिलीज के बाद भी वह गाना टॉप चार्ट पर रहा।श् मावरा ने खुद को अपने किरदार के प्रति समर्पित कर दिया था आज से तकरीबन 9 साल पहले आई इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे की हीरोइन पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा हुकैन थीं। हर्षवर्धन और मावरा की केमेस्ट्री काफी पसंद की गई थी। हर्षवर्धन कहते हैं, श्मावरा के बारे में मैं इतना ही कहूंगा कि वे बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेत्री हैं। उन्होंने किरदार के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित कर दिया था ,उनके साथ काम करके बहुत मजा आया था। हाल ही में उनकी शादी हुई है और मुझे लगता है कि बॉक्स ऑफिस पर जो नंबर्स आ रहे हैं, उससे बेहतर वेडिंग गिफ्ट उनके लिए क्या हो सकती है? ये सच है कि फिल्म के बाद हम एक-दूसरे के संपर्क में नहीं रह पाए। असल में जब फिल्म उस वक्त अपनी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई, तो कहीं न कहीं निर्माता और मेरे को एक्टर शांत हो गए। मुझे खुद अपने निर्माता से दोबारा री कनेक्ट करने में कई साल लग गए।

## नफरत से शुरू हुई थी लव स्टोरी

प्यार करने वालों के लिए वैसे तो हर दिन वैलेंटाइन डे होता है. इस खास दिन पर हम आपको ऐसे ही एक कपल की लव स्टोरी बताते हैं जिनकी शादी को 36 साल हो चुके हैं. मोहनलाल और सुचित्रा की लव स्टोरी कहते हैं जोड़ियां भगवान बनाकर भेजते हैं. मगर उस प्यार को लोगों को संभालना और निभाना खुद होता है. प्यार करना मुश्किल नहीं है मगर उसे निभाना और हमेशा अपने पार्टनर के साथ खड़े रहना बड़ी बात है. कुछ लोगों के प्यार की शुरुआत दोस्ती से होती है तो कुछ की नफरत से होती है. नफरत से जिस प्यार की शुरुआत होती है वो लव स्टोरी बहुत ही खास और प्यारी होती है. ऐसे ही एक साउथ के स्टार हैं जिनकी लव स्टोरी की शुरुआत नफरत से हुई थी और उन्होंने अपनी एक फैन से शादी की थी. हम जिनकी बात कर रहे हैं वो मोहनलाल हैं. मोहनलाल और सुचित्रा की लव स्टोरी बहुत खास है. आज वैलेंटाइन डे के मौके पर हम आपको मोहनलाल और सुचित्रा की लव स्टोरी बताते हैं. जिसे पढ़कर आप भी कहेंगे प्यार हो तो ऐसा. मोहनलाल अपनी पर्सनल लाइफको लेकर वैसे ज्यादा बात करते नजर नहीं आते हैं. वो अपनी पत्नी सुचित्रा के साथ भी पब्लिक में कम ही नजर आते हैं. मगर सोशल मीडिया पर मोहनलाल अपनी पत्नी के साथ फोटोज शेयर करते रहते हैं और उन पर प्यार बरसाते रहते हैं. नफरत से हुई थी प्यार की शुरुआत मोहनलाल ने अपने करियर में कई विलेन के रोल्स निभाए हैं. विलेन का किरदार निभाकर उन्होंने लोगों के दिलों में अपनी जगह बना ली थी. जब सुचित्रा ने मोहनलाल की 1-2 फिल्में देखी थीं जिसमें उन्होंने विलेन का किरदार निभाया, देखकर उनसे नफरत करने लगी थीं. हालांकि बाद में उन्हें एहसास हुआ था कि उनकी एक्टिंग इतनी शानदार थी कि उनके दिमाग से मोहनलाल का किरदार ही नहीं निकल रहा था. जिसके बाद सुची मोहनलाल की तारीफकरने लगी थीं. पहले नफरत... फिर प्यार, बिल्कुल फिल्मी है 5 नेशनल अवॉर्ड्स जीत चुके श्विलेनश् की लव स्टोरी जब सुचित्रा मोहनलाल के काम की फैन बन गई थीं तो उन्होंने उनकी रोमांटिक फिल्में देखना शुरू कर दिया था. उसके बाद वो मोहनलाल को लेटर और ग्रीटिंग भेजने लगी थीं. जब वो मोहनलाल से पहली बार मिलीं तो उन्हें एहसास हुआ कि वो उन्हें प्यार करने लगी हैं. ऐसे हुई थी पहली मुलाकात बता दें सुचित्रा पॉपुलर प्रोड्यूसर के बालाजी की बेटी हैं. इस वजह से इंडस्ट्री में उनके काफी कॉन्टैक्ट हैं. जिस वजह से एक दोस्त ने मोहनलाल से उन्हें इंट्रोड्यूस करवाया था. कुछ मुलाकातों के बाद ही मोहनलाल सुचित्रा को पसंद करने लगे थे वहीं सुची तो पहले से ही उनके प्यार में दीवानी थीं. कुंडली नहीं हुई थी कुछ समय तक डेट करने के बाद मोहनलाल और सुचित्रा ने शादी करने का फैसला कर लिया था. जिसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में फैमिली को बता दिया था. दोनों की फैमिली शादी के लिए तैयार भी हो गई थीं लेकिन उनकी कुंडली नहीं मिली. कुंडली नहीं मिलने के बाद दोनों परिवारों के पास कोई ऑप्शन नहीं बचा था और शादी के लिए मना कर दिया. मगर भगवान का लिखा कौन बदल सकता है. कुछ समय बाद जिस शख्स ने कुंडली मिलाई थी उन्होंने बताया कि कुछ गलती हो गई थी. बाद में मोहनलाल और सुचित्रा की कुंडली मैच कर गई थी. कुंडली मैच करने के बाद मोहनलाल और सुचित्रा 28 अप्रैल 1988 को शादी के बंधन में बंध गए थे. इनकी शादी में इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े लोग शामिल हुए थे. मोहनलाल और सुचित्रा के दो बच्चे हैं. उनके दोनों बच्चे भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बन चुके हैं. मोहनलाल के बेटे प्रणव साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के फेमस एक्टर हैं. वहीं उनकी बेटी राइटर और असिस्टेंट फिल्म डायरेक्टर हैं. मोहनलाल और सुचित्रा की जोड़ी साउथ की बहुत ही प्यारे कपल्स में से एक हैं. दोनों की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं. मोहनलाल आज भी फिल्मों की दुनिया में एक्टिव हैं. अपनी शानदार एक्टिंग से मोहनलाल 5 नेशनल अवॉर्ड भी जीत चुके हैं. वो जल्द ही फिल्म कन्नप्पा में नजर आने वाले हैं.

## रश्मिका ने खुद को बताया हैदराबादी तो भड़के लोग

रश्मिका मंदाना कर्नाटक के कुर्ग क्षेत्र से हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने कन्नड़ फिल्मों से सिनेमा में कदम रखा, लेकिन उन्हें प्रसिद्धि तेलुगू सिनेमा से मिली। पिछले कुछ सालों में, उनके कई कन्नड़ फैंस उन पर अपने रूट्स को श्नकारनेश् का आरोप लगाते रहे हैं। एक्ट्रेस का हाल ही में एक वीडियो क्लिप आया है जिसमें वह कह रही हैं कि वह हैदराबाद से हैं, जिसने आग में घी डालने का काम किया है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई यह क्लिप उनकी नई फिल्म श्छावाश् के प्री-रिलीज इवेंट की है और इसमें रश्मिका स्टेज से लोगों से बात करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा, श्क्योंकि मैं हैदराबाद से हूं और मैं अकेली आई हूं और आज मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी के परिवार का हिस्सा बनूंगी।श् इस पर दर्शकों ने तालियां बजाईं और रश्मिका ने मुस्कुराकर उनका शुक्रिया अदा किया। रश्मिका मंदाना लोगों के निशाने पर इस छोटी क्लिप को बिना किसी टाइटल के ट्विटर पर शेयर किया गया, जिसमें लिखा था, श्कभी-कभी मुझे हमारे कन्नड़ लोगों से निगेटिविटी मिलने पर आपके लिए दया आती है। लेकिन जब आप इस तरह के बयान देते हैं, तो मुझे लगता है कि वे सही हैं, और आप इसी के हकदार हैं।श् रश्मिका मंदाना हुई ट्रोल कई लोगों ने कमेंट किया कि रश्मिका के लिए इस तरह के बयान देना आम बात है। एक ने लिखा- मुझे लगता है कि वह तेलुगू दर्शकों और तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री को प्रभावित करने की कोशिश करती हैं और इस तरह के बयान देती हैं। दूसरे ने कहा- क्या मौकाररस्त है। कुछ लोगों ने इस पर उनका सपोर्ट भी किया लेकिन ज्यादातर ने गलत ही कहा। एक ट्वीट में लिखा था- यह एक बड़ा मार्केट है, इसलिए वफादारी से ज्यादा एक स्मार्ट करियर ऑप्शन है। फैंस ने किया बचाव एक्ट्रेस के कई फैंस ने उनका बचाव भी किया। एक ने 2024 से रश्मिका का एक ट्वीट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कूर्ग के प्रति अपने प्यार के बारे में बात की थी और लिखा, श्वह हमेशा दावा करती है कि वह कूर्ग से है और कोडवा साड़ी पहनती है। आप लोग बिना संदर्भ के कोई भी क्लिप निकाल लेते हैं और उसे दोषी ठहराते हैं। उसका मतलब था कि वह अब हैदराबाद में रह रही है, वह टूटे पैर के साथ हैदराबाद से मुंबई आई थी। वरना 1000 बार उसने कहा कि वह कूर्ग से है!

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित



# पांच में से तीन ऑलराउंडर

## मैच से पूर्व पांच स्पिनरों के सवाल पर रोहित ने दिया बयान

**दुबई।** मैच से पहले कप्तान रोहित शर्मा टीम में पांच स्पिनरों को लेने के फैसले का बचाव किया। बांग्लादेश के खिलाफ दुबई में होने वाले मैच से पहले रोहित ने प्रेस को संबोधित किया और अपनी रणनीति पर राय रखी। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से चौंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारत इस टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। मैच से पहले कप्तान रोहित शर्मा टीम में पांच स्पिनरों को लेने के फैसले का बचाव किया।

बांग्लादेश के खिलाफ दुबई में होने वाले मैच से पहले रोहित ने प्रेस को संबोधित किया और अपनी रणनीति पर राय रखी। वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव दो विशेषज्ञ स्पिनर हैं, जबकि स्पिन विभाग में अन्य विकल्प रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर हैं जो सभी बहुत सक्षम बल्लेबाज हैं। टीम में मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा के रूप में तीन तेज गेंदबाजी विकल्प हैं, जबकि हार्दिक पांड्या एकमात्र तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। पांच स्पिनरों के फैसले का समर्थन किया रोहित से प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूछा गया कि टीम में पांच स्पिनरों को लेकर आपकी क्या राय है? इस पर रोहित ने कहा, हमारी टीम में पांच स्पिनर नहीं हैं, इसमें से तीन ऑलराउंडर हैं। मैं इसे पांच स्पिनर के तौर पर नहीं देखता। रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर हमें काफी मजबूती प्रदान करते हैं। अगर टीम में तेज गेंदबाज ऑलराउंडर होता है तो हम यह नहीं कहते कि टीम में पांच या छह तेज गेंदबाज हैं। हम हमेशा ही अपनी मजबूती को लेकर चलते हैं और उसका समर्थन करते हैं। चौंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार रोहित रोहित ने चौंपियंस ट्रॉफी को लेकर उत्साह जताया जो आठ साल के लंबे अंतराल के बाद हो रही है। हिटमैन से टूर्नामेंट के दौरान टीम की शैली के बारे में भी पूछा गया जिस पर कप्तान ने कहा कि वह और टीम के साथ चौंपियंस ट्रॉफी में ऐसे ही खेलेंगे जैसे वे इस प्रारूप में पिछले कुछ वर्षों से खेलते आ रहे हैं। रोहित ने कहा, हम इस टूर्नामेंट में वैसे ही खेलेंगे जैसे अन्य टूर्नामेंट में खेलते हैं। भारत के लिए खेलना हमारे लिए काफी मायने रखता है। ऐसे कुछ समय होते हैं जब आप कुछ खिलाड़ियों को मिस करते हैं, लेकिन हमारे पास टीम में मजबूती है। यह सभी आईसीसी प्रतियोगिताओं की तरह एक बहुत ही महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। ट्रॉफी जीतने के लिए हमें बहुत सी चीजें सही करनी होंगी। भारत दुबई में खेलेगा अपने मुकाबले भारतीय टीम गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ चौंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेलेगी। चौंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान है, लेकिन भारत अपने मुकाबले दुबई में खेलेगा क्योंकि भारत ने टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इन्कार कर दिया था। भारत चौंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप ए में शामिल है जिसमें बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड भी मौजूद हैं।

## गेंदबाजों और नैट स्किवर ने मुंबई इंडियन्स को गुजरात जाइंट्स पर जीत दिलाई

वडोदरा । हेली मैथ्यूज की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद नैट स्किवर ब्रंट के अर्धशतक की बदौलत मुंबई इंडियन्स ने महिला प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां गुजरात जाइंट्स को पांच विकेट से हराकर इस टीम के खिलाफलगातार पांचवीं जीत दर्ज की। गुजरात के 121 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स ने नैट स्किवर की 39 गेंद में 11 चौकों से 57 रन की पारी की मदद से 16.1 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाकर मौजूदा सत्र की पहली जीत दर्ज की। गुजरात जाइंट्स की टीम इससे पहले मैथ्यूज (16 रन पर तीन विकेट), अमेलिया केर (22 रन पर दो विकेट) और नैट स्किवर (26 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 20 ओवर में 120 रन पर ढेर हो गई। हरलीन देओल (32 रन) गुजरात की ओर से शीर्ष स्कोरर रहीं। उनके अलावा सिर्फकेशवी गौतम (20) ही 20 रन के आंकड़े को छू पाईं। लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई इंडियन्स ने पावर प्ले में एक विकेट पर 37 रन बनाकर सतर्क शुरुआत की। मैथ्यूज ने एशलेग गार्डनर (17) पर चौके से खाता खोला। उन्होंने तनुजा कंवर पर भी दो चौके मारे लेकिन इसी ओवर में हरलीन को कैच दे बैठीं। नैट स्किवर ने आते ही तनुजा पर चौका मारा और फिर डियांड्रा डोटिन की गेंद को भी बाउंड्री तक पहुंचाया। उन्होंने प्रिया मिश्रा पर भी दो चौके जड़े। प्रिया ने यस्तिका भाटिया (08) को लॉरा वोलवार्ट के हाथों कैच कराके मुंबई को दूसरा झटका दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर भी सिर्फचार रन बनाने के बाद केशवी गौतम (15 रन पर दो विकेट) की गेंद पर पगबाधा हो गईं। नैट स्किवर को इसके बाद अमेलिया (19) के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। नैट स्किवर ने 14वें ओवर में एशलेग गार्डनर पर दो चौकों के साथ 33 गेंद में अपना अर्धशतक और टीम के रनों का शतक पूरा किया। केशवी ने हालांकि अगले ओवर में अमेलिया को पगबाधा कर दिया। मुंबई इंडियन्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 17 रन की दरकार थी। प्रिया मिश्रा (40 रन पर दो विकेट) ने नैट स्किवर को बोल्ड किया लेकिन सजीवन सजना (नाबाद 10) और जी कमालिनी (नाबाद 04) ने टीम को जीत दिला दी। इससे पहले मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और गेंदबाजों ने पावर प्ले में 28 रन तक गुजरात जाइंट्स के चार विकेट चटकाकर इस फैसले को सही साबित किया। नैट स्किवर ब्रंट ने दूसरे ओवर ही दूसरी ही गेंद पर बेथ मूनी (01) को शॉर्ट थर्ड मैन पर संस्कृति गुप्ता के हाथों कैच कराया। सलामी बल्लेबाज लॉरा वोलवार्ट (04) ने शब्निम इस्माइल पर पारी का पहला चौका जड़ा लेकिन इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में सजीवन सजना को कैच दे बैठी। मैथ्यूज ने डायलन हेमलता (09) को पवेलियन भेजा जबकि स्किवर ब्रंट ने एशलेग गार्डनर (10) को सजना के हाथों कैच कराके गुजरात जाइंट्स को पावर प्ले की अंतिम गेंद पर चौथा झटका दिया। डियांड्रा डोटिन (07) ने अमेलिया केर पर चौका मारा लेकिन इस स्पिनर के अगले ओवर में विकेटकीपर यस्तिका भाटिया के हाथों स्टंप हो गईं जिससे गुजरात जाइंट्स का स्कोर पांच विकेट पर 43 रन हो गया। केशवी गौतम (20) ने भारत की अंडर-19 टी20 विश्व कप विजेता टीम की सदस्य पारुनिका सिसोदिया पर दो चौकों के साथ 10वें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया।

## चैंपियंस ट्रॉफी से पहले रैंकिंग में उथल-पुथल, नंबर-एक वनडे बैटर बने गिल, शीर्ष-10 में चार भारतीय

**दुबई।** गिल ने बाबर आजम को पीछे छोड़ा। वहीं, वनडे में शीर्ष 10 बल्लेबाजों में भारत के चार खिलाड़ी मौजूद हैं। चौंपियंस ट्रॉफी की आज से शुरुआत हो चुकी है। हालांकि, इससे पहले आईसीसी ने ताजा रैंकिंग जारी की है। भारत के स्टार बल्लेबाज और उपकप्तान शुभमन गिल दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने बाबर आजम को पीछे छोड़ा। वहीं, वनडे में शीर्ष 10 बल्लेबाजों में भारत के चार खिलाड़ी मौजूद हैं। गिल के अलावा रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर, विराट कोहली छठे स्थान पर और श्रेयस अय्यर नौवें स्थान पर मौजूद हैं। श्रेयस को भी एक स्थान का फायदा हुआ है। बाबर दूसरे स्थान पर लुढ़क गए हैं। गिल के रेटिंग अंक 796 हैं, जबकि बाबर के रेटिंग अंक 773 हैं। रोहित के रेटिंग अंक 761 हैं। दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन 756 रेटिंग अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 740 रेटिंग अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। गिल हाल फिलहाल में शानदार फॉर्म में रहे 25 साल के गिल हाल फिलहाल में शानदार फॉर्म में रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में एक शतक और दो अर्धशतक लगाए थे। उन्होंने तीन मैचों में 86.33 की औसत और 103.60 के स्ट्राइक रेट से 259 रन बनाए थे। वहीं, श्रेयस भी शानदार फॉर्म में दिखे थे। उन्होंने तीन मैचों में 60.33 की औसत और 123.13 के स्ट्राइक रेट से 181 रन बनाए थे। रोहित ने भी एक शतक लगाया था और इस वजह से तीसरा स्थान बरकरार रखने में कामयाब रहे। गिल को लेकर आईसीसी ने क्या कहा? आईसीसी ने कहा, श्रौंपियन्स ट्रॉफी की शुरुआत से ठीक पहले रैंकिंग में शीर्ष पर यह एक बड़ा बदलाव है और अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पाकिस्तान तथा दुबई में आठ टीम के टूर्नामेंट के दौरान आने वाले हफ्तों में क्या होगा। यह दूसरी बार है जब गिल ने एकदिवसीय क्रिकेट में नंबर एक रैंकिंग हासिल की है। भारतीय बल्लेबाज ने 2023 में भी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के बीच में बाबर को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया था।श् वनडे गेंदबाजों में तीक्षणा नंबर-एक वहीं, गेंदबाजों में भी नया खिलाड़ी नंबर एक स्थान पर पहुंच गया है। श्रीलंका के महेश तीक्षणा वनडे के नए नंबर-एक गेंदबाज बन गए हैं। उनके 680 रेटिंग अंक हैं। वहीं, तीक्षणा ने अफगानिस्तान के राशिद खान को पीछे छोड़ा। राशिद 669 अंक के साथ दूसरे स्थान पर लुढ़क गए हैं। नामीबिया के बर्नार्ड स्कोल्ज 662 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, भारत के कुलदीप यादव एक स्थान के सुधार के साथ और 652 रेटिंग अंक के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष 10 में उनके अलावा मोहम्मद सिराज हैं, जो 10वें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी एक स्थान के नुकसान के साथ पांचवें स्थान पर लुढ़क गए हैं। ऑलराउंडर्स में नबी शीर्ष पर वनडे ऑलराउंडर्स में अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी पहले स्थान पर, जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा दूसरे, अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह जजई तीसरे, बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज चौथे और अफगानिस्तान के राशिद खान पांचवें स्थान पर हैं। शीर्ष-10 में भारत के एकमात्र खिलाड़ी रवींद्र जडेजा हैं। वह 10वें स्थान पर काबिज हैं।

## मध्य प्रदेश: वैश्विक निवेशक सम्मेलन में स्थानीय स्वाद जोड़ने के लिए दिखाएंगे उत्पाद निर्माण प्रक्रिया

**मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए जिला स्तर पर बने उत्पादों, विशेषकर हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों को वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएस) में प्रदर्शित किया जाएगा। 'इन्वेस्ट मध्य प्रदेश - वैश्विक निवेशक सम्मेलन' भोपाल में 24 और 25 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है।**

**भोपाल** । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए जिला स्तर पर बने उत्पादों, विशेषकर हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों को वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएस) में प्रदर्शित किया जाएगा। 'इन्वेस्ट मध्य प्रदेश - वैश्विक निवेशक सम्मेलन' भोपाल में 24 और 25 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, 5 कारीगरों और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सम्मेलन में 'एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) एक्सपो जोन' के माध्यम से प्रयास किए जाएंगे।5 उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओडीओपी पहल के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दे रही है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनी में 38 ओडीओपी उत्पादों के लिए 'लाइव और प्रोसेस' (सजीव और प्रक्रिया) काउंटरों में विभाजित विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कारीगर इन काउंटर पर बाग प्रिंट, जरी जरदोजी, बाटिक प्रिंट, कालीन, चंदेरी साड़ियां, बांस शिल्प, बलुआ पत्थर की वस्तुएं और फैब्रिक जैकेट जैसे प्रमुख उत्पाद बनाने के कौशल का प्रदर्शन करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि आगंतुकों और प्रतिनिधियों को कुशल कारीगरों के मार्गदर्शन में इन उत्पादों को बनाने का अनूठा अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि मानव संग्रहालय में मानव जाति के संग्रहालय में मिट्टी के बर्तनों और धातु शिल्प के लिए लाइव काउंटर भी एक प्रमुख आकर्षण होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में खाद्य, मसाले और फूलों से संबंधित 32 ओडीओपी उत्पादों और उनकी उत्पादन प्रक्रिया को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल होंगे।आगंतुक इन उत्पादों को देख सकेंगे, समझ सकेंगे और खरीद सकेंगे। इसके अतिरिक्त, 16 लाइव काउंटरों पर मध्यप्रदेश की पारंपरिक कला और शिल्प का प्रदर्शन किया जाएगा, जहां अतिथि रचनात्मक प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रदर्शनी कारीगरों के लिए व्यापार के नए अवसर खोलेगी और प्रत्येक काउंटर पर आगंतुकों का डेटा एकत्र किया जाएगा, जिससे कारीगरों के लिए नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि डेटा प्रबंधन की जिम्मेदारी भोपाल के प्रतिष्ठित कॉलेजों के छात्रों को सौंपी गई है, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा।

## खत्म हुआ पाकिस्तान का 29 साल का लंबा इंतजार, चौंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत आज से

29 साल का लंबा इंतजार आखिरकार पाकिस्तान का खत्म हुआ। इस कड़ी में आज यानी बुधवार 19 फरवरी से पाकिस्तान आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी करने को तैयार है। हालांकि, इस टूर्नामेंट के कुछ मैच पाकिस्तान के अलावा दुबई में खेले जाएंगे। इनमें भारत के सभी मुकाबले शामिल हैं। पाकिस्तान के लाहौर, रावलपिंडी और कराची में अन्य 7 टीमें अपने सभी मुकाबले खेलेगी। बता दें कि, 3 दशक पहले यानी 1996 में पाकिस्तान ने अपने आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। उस दौरान पाकिस्तान ने भारत और श्रीलंका के साथ मिलकर वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन किया था। पाकिस्तान के लिए ये आईसीसी टूर्नामेंट किसी जीवन रक्षक दवा से कम नहीं है। क्योंकि कुछ साल पहले तक पाकिस्तान में इंटरनेशनल क्रिकेट का आयोजन भी नहीं होता था। 2009 में पाकिस्तान में श्रीलंका की टीम बस पर आतंकी हमला हो गया था। जिसके बाद से करीब एक दशक तक पाकिस्तान में आईसीसी इवेंट तो छोड़िए द्विपक्षीय क्रिकेट भी खेलना मुश्किल हो गया था। हालांकि, जैसे-जैसे समय गुजरा दो कुछ टीमों में पाकिस्तान में जाकर द्विपक्षीय सीरीज खेलीं। इस दौरान एक बार सुरक्षा कारणों के चलते न्यूजीलैंड ने अपना दौरा बीच में ही रद्द कर दिया था, लेकिन अब भारत को छोड़कर सभी टीमें पाकिस्तान में क्रिकेट खेलती हैं। भारत और पाकिस्तान के संबंध राजनीतिक दृष्टि से ठीक नहीं है। जिस कारण सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए भारत ने आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। इसलिए टीम इंडिया हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच दुबई मेंखेलेगी। वहीं अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी दुबई में ही आयोजित होगा। वहीं अगर बात टूर्नामेंट के पहले मैच की करें तो पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच आगाज मैच खेला जाएगा। हाल ही में दोनों टीमों के बीच त्रिकोणीय सीरीज खेली गई थी। इस सीरीज के फाइनल में और लीग मैच में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों हार मिली। ऐसे में अब ये साख की लड़ाई है।

### विवाद के बाद पीसीबी ने सुधारी गलती, पाकिस्तान में लहरा रहा भारतीय तिरंगा

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत से पहले एक भारतीय झंडे को लेकर पीसीबी ने एक विवाद खड़ा किया था। कराची के नेशनल स्टेडियम में भारत का झंडा नहीं था। चौंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम भी हिस्सा ले रही है। भले ही टीम इंडिया के मैच दुबई में हैं, लेकिन भारत का झंडा भी वहां होना चाहिए था। भले भूल कहें या जानबूझकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ऐसा किया हो, लेकिन इस पर विवाद शुरू हुआ तो कुछ ही दिनों बाद बोर्ड ने इसमें सुधार किया है। अब भारतीय झंडा भी पाकिस्तान में लहराएगा। पीसीबी ने अब कराची में भारतीय झंडा भी लगाया है। सोशल मीडिया पर कराची के नेशनल स्टेडियम की कुछ तस्वीरें और वीडियोज वायरल हुई थीं। इनमें भारत का झंडा नहीं था, जबकि चौंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा ले रहे बाकी सभी देशों का झंडा था। हालांकि, अब नई तस्वीरों में चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत के झंडे को अन्य भाग लेने वाले देशों के साथ रखा गया है। वहीं भारतीय टीम की जर्सी पर भी दुबई में खेलने के बावजूद होस्ट नेशन यानी पाकिस्तान का नाम लिखा है। हालांकि, अभी भी स्टेडियम के ऊपर भारत का झंडा नहीं है, क्योंकि भारतीय टीम अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी। ऐसे में स्टेडियम के अंदर ये झंडा लगाया गया है। वहीं पीछे ने पीसीबी के एक सूत्र के हवाले से बताया कि, जैसा कि आप जानते हैं, भारत आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान अपने मैच खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं आ रहा है। कराची के नेशनल स्टेडियम, रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम और लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में उन देशों के झंडे फहराए गए हैं, जिन स्थालों पर मुकाबले खेले जाएंगे।

### आज पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड मैच के साथ शुरु होगा मिनी वर्ल्ड का रोमांच, जानें मैच की पूरी जानकारी

आतंकवाद से लंबे समय तक ग्रसित पाकिस्तान करीब तीन दशक में अपने पहले प्रमुख क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी करने को तैयार है। मिनी वर्ल्ड कप कहे जाने वाले आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होगा। पाकिस्तान के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जो सुरक्षा कारणों से कई आईसीसी इवेंट्स की मेजबानी करने से हाथ धो बैठा था। चौंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले कराची, लाहौर और रावलपिंडी में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में वनडे की शीर्ष आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस टूर्नामेंट के 9वें संस्करण में भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत ने हाइब्रिड मॉडल की गुजारिश की थी, जिस पर आईसीसी ने सहमति जताई थी। बहरहाल, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। हाल ही में न्यूजीलैंड ने ट्राई-सीरीज के फाइनल में पाकिस्तान को मात दी थी और यही वजह है कि पहला मैच जीतने का वो मजबूत दावेदार माना जा रहा है। आज के मैच की डिटेल्स तारीख - 19 फरवरी 2025, बुधवार स्थान - नेशनल स्टेडियम, कराची मैच शुरू - दोपहर 2:30 बजे, भारतीय समयानुसार टॉस समय - दोपहर 2 बजे। दोनों टीमें मेहमान न्यूजीलैंड - मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, लोकी फर्ग्यूसन।

## भारतीय क्रिकेट जगत में शोक की लहर

**मुंबई** की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 76 साल के थे। पिछले रविवार को 76 साल के हुए रेगे को ब्रीच कैंडी अस्पताल के आईसीसी में भार्ती कराया गया था और बुधवार सुबह करीब 6 बजे उनका निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं।

## चयन से जुड़ी चुनौतियों से उबरकर बांग्लदेश के खिलाफजीत से शुरूआत करना चाहेगा भारत

क्रिकेट में हाल में उतार-चढ़ाव भरे अतीत ने भारत के लिए चौंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करना अनिवार्य कर दिया है और गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफहोने वाला उसका पहला मैच इस टीम से जुड़े मौजूदा सवालों को दूर करने की दिशा में पहला कदम होगा। भारत टूर्नामेंट से पहले प्रबल दावेदारों में शामिल है लेकिन यह गेंदबाजी इकाई चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति से उबरकर अच्छा प्रदर्शन कर पाएगी? क्या विराट कोहली और रोहित शर्मा अपने शानदार दिनों को वापस ला पाएंगे? क्या शुभमन गिल जैसे युवा खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन करके कई देशों की मौजूदगी वाली प्रतियोगिता के दबाव को झेल पाएंगे? इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट वरदान की तरह है क्योंकि भारत के दिग्गज और युवा खिलाड़ी एकदिवसीय प्रारूप में सहज महसूस करते हैं और वे यहां अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कोहली, रोहित और यहां तक घ्कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पास अधिक समय नहीं है क्योंकि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली असफलताओं से मिले झटके का असर कम नहीं हुआ है। हालांकि कुछ अच्छे संकेत हैं। कप्तान रोहित ने कुछ दिन पहले इंग्लैंड के खिलाफशानदार शतक और कोहली ने अर्धशतक बनाया जबकि गंभीर के मार्गदर्शन में भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में क्रमशरू 4-1 और 3-0 की शानदार जीत दर्ज की। गिल ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला में एक शतक और दो अर्द्धशतक जड़कर श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। चौंपियंस ट्रॉफी में हालांकि भारत के सामने चुनौती घरेलू श्रृंखला से काफी अलग है। ग्रुप ए में भारत के प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड हाल ही में उसका सामना करने वाले इंग्लैंड की तुलना में कहीं अधिक प्रेरित नजर आ रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226 1 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226 8 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7 5289865,983917772 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।